जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

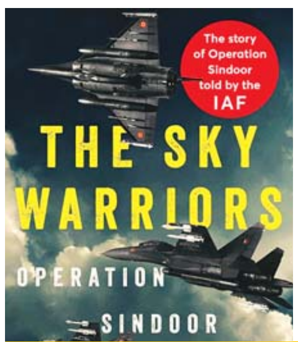

How The IAF Commandeered...

The split-second choices, the weight of command, the handling of modern state of the war waging equipment and the commitment of those who fly these war machines…

The KitKat Heist

The Woman Who Chronicled the Vijayanagara Empire

इज़रायल के हमले में लेबनान का सर्वोच्च कमांडर हैकल मारा गया

अमेरिका की सशर्त युद्धविराम की घोषणा के बाद भी इज़रायल के हवाई हमलों पर रोक नहीं लगी

- **लेबनान की सेना के अनुसार, सशस्त्र बलों के कमांडर इन चीफ ब्रिगेडियर जनरल रुडॉल्फ हैकल, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे, जब इज़रायल के हवाई हमले ने उनके सैन्य वाहन को नष्ट कर दिया।**

बेरूत (लेबनान), 07 जून। अमेरिका की मध्यस्थता से इज़रायल और लेबनान के बीच वाशिंगटन में घोषित सशर्त सैन्य विराम (युद्ध विराम, सीजफायर) दिखावा साबित हुआ। इज़रायल के ताजा हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में लेबनान के सैन्य प्रमुख भी शामिल हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सैन्य प्रमुख , एक कैप्टन और एक सैनिक की मौत हो गई। इनकी मौत खारदली-नबातीह रोड पर यात्रा के दौरान हुई। सैन्य प्रमुख को पाकिस्तान पहुंचना था। पाकिस्तान पहुंचने से पहले ही उनकी जान ले ली गई। लेबनान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देश के सैन्य प्रमुख (सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ) ब्रिगेडियर जनरल रुडोल्फ हैकल को निशाना बनाने को देश की संप्रभुता पर हमला करार दिया है। इस हमले की कई देशों ने भी कठोर निंदा की है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल ने छह जून को लेबनान पर कहर बरपाया।

लेबनान की सेना ने पुष्टि की है कि इज़रायल के हवाई हमले में खारदली-नबातिह रोड पर अभेद्य माना जाने वाला सैन्य वाहन नष्ट हो गया। इसमें सवार सेना के सर्वोच्च कमांडर , कैप्टन और एक सैनिक मारे गए। इज़रायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि यह हमला सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ। इस क्षेत्र में आवाजाही के लिए इज़रायली सेना के साथ तालमेल जरूरी है। आईडीएफ ने कहा इस घटना की जांच की जा रही है।

लेबनान की सेना ने बताया कि उसके सर्वोच्च कमांडर रुडोल्फ हैकल अपने पाकिस्तानी समकक्ष फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक सशस्त्र आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने हमले को ''घिनौना अपराध'' बताया। साथ ही लेबनान सरकार पर आरोप लगाया कि उसने ''वाशिंगटन में दुश्मन की मांगों के सामने पूरी तरह घुटने टेककर'' देश को खूनखराबे के बीच धकेल दिया है।

इज़रायल की सेना ने कहा कि उसने पिछले दो दिन में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के लगभग 150 ठिकानों पर हमला किया है। इनमें शस्त्र भंडारण गृह, कमांड सेंटर, रॉकेट लॉन्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर साइट्स शामिल हैं। इज़रायली सेना ने शनिवार देर रात कहा कि उसके दो सैनिक दक्षिणी लेबनान में मारे गए हैं। उधर, हिजबुल्लाह ने बिंट जेबिल इलाके में इज़रायल की चौकी को ड्रोन हमले में उड़ाने का दावा किया है।

महत्वपूर्ण यह है कि संघर्ष विराम का सिलसिला 17 अप्रैल से चल रहा है। अब तक इसका कभी पूरी तरह से पालन नहीं किया गया। हिजबुल्लाह और इज़रायल ने अकसर एक-दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। दो-चार दिन पहले वाशिंगटन में लेबनान और इजरायली दूतों ने एक सशर्त सैन्य विराम की घोषणा की थी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा था कि वह इस सैन्य विराम को नहीं मानेंगे। दक्षिणी लेबनान से इज़रायल की वापसी पर ही कोई समझौता मान्य हो सकता है।

आज दिल्ली में होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली, 07 जून। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी।

जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में

- **जयराम रमेश के अनुसार, 23 राजनीकि दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है।**

असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मालवीय नगर में आज धार्मिक स्थल हटेंगे, 3000 पुलिसकर्मी तैनात

नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी 1 मस्जिद, 2 मंदिर, 1 सत्संग भवन व 1 मज़ार हटेंगे

- **जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं।**
- **जयपुर जिले में धारा 163 लागू करने के साथ ही इंटरनेट, वॉट्सऐप तथा सोशल मीडिया एप्स बंद रहेंगे।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 7 जून । राजधानी जयपुर के मालवीय नगर इलाके में नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी डेढ़ कि.मी. लंबी सड़क की सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों को जेडीए प्रशासन सोमवार को हटाएगा। इनमें एक मस्जिद, दो मंदिर, एक सत्संग भवन और एक मजार शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए शहर में 3000 से ज्यादा पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगे। जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं। इसके अलावा, जयपुर, कोटा और भरतपुर रेंज से भी अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया है। शहर में धारा 163 लागू करने के साथ ही इंटरनेट भी बंद रखा गया है। साथ ही बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) सहित, अन्य सोशल मीडिया सेवाएं निलंबित रहेंगी।

बताया जा रहा है कि कमिश्नरेट की करीब 1000 जवानों की अतिरिक्त पुलिस फोर्स भी तैनात रहेगी। परकोटे सहित शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और आरएसी की मौजूदगी रहेगी, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत नियंत्रण किया जा सके। ज्ञात रहे कि नंदपुरी अंडरपास के पास से रेलवे लाइन के समानांतर यह सड़क 6 कॉलोनियों के बीच से निकलती है। अभी इसकी चौड़ाई 25 से 30 फीट है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में 80 फीट है। सड़क 80 फीट चौड़ी होने से नंदपुरी से जगतपुरा तक सीधा रूट मिलेगा। करीब 50 कॉलोनियों को मालवीय नगर, प्रधान मार्ग और अपेक्स सर्किल की ओर बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि सड़क चौड़ी होने से हरे-कृष्ण मार्ग पर वाहनों का लोड कम होगा। जेडीए ने गत 22 मई को 134 अतिक्रमण हटाए थे। इस दौरान धार्मिक स्थलों को स्वयं हटाने के निर्देश दिए थे, परंतु किसी ने अवैध कब्जे नहीं हटाए। नंदपुरी रोड पर सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर जेडीए की इस कार्रवाई के विरोध की आशंका देखते हुए जयपुर पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। विभिन्न संगठनों की ओर से संभावित विरोध-प्रदर्शन तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए जयपुर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार द्वारा जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धर्मेन्द्र प्रधान 7 दिन में नहीं हटे तो देशव्यापी आंदोलन- सीजेपी

सीजेपी संस्थापक दिपके ने जंतर-मंतर के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया

- **दिपके ने कहा कि प्रदर्शन की खास बात यह थी कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे।**

नई दिल्ली, 07 जून। रविवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने केन्द्र सरकार को दो टूक चेतावनी दे दी। उन्होंने साफ कहा कि जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन तो महज एक ट्रेलर था। अगर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अगले सात दिनों में इस्तीफा नहीं दिया या उन्हें पद से नहीं हटाया गया, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप अख्तियार कर लेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में दिपके ने शनिवार के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारी भीड़ देश की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं और छात्रों के गुस्से का प्रतीक है। दिपके ने लिखा, कल हजारों लोगों ने मिलकर एक नया इतिहास रचा। जंतर-मंतर पर हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने सरकार को यह दिखा दिया कि जब आम जनता एकजुट होती है, तो उसमें कितनी ताकत होती है।

इस प्रदर्शन की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद, छात्र, नौजवान और बच्चे बड़ी संख्या में अपनी आवाज उठाने पहुंचे थे।

दिपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर पूरी एक पीढ़ी का भविष्य बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई यहीं खत्म होने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सात दिन के भीतर शिक्षा मंत्री अपने पद से नहीं हटते हैं, तो हम जमीन पर उतरकर बड़े पैमाने पर आंदोलन जारी रखने के लिए मजबूर होंगे। आंदोलन के तरीकों पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया कि उनका अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक रहेगा, क्योंकि एकजुट और शांतिपूर्ण आंदोलन को सरकार कभी दबा नहीं सकती।

मानसून 11 राज्यों में पहुँचा

नई दिल्ली, 07 जून। देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। 4 जून को केरल के तट से टकराने के 72 घंटे के भीतर मॉनसून 11 राज्यों तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर-पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

दक्षिण- पश्चिम मॉनसून ने रविवार को उत्तरपूर्वी भारत में पूरे नागालैंड,

- **केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु व उत्तर-पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी।**

मणिपुर और मिजोरम को कवर कर लिया। साथ ही, असम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर मॉनसून की बारिश शुरू हो गयी है।

भारत मौसम विभाग की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, मॉनसून पिछले 72 घंटे में 11 राज्यों में पहुंच चुका है -- केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीके शिवकुमार ने संकट सुलझाने का दावा किया

डीके शिवकुमार और बागी रामलिंगा रेड्डी की दो घंटे लंबी अहम् बैठक हुई

- **डीके शिवकुमार ने पुष्टि की कि मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने उन्हें वॉट्सऐप पर इस्तीफा भेजा था, पर शिवकुमार ने कहा, अब सब ठीक है।**
- **इसी बीच महिलाओं को सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने आपत्ति जताई। डीके शिवकुमार ने कहा, अभी कई पद रिक्त हैं, शीघ्र ही मंत्रिमंडल विस्तार होगा, जिसमें महिलाओं को स्थान मिलेगा।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। अपनी चार दिन पुरानी सरकार के भीतर उभर रहे असंतोष का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को दावा किया कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी से जुड़े सभी मुद्दे "सुलझा लिए गए हैं।"

नई सरकार के लिए बड़ी परेशानी का कारण बने घटनाक्रम में, वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को अपने विभाग को लेकर नाराजगी जताते हुए, डी.के. शिवकुमार मंत्रिमंडल से मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। रेड्डी का कहना था कि उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा बेंगलुरु विकास मंत्रालय देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन शपथ ग्रहण के बाद उन्हें सिंचाई मंत्रालय आवंटित कर दिया गया।

इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने रेड्डी को अपना "सबसे करीबी मित्र" बताया था और कहा था कि वे इस मुद्दे का समाधान कर लेंगे।

शनिवार को मुख्यमंत्री ने इस बात की पुष्टि की कि रेड्डी ने उन्हें "वॉट्सऐप पर" इस्तीफा भेजा था, लेकिन उन्होंने कहा कि अब सब कुछ सामान्य है।

उन्होंने कहा, "वे मेरे मित्र हैं, सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक कहानियां मत गढ़िए, वे सब बेकार साबित होंगी। हां, उन्होंने वॉट्सऐप पर इस्तीफा भेजा था, लेकिन अब मामला सुलझ गया है।"

शुक्रवार रात शिवकुमार ने रेड्डी के इस्तीफे के बाद, उनके साथ करीब दो घंटे तक बैठक की, जो रात 1:30 बजे तक चली। इस देर रात हुई चर्चा को उभरते राजनीतिक मतभेदों को नेतृत्व द्वारा दूर करने की कोशिश के रूप में देखा गया।

रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे ने नई सरकार के भीतर हलचल मचा दी है और अन्य मंत्रियों ने भी अपने विभागों को लेकर असंतोष जताना शुरू कर दिया है।

इसके बाद सरकार के दूसरे मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने भी अपने विभाग को लेकर नाराजगी व्यक्त की। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मिलने पर उन्होंने कहा कि कैबिनेट के "सबसे वरिष्ठ" नेताओं में से एक होने के नाते उन्हें अधिक महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए था।

मुनियप्पा ने एनडीटीवी को बताया, "मैंने नेतृत्व को बता दिया है कि कैबिनेट के वरिष्ठतम सदस्य के रूप में मुझे कोई महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए।"

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी अपेक्षाओं के बारे में राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओडिशा में सहायक अभियंता के पास अथाह संपत्ति मिली

भुवनेश्वर, 07 जून। ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंधमाल जिले के बालीगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय

- **विजिलैंस विभाग के छापे में 2 करोड़ रूपए नकद, 552 ग्राम स्वर्ण आभूषण व करोड़ों की अचल सम्पत्ति मिली।**

विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहायक कार्यपालक अभियंता (एईई) बैकुंठनाथ बेहरा को आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में गिरफ्तार कर लिया है। जांच में उनके पास ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में 798 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने का खुलासा हुआ है।

विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, बैकुंठनाथ बेहरा और उनके परिवार के नाम पर करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां मिली हैं।

इनमें भुवनेश्वर में कई आलीशान बहुमंजिला भवन, करोड़ों रुपये के प्लॉट, दो करोड़ रुपये से अधिक नकदी, सोने के आभूषण, बैंक जमा और लग्जरी वाहन शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दादाभाई नौरोजी, ऋषि सुनक की शृंखला में एक युवा राजस्थानी ने भी अपना नाम दर्ज कराया

रणजीत सिंह राठौड़ अब इंगलैण्ड की हिलिंगडन सीट से काउंसलर (सांसद) निर्वाचित हुए हैं

- **''मैं 2014 में लंदन की ब्रुनेल युनिवर्सिटी में ''लॉ'' पढ़ने आया था। युनिवर्सिटी में दो बार स्टूडैन्ट यूनियन का अध्यक्ष चुना गया। मैं अपने परिवार का पहला व्यक्ति था, जो विदेश गया था, पढ़ाई करने।''**
- **''मेरी राजनीति में रूचि स्टूडैन्ट यूनियन का अध्यक्ष बनने के बाद से जागृत हुई। कंज़रवेटिव पार्टी ने मुझे राजनीतिक प्रचार अभियान में भाग लेने का मौका दिया तथा बोरिस जॉनसन व ऋषि सुनक के चुनाव में मैंने काम किया तथा पार्टी ने मुझे काउंसलर पद के लिए उम्मीदवार बनाया।''**
- **राठौड़ की राजनीतिक उड़ान में इस बात से भी मदद मिली कि भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिकों की भारी साख बनी है इंगलैण्ड में। 42 प्रतिशत भारतीय मूल के ब्रिटेन निवासी इंगलैण्ड की हाई-इनकम श्रेणी में आ गए हैं। उदाहरण के लिए, 2022 के एक सर्वे के अनुसार, आज इंगलैण्ड में भारतीय मूल के नागरिकों के पास ज्यादा सम्पत्ति है, अंग्रेज निवासियों की तुलना में, और भारतीय मूल के इंगलैण्ड निवासियों के योगदान की काफी कदर है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। "ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ़ इंडिया दादाभाई नौरोजी पहले एशियाई और भारतीय थे, जिन्हें 1892 में ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स में संसद सदस्य के रूप में चुना गया था। उन्होंने लंदन की सेंट्रल फिन्सबरी सीट का प्रतिनिधित्व किया और ब्रिटेन व उसके उपनिवेशों, विशेषकर भारत, में अल्पसंख्यकों की समस्याओं को उठाया। सन् 2022 में, ऋषि सुनक ऐसे पहले ब्रिटिश एशियाई (भारतीय मूल) बने, जिन्होंने कंज़रवेटिव पार्टी से 10, डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया।

अब राजस्थान के रणजीत सिंह राठौड़ भी उन भारतीयों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ब्रिटिश राजनीति में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

रणजीत राठौड़ को वैस्ट लंदन के हिलिंगडन बरो के शांत, उच्च दर्जे वाले आवासीय क्षेत्र, नॉर्थ हिलिंगडन से काउंसलर चुना गया है। उन्होंने कंज़रवेटिव पार्टी से जोनाथन बिएंको के साथ चुनाव लड़ा। जोनाथन 40 वर्षों से ऑफिस में हैं। अब नॉर्थ हिलिंगडन की सीट का प्रतिनिधित्व करेंगे- एक युवा भारतीय नेता और एक अनुभवी ब्रिटिश काउंसलर।

रणजीत ने कहा, "मैं 2014 में ब्रुनेल युनिवर्सिटी, लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए यूके आया। मेरा यहाँ आना अविश्वसनीय रूप से लाभप्रद एवं कायापलट कर देने वाला रहा। विश्वविद्यालय में मैं दो साल लगातार स्टूडेंट्स यूनियन का अध्यक्ष चुना गया तथा मुझे विविध पृष्ठभूमियों वाले 15,000 से अधिक विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व करने का सुअवसर मिला। इस अनुभव ने मेरे नेतृत्व कौशल को निखारा और पब्लिक सर्विस की मेरी समझ को मजबूत किया तथा मुझे समुदाय से जुड़ने की एक मजबूत भावना दी, ये वैल्यूज़ आज भी मेरा मार्गदर्शन कर रही हैं।"

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "हां, मैं विदेश में पढ़ाई करने वाला अपने परिवार का पहला व्यक्ति हूँ। यह व्यक्तिगत और प्रोफेशनल, दोनों रूप से बड़ा कदम था। कम उम्र में एक नए देश में जाने से मैंने बहुत जल्दी आज़ादी, लचीलान और एडजस्ट करने की क्षमता सीखी।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में भारतीय युवक की गोली मार कर हत्या

हैदराबाद, 07 जून। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में हैदराबाद के रहने वाले 28 साल के एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना पांच और छह जून की दरमियानी रात को हुई। मृतक की पहचान अंशुल कुंचा के रूप

- **अंशुल कुंचा एक एमएनसी में काम करता था। वह शनिवार और रविवार को पीत्ज़ा डिलीवरी का काम भी करता था।**

में हुई है। अंशुल का परिवार हैदराबाद के पास गुंडलापोचमपल्ली में रहता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि वे अंशुल के परिवार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

खुद के लिये जीने वाले की ओर कोई ध्यान नहीं देता पर जब आप दूसरों के लिये जीना सीख लेते हैं तो वे आपके लिये जीते हैं। –श्री परमहंस योगानंद

डिजिटल भारत या डिजिटल विभाजन की नई दीवार?

हमारे सामने एक नया भारत उभर रहा है। बहुत कुछ बदल रहा है। कुछ बदलाव हम महसूस करते हैं, कुछ बदलाव हमें बताए और महसूस कराए जाते हैं। यह अस्वाभाविक भी नहीं है। जब कोई काम किया जाता है तो करने वाला उसका प्रचार भी करता है, उसके लिए श्रेय भी लेता है। यह मानव स्वभाव है। इधर हमें जो बड़े बदलाव बताए जाते हैं, और जिन्हें हम ख़ुद महसूस भी करते हैं उनमें एक बड़ा बदलाव यह है कि अपना देश अब 'डिजिटल' हो गया है। 'डिजिटल इंडिया' की खूब चर्चा होती है, और हमारे सामने उपलब्धियों की एक लंबी सूची उभर आती है। हम ख़ुद देखते हैं और अगर न भी देखें तो हमें दिखाया जाता है कि अब चाय वाले से लेकर चाट वाले तक, यहां तक कि भिखारी भी, क्यूआर कोड से भुगतान ले रहे हैं; बैंक जेब में समा गया है; रेलवे टिकट, बिजली का बिल, टैक्स भुगतान, अस्पताल का पंजीकरण–सब कुछ मोबाइल की स्क्रीन पर बस एक क्लिक की दूरी पर उपलब्ध है। यह सब यथार्थ है और निस्संदेह उल्लेखनीय और सराहनीय भी है। ख़ुद मैं महसूस करता हूं कि डिजिटलीकरण ने मेरा जीवन बहुत आसान कर दिया है। निस्संदेह यह आज के भारत की सफलता की एक चमकीली कथा है। लेकिन हर सफलता की कहानी का एक ऐसा अध्याय भी होता है जो उत्सवधर्मिता के शोर में दब जाता है। डिजिटल भारत की कहानी में वह अध्याय बुज़ुर्ग नागरिकों का है।

तकनीक का उद्देश्य मनुष्य का जीवन आसान बनाना था। जो उसे बरतने में सक्षम थे, उनका जीवन उसने सुगम बनाया भी है। लेकिन अति उत्साह में हमारे यहाँ धीरे–धीरे सुविधा और अनिवार्यता का अंतर मिटता जा रहा है। आप बैंक जाइए तो कर्मचारी मुस्कुराकर सलाह देता है–"सर, यह काम ऐप से हो जाएगा।" रेलवे की खिड़की पर जाइए तो बताया जाता है कि ऑनलाइन टिकट लेना अधिक सुविधाजनक है। किसी अस्पताल में अपॉइंटमेंट चाहिए तो वेबसाइट या ऐप का रास्ता दिखा दिया जाता है। मानो यह मान लिया गया है कि देश का हर नागरिक स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल प्रक्रियाओं का उतना ही अभ्यस्त है जितना उसे बनाने और सहजता से बरतने वाली पीढ़ी है।

यहीं से समस्या शुरू होती है।

भारत में करोड़ों ऐसे वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्होंने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा उस दुनिया में बिताया है जहाँ दस्तख़त पहचान का प्रमाण थे, पासबुक बैंकिंग का आधार थी और किसी भी काम के लिए एक जीवित मनुष्य से बात करना संभव था। अब उन्हें एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करने के लिए बाध्य किया जा रहा हैं जहाँ पहचान ओटीपी से होती है, भरोसा पासवर्ड पर टिका है और सहायता का पहला स्त्रोत कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक चैटबॉट होता है। सारा कारोबार एक दबाओ, दो दबाओ से आगे बढ़ता है।

वृद्धावस्था स्वयं में कोई समस्या नहीं है। यह तो एक स्वाभाविक परिणति है। जो जन्म लेता है वह वृद्ध भी होता ही है। समस्या तब पैदा होती है जब समाज अपनी व्यवस्थाएँ इस तरह निर्मित करने लगता है कि उम्र एक प्रकार की अक्षमता में बदल जाती है। आज अनेक बुज़ुर्गों के लिए मोबाइल फोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि परीक्षा काएक डराने वाला प्रश्न–पत्र बन गया है। हर कुछ दिनों में नया अपडेट, नया इंटरफेस, नई सुरक्षा प्रक्रिया और नया सत्यापन। जिस व्यक्ति ने जीवन भर कठिन प्रशासनिक और सामाजिक जिम्मेदारियाँ निभाई हों, वह भी एक छोटे–से संदेश–पासवर्ड इनकरेक्ट' के सामने असहाय महसूस कर सकता है। और दुख की बात यह कि उसकी इस व्यथा को कोई समझना भी नहीं चाहता।

डिजिटल क्रांति ने एक और विडंबना पैदा की है। पहले नागरिक सरकारी दफ्तरों की कतारों में परेशान होते थे। अब कतारें कम हो गई हैं, लेकिन उनकी जगह ओटीपी, कैप्चा, यूज़र आईडी और पासवर्ड ने ले ली है। तकनीक को धड़ल्ले से बरतने वाला मैं भी बहुत दफा कैप्चा के आगे पराजित हो जाता हूं। पहले खिड़की के उस पार बैठा बाबू कभी-कभी झुँझला कर कुछ कह देता था; अब उसकी जगह एक निर्जीव स्क्रीन ने ले ली है, जो गलती होने पर केवल इतना कहती है-'एरर, ट्राय अगेन।'।

तकनीक विशेषज्ञ अक्सर यह मान लेते हैं कि जो चीज़ उन्हें सहज लगती है, वह सभी को सहज लगेगी। लेकिन तकनीक का सबसे बड़ा भ्रम यही है। एक युवा के लिए जो प्रक्रिया तीस सेकंड में पूरी हो जाती है, वही किसी बुज़ुर्ग के लिए तनाव, भय, असुरक्षा, आतंक, असहायता, दयनीयता और निर्भरता का कारण बन सकती है। समस्या केवल तकनीकी नहीं है; भाषा की भी है। सोच कर देखें कि 'ऑथेन्टिकेट', वेरीफाई', 'रीसेट', 'अपडेट', 'प्रोसीड' और 'सबमिट' जैसे शब्द उन लोगों के लिए कितने आत्मीय हैं जिनकी शिक्षा और जीवनानुभव किसी दूसरी भाषायी दुनिया में विकसित हुए हैं? भारत में तकनीक सामान्यतः अंग्रेज़ी केंद्रित है और जिस पीढ़ी की मैं चिंता कर रहा हूं, उसका एक बड़ा हिस्सा अपनी पूरी ज़िंदगी अंग्रेज़ी से इतर किसी भाषा में अपना काम करता रहा है। अब उम्र के इस मुकाम पर आकर उनके लिए एक नई भाषा सीखना, और उसमें तकनीक को बरतना कितना मुश्क़िल होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे दुखद पक्ष आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। एक समय था जब परिवार के निर्णयों का केंद्र घर के बुज़ुर्ग हुआ करते थे। आज कई बार उन्हें अपने ही बैंक खाते का विवरण देखने, बिजली का बिल भरने या रेल टिकट बुक करने के लिए बेटे, बेटी, पोते–पोती या पड़ोसी की सहायता लेनी पड़ती है। सहायता माँगना बुरा नहीं है; लेकिन हर छोटे–बड़े काम के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाना मनुष्य के आत्मविश्वास का धीरे–धीरे क्षरण करता है।

डिजिटल क्रांति ने एक और विडंबना पैदा की है। पहले नागरिक सरकारी दफ्तरों की कतारों में परेशान होते थे। अब कतारें कम हो गई हैं, लेकिन उनकी जगह ओटीपी, कैप्चा, यूज़र आईडी और पासवर्ड ने ले ली है। तकनीक को धड़ल्ले से बरतने वाला मैं भी बहुत दफा कैप्चा के आगे पराजित हो जाता हूं। पहले खिड़की के उस पार बैठा बाबू कभी–कभी झुँझला कर कुछ कह देता था; अब उसकी जगह एक निर्जीव स्क्रीन ने ले ली है, जो गलती होने पर केवल इतना कहती है–'एरर, ट्राय अगेन।'। यहां संवाद की और मदद मांगने की सारी संभावनाएं ही ख़त्म हैं! और यह तो केवल असुविधा का पक्ष है। उससे भी गंभीर पक्ष सुरक्षा का है। साइबर अपराधियों ने शीघ्र ही समझ लिया है कि डिजिटल दुनिया में सबसे आसान शिकार कौन है। केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर फोन, बैंक अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी, नकली लिंक, फर्जी ऐप और ओटीपी धोखाधड़ी–इन सबका सबसे बड़ा निशाना वरिष्ठ नागरिक ही बनते हैं। एक तरफ व्यवस्था उन्हें डिजिटल बनने के लिए प्रेरित करती है, दूसरी तरफ वही डिजिटल संसार उन्हें अनेक नए प्रकार के जोखिमों के सामने खड़ा कर देता है।

विडंबना यह है कि जिस देश में 'सबका साथ, सबका विकास' और 'समावेशी विकास' की बातें होती हैं, वहीं डिजिटल समावेशन पर अपेक्षित गंभीरता से चर्चा ही नहीं होती है। किसी सेवा को ऑनलाइन उपलब्ध करा देना और उसे सबके लिए सुलभ बना देना दो अलग–अलग बातें हैं। यदि किसी नागरिक को किसी आवश्यक सेवा का लाभ उठाने के लिए स्मार्टफोन, इंटरनेट, अंग्रेज़ी की समझ और तकनीकी दक्षता अनिवार्य रूप से चाहिए, और इसका कोई विकल्प उपलब्ध न हो, तो हमें यह पूछना चाहिए कि क्या वह व्यवस्था वास्तव में समावेशी है? लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाल जाना चाहिए कि मैं तकनीक का विरोधी हूं। मैं स्पष्ट कहता हूं कि रेलगाड़ी से उतरकर बैलगाड़ी पर लौट जाने का कोई औचित्य नहीं है। प्रश्न तकनीक के उपयोग का नहीं, उसकी मानवीयता का है। क्या बैंक शाखाओं में वरिष्ठ नागरिक सहायता डेस्क नहीं हो सकती? क्या आवश्यक सेवाओं के लिए ऑफलाइन विकल्प सुरक्षित नहीं रखे जा सकते? क्या ऐप और वेबसाइटों को अधिक सरल, अधिक सहज भारतीय भाषाओं में और अधिक वरिष्ठ–अनुकूल नहीं बनाया जा सकता? क्या डिजिटल साक्षरता अभियान बुज़ुर्गों के लिए भी नहीं चलाए जाने चाहिए?

किसी भी समाज की प्रगति का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाता कि वह कितना तेज़ दौड़ रहा है। उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है जो किसी कारणवश उतनी तेज़ी से नहीं दौड़ सकते हैं। डिजिटल भारत का स्वप्न निश्चय ही स्वागत योग्य है। किंतु यदि उस स्वप्न के रास्ते में हमारे वरिष्ठ नागरिक स्वयं को असहाय, उपेक्षित और अप्रासंगिक महसूस करने लगें, तो यह गम्भीर आत्ममंथन का विषय है। तकनीक तब तक सभ्यता की सहयोगी है जब तक वह मनुष्य को सशक्त बनाती है। जिस दिन वह मनुष्य को उसकी ही व्यवस्था में पराया महसूस कराने लगे, उस दिन हमें रुककर यह पूछना चाहिए कि हम डिजिटल भारत बना रहे हैं या अनजाने में डिजिटल विभाजन की एक नई दीवार खड़ी कर रहे हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

बढ़ती उम्र और घटती संवेदनात्मक प्रतिवर्ती क्रियाएं

वीर बहादुर सिंह

यह लेख मूलतः शरीर विज्ञान एवं मनोविज्ञान की परिधि में आता है। लेखक ने यह विवरण एक वरिष्ठ जनों की यू 3 ए की उदयपुर सभा में अंग्रेजी में शीर्षक "डिमिनिशिंग रेफ्लेक्सेस विद एडवांसिंग एज" से दिया था। अतिरिक्त इसके, कुछ समय पूर्व जैन संतशिरोमणि आचार्य महाप्रज्ञ जी को भी उनके उदयपुर प्रवास के अवसर पर एक अन्य लेख के साथ इसे दिया था। उन दो लेखों में से आचार्य जी ने एक उस समय प्रकाशित एक स्मारिका में अंग्रेजी में छपवा दिया था। लेखक ने आचार्य जी से पांच बार भेंट कर कई शरीर सम्बन्धी आयामों पर वैज्ञानिक सार्थक चर्चा की थी जिनके बारे में उन्होंने अपने कतिपय तब भिन्न भिन्न प्रवचनों में मेरा नाम लेकर उल्लेख भी किया था। पाठकों को यहाँ बता दूँ कि आचार्य महाप्रज्ञ जी उच्च कोटि के संत तो निसंदेह थे ही, उनकी शरीर विज्ञान और नलिकाविहीन अंतःस्त्रावी ग्रंथिओं और उनसे स्त्रावित होर्मोन्स की जानकारी पर अच्छी पकड़ थी। उनकी शैक्षणिक योग्यता जानने की तो लेखक की कभी हिम्मत नहीं हुई। बहराल यह लेख चूँकि अंग्रेजी भाषा में लिखा गया था, सोचा क्यों न अब इसे हिंदी भाषा में परिवर्तित कर अधिक लोगों की जानकारी के लिए अखवार में छपवा दूँ।

संवेदनात्मक प्रतिवर्ती कियाएं क्या होती हैं पाठक यह जान लें। आपके पैर में काँटा लगा अथवा कोई कंकड़, काँटा या अन्य कुछ चलते समय चुभा तो बिना क्षण गवाए आपका पैर तुरंत ही संज्ञान लेकर कुछ उपाय करता है, टांग में मक्छर आदि के काटने पर आपका हाथ तुरंत ही उस स्थान पर हल्का सा थप्पड़ मार देता है इसी प्रकार कहीं सुई, ऑलपिन या कोई अन्य नुकीली वस्तु चुभने पर आपकी प्रतिक्रिया त्वरित होती है। आँख में कुछ गिरने पर पलक स्वतः आँख बंद कर देते हैं और आप मलनें लगते हैं। इन क्रियाओं के फलस्वरूप शरीर जो प्रतिक्रिया तुरंत देता है वही सब रिफ्लेक्स एक्शन या प्रतिवर्ती क्रियाऐं कहलाती हैं ।

शरीर जब प्रतिवर्ती क्रिया देने में विलम्ब करने लगे तो आदमी समझने लगता है कि अब बुढ़ापा आने लगा है और ऐसी ही भिन्न भिन्न दशाओं के प्रकट होते आदमी बुढ़ापे और उसके दंश से डरने लगता है। क्योंकि बाल्या वस्था और जवानी में तो ऐसा कुछ होता नहीं था। इस तरह का भाव यदि किसी में घर कर जाय और उसका समुचित निदान न किया जाय तो परिणीति असक्षमता, नर्वस डिसऑर्डर, काम करने की लगन में कमी और फिर सकारात्मक मनोवृति में ह्रास के साथ जटिल डेमेंश्या, डिप्रेशन और अल्ज़्हीमर रोग बन जाते हैं। इन सबसे बचने के लिए उचित व्यवस्था और समुचित उपाय करना वांछनीय है।

इस तरह का बदलाव चूँकि बहुत धीमी गति से होता है। फिर भी पोषण में कमी, किसी अन्य वेस्टिंग बीमारी (मांस पेशिओं में क्षरण) का होना और मानसिक दवाब ऐसी दशाओं को और गति दे देती हैं। वैसे तो बुढ़ाना शरीर की एक सामान्य क्रिया है फिर भी चूँकि इसका अंत मृत्यु पर होता है जो अवश्यम्भावी है मनुष्य डरता है। जन्म के समय ही मृत्यु की घडी भी चल पड़ती है। जन्म और मृत्यु की अवधि काल में व्यक्ति अधिक से अधिक सकारात्मक सोच के साथ अच्छे व् सकारात्मक कार्यों में व्यस्त रहे तो उसे शारीरिक व्याधियां कम व्याप्ति हैं और बुढ़ाना भी धीमी गति से घटित होता है। साथ ही प्रतिवर्ती क्रियाओं के बढ़ने की गति बहुत धीमी या नगण्य ही रहती है।

बुढ़ानें की समस्या के चार पहलू हैं:–1. दैहिकी आधारित या जैविक 2. मनोवृति परक 3. सामाजिकमूलक और 4. सांस्कृतिक।

वैज्ञानिक बुढ़ाने को केवल एक शुद्ध दैहिकी क्रिया मानते हैं क्योंकि उनके अनुसार अनेक मानसिक, मनोवृत्तिमूलक क्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं। लेकिन साथ ही कुछ अंतस्त्रावी ग्रंथिओं के स्त्राव–होर्मोनस, किण्वक और न्यूरॉन्स की कम सघनता और सक्रियता से मस्कुलो नर्वस क्रियाएं मंद पड़ जाती हैं। यहाँ यह बताना आवश्यक है कि बुढ़ानें की प्रवर्ति में पूर्वाग्रह और अनभिग्यता दोनों ही मिथक वैज्ञानिक ज्ञान की प्रधानता को साधारणतः अशक्त कर देते हैं। अब संक्षेप में वे कारक जो बुढ़ापे में कठिनाइयां बढ़ाते हैं और प्रतिवर्ती क्रियाओं में ह्रास करते हैं, वे हैं – अकेलापन और सामजिक पृथक्करण, गरीबी के साथ–साथ अन्य किसी वित्तीय स्त्रोत का भी न होना, शारीरिक अक्षमता, हाइजीन और सफाई की कमी, कार्य संलग्नता में कमी और सबसे मुख्य मानसिक तनाव मुख्य कारक हैं। इसलिए वरिष्ठजनों को समय रहते स्वयं किसी परोपकारी कार्य से जुड़जाना चाहिए।

धार्मिक आयोजनों में सक्रीय भाग लेने से भी सकारात्मकता बढ़ती है और तनाव में कमी आती है। अकेले होने पर पेड़–पौधे लगाने में रूचि रखने से भी तनाव तो कम होता ही है कुछ शारीरिक श्रम होने से सक्रियता भी बनी रहती है। आखिर में लेख को विराम देते हुए यह मन में बिठा लीजिये कि प्रतिवर्ती क्रियाएं मष्तिष्क में उपजती हैं इसलिए उनका प्रतिकारक वहीं पर पैदा होना जरुरी है। इसके लिए दोनों शारीरिक कार्य और मष्तिष्क कार्य सम्पादित करते रहना आवश्यक है।

ध्यान, प्रेक्षा ध्यान और ऑटो सजैशन कि मैं ठीक हूँ या मेरी व्याधि कम हो रही है शारीरिक व्यधिओं को शीघ्र ही भर देते हैं। क्योंकि ऐसी क्रियाओं से पिटुइटरी, पीनियल, थाइरोइड पारा थाइरोइड की सक्रियता में संतुलन बना रहता है जिससे सभी चयापचय क्रियाएं और प्रतिरोधी क्रियाओं का लाभ शरीर को मिलता रहता है। अपने से कम आयु और तरुण युवा लोगों की संगत से भी मन एकाग्र होता है। ऊतकों की मरम्मत के लिए पौष्टिक आहार लेते रहना जरुरी होता है जिसमें हरे साग–सब्जी और रंगीन फलों का भी यदा कदा भक्षण बहुत लाभ करता है। अंत में वे सभी उपाय करने चाहिए जिनसे व्यस्तता और स्वास्थ्य ठीक बना रहे और तनाव कम से कम रहे अथवा बिलकुल नहीं रहे। उन सभी कार्यों में संलग्नता हो जिनसे मन और मस्तिष्क दोनों ही संतुष्टि की सीमा में रहें और शरीर की सभी मुख्य ग्रंथियां सक्रीय रहकर अपने स्त्रावों से शरीर को लाभ पहुंचाती रहें।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि., उदयपुर।

सनातन धर्म पर हेट स्पीच का इतिहास

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

भारत में सनातन धर्म पर हमला एक आम बात बन गई है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहाँ बहुसंख्यक धर्म की आलोचना इस हद तक की जाती है कि बोले गए शब्द हेट स्पीच (घृणास्पद भाषण) के मूल तत्वों को पूरा करते हैं। हेट स्पीच में ऐसा भाषण शामिल होता है जिससे किसी विशेष समुदाय की आस्थाओं, रीति–रिवाजों, पूजा–पद्धतियों आदि का अनादर, शत्रुता या अपमान होता है। इस विषय के लिए देश के उन कानूनों को समझना ज़रूरी है जो भारत में हेट स्पीच से निपटते हैं। यह CrPC की धारा 153(ए), 153(बी), 295(ए), 298, 505(1) का संदर्भ देता है; और अब भारतीय न्याय संहिता के तहत धारा 196, 197, 299, 302, 353 के अंतर्गत आता है। ये धाराएँ उन स्थितियों या आचरण से निपटती हैं जिनमें भारत में कानून–व्यवस्था को बिगाड़ने और हिंसा भड़काने की क्षमता होती है। यदि इसी तरह के शब्द गैर–बहुसंख्यक समुदायों के खिलाफ बोले जाते, तो उसका परिणाम क्या होता, यह सभी को भली–भांति पता है।

चिंता का विषय यह है कि तमिलनाडु के मंत्री उदायानिधि स्टालिन का हेट स्पीच के मामले में दुराचरण का एक इतिहास रहा है; यहाँ तक कि मद्रास उच्च न्यायालय को भी इस मंत्री के वर्ष 2023 के हेट स्पीच के मामले से निपटना पड़ा था। उदयनिधि स्टालिन ने 2023 में एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था, "कुछ चीज़ों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें पूरी तरह से मिटा देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छरों, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें उन्हें पूरी तरह से खत्म करना होता है। ठीक इसी तरह, हमें सनातन (सनातन धर्म) का विरोध करने के बजाय, उसे पूरी तरह से मिटा देना चाहिए।"

हेट स्पीच (द्वेषपूर्ण भाषण) शब्द की बारीकियों को समझने के लिए यह फ़ैसला पढ़ना बहुत ज़रूरी है। हाई कोर्ट ने अश्विनी उपाध्याय मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का ज़िक्र किया, जिसमें राज्य के अधिकारियों पर यह ज़िम्मेदारी डाली गई है कि वे हेट स्पीच फैलाने वाले लोगों के ख़िलाफ़ अपनी मर्ज़ी से (suo motu) आपराधिक कार्रवाई शुरू करें। हाई कोर्ट ने अपनी सख़्त टिप्पणियों को इन निर्देशों के साथ समाप्त किया कि जो लोग हेट स्पीच के लिए ज़िम्मेदार हैं, वे आज़ादी से घूम रहे हैं, जबकि जो लोग इसका जवाब दे रहे हैं, उन्हें आपराधिक कार्रवाई के ज़रिए परेशान किया जा रहा है। यह तमिलनाडु राज्य में क़ानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा अपने फ़र्ज़ से मुँह मोड़ने का मामला है।

सनातन धर्म के ख़िलाफ़ हेट स्पीच का एक लंबा इतिहास रहा है, जो विलियम आर्चर को दिए गए एक करारे जवाब की याद दिलाता है; आर्चर ने इंडिया एंड फ़्यूचर नाम की एक किताब लिखी थी। सनातन धर्म पर हुए इस हमले का जवाब देते हुए, श्रीअरविन्द ने द फ़ाउंडेशन ऑफ़ इंडियन कल्चर शीर्षक के तहत कई निबंध लिखे। ये निबंध मूल रूप से आर्य नाम की मासिक पत्रिका में प्रकाशित(1918–19) हुए थे, जिनमें भारत का पुनर्जागरण, क्या भारत सभ्य है? , भारतीय संस्कृति और बाहरी प्रभाव तथा भारतीय संस्कृति का बचाव जैसे विभिन्न शीर्षक शामिल थे। कहा जाता है कि हर उस भारतीय को ये निबंध ज़रूर पढ़ने चाहिए, जो भारतीय संस्कृति के सही और सच्चे दृष्टिकोण को समझना चाहता है। श्रीअरविंद किसी भी संस्कृति की महानता को परखने के लिए तीन मापदंड निर्धारित करते हैं:–पहला, उस संस्कृति की मूल भावना को समझना; साथ ही उसकी सर्वोच्च उपलब्धियों और बेहतरीन कामयाबियों को जानना। और अंत में, उस संस्कृति में जीवित रहने, टिके रहने, आत्मसात करने, समन्वय बिठाने, एकजुट होने और किसी भी समाज या जाति की स्थायी ज़रूरतों के नए दौर के अनुसार खुद को ढाल लेने की शक्ति का होना।यह बात स्वामी विवेकानंद के उस भाषण (फरवरी 27, 1895) की याद दिलाती है, जिसमें उन्होंने भारत की विभिन्न उपलब्धियों और आध्यात्मिकता, विज्ञान, साहित्य, कला, संस्कृति, गणित आदि के क्षेत्रों में भारत द्वारा दुनिया को दिए गए अमूल्य योगदान का ज़िक्र किया था।

सनातन धर्म के बारे में एक आम गलतफहमी यह है कि इसके आलोचक कहते हैं कि जिसका जन्म होता है, उसकी मृत्यु भी निश्चित है; इसलिए कोई अवतार नहीं हो सकता। उनके अनुसार, अवतार कोई दिव्य सत्ता नहीं होती । लेकिन, इस तर्क में एक बुनियादी कमी है। श्रीअरविन्द अपने ग्रंथ एसेज़ ऑन गीता में लिखते हैं कि ब्रह्मांड की वह अवधारणा, जिसके अनुसार यह जगत समय और स्थान के दायरे में, विकास की प्रक्रिया से गुज़रते हुए, उस परम सत्ता की ही एक अभिव्यक्ति मात्र है–इस संदर्भ में, भविष्य की दिशा तय करने में अवतार की भूमिका ही सबसे तार्किक निष्कर्ष प्रतीत होती है। अतः, सनातन धर्म जिस तरह से दिव्य सत्ता को–परम सत्ता, वैश्विक चेतना और व्यक्तिगत चेतना–इन तीनों आयामों में देखता है, उस दृष्टिकोण को आलोचक समझ नहीं पाते; और इसकी मुख्य वजह है भारतीय दर्शन और आध्यात्मिकता की उनकी अधूरी समझ।

जहाँ तक अस्पृश्यता (छुआछूत) की कुप्रथा का प्रश्न है, सभी समाज सुधारकों ने इस बात को स्वीकार किया है कि–ठीक वैसे ही जैसे कानून में कुछ मूल सिद्धांत होते हैं और कुछ नियम होते हैं–उसी तरह, अस्पृश्यता की यह कुप्रथा भी केवल नियमों में पाई जाती है, न कि धर्म के मूल सिद्धांतों में। सभी समाज सुधारकों ने, बिना किसी अपवाद के, अस्पृश्यता की इस कुप्रथा की कड़ी निंदा की है; क्योंकि यह समाज में असमानता को बढ़ावा देती है।

वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था के बीच के अंतर को समझना अत्यंत आवश्यक है। वर्ण व्यवस्था तो व्यक्ति के कर्म और स्वभाव के आधार पर कार्यों का वर्गीकरण करती है; जबकि जाति व्यवस्था का आधार केवल जन्म होता है–और जाती व्यवस्था सनातन धर्म की मूल भावना के बिल्कुल विपरीत है। यह रेखांकित करना भी प्रासंगिक है कि हेट स्पीच (द्वेषपूर्ण भाषण) की अवधारणा, भाईचारे और सामाजिक लोकतंत्र के सिद्धांतों के बिल्कुल विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में दिए गए अपने ऐतिहासिक भाषण में सामाजिक लोकतंत्र के महत्व पर विशेष ज़ोर दिया था।

देश का कानून भारत के संविधान में निहित है। संविधान द्वारा प्रदत्त वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार निरपेक्ष नहीं है; बल्कि इस पर कुछ उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हर प्रकार की चर्चा, किसी विचार का समर्थन, अथवा आलोचना को हेट स्पीच की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विभिन्न निर्णयों में, तथा विधि आयोग ने अपनी रिपोर्टों में, हेट स्पीच की परिभाषा के दायरे को स्पष्ट करने पर विशेष बल दिया है। इस परिभाषा के अंतर्गत–अन्य पहलुओं के साथ–साथ–दुराशय तत्कालीन परिस्थितियाँ, और हिंसा के लिए उकसाने जैसे तत्वों पर विचार किया जाता है; और इसमें सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह होता है कि किसी आपत्तिजनक भाषण के प्रति एक विवेकशील व्यक्ति की क्या प्रतिक्रिया होगी? अतः यह कहा जा सकता है कि ऐसे विवेकशील व्यक्ति से यह अपेक्षा की जाती है कि वह भारतीय संस्कृति की नींव से परिचित हो–वह संस्कृति जो वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत में विश्वास रखती है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति में पूर्णता को प्राप्त करने की समान क्षमता निहित है। आधुनिक काल में, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और श्रीअरविन्द के कार्यों को समझे और सराहे बिना, भारतीय संस्कृति की कोई भी सराहना अधूरी और विकृत मानी जाएगी; साथ ही, यह सनातन धर्म के साथ भी न्याय नहीं कर पाएगी।

संविधानिक न्यायालय ने स्टालिन को हेट स्पीच (नफ़रत फैलाने वाले भाषण) का दोषी पाया था। अब 13 मई 2026 को, वह तमिलनाडु की विधानसभा से फिर से हेट स्पीच दी हैं। ख़बरों के अनुसार, विपक्ष के नेता के तौर पर उन्होंने कहा है कि सनातन धर्म को समाप्त किया जाना ज़रूरी है। उनका असली चेहरा सामने आ गया है। वह एक कायर व्यक्ति हैं। उनमें अपने शब्दों पर कायम रहने का साहस नहीं है। संविधान के इतिहास में यह एक काला दिन था, जब हेट स्पीच फैलाने वाला व्यक्ति फिर से वही शरारत दोहरा रहा था, और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने स्टालिन के इस अत्यंत अस्वीकार्य आचरण पर कोई आपत्ति नहीं जताई। ठीक वैसे ही, जैसे अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए, विधायकों को प्राप्त विशेषाधिकारों की आड़ ली थी। स्टालिन भी अब अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के ही नक्शेकदम पर चल रहे हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी कि भविष्य में स्टालिन का हश्र भी वैसा ही होगा।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

नो पार्किंग के नाम पर आमजन का उत्पीड़न कब तक?

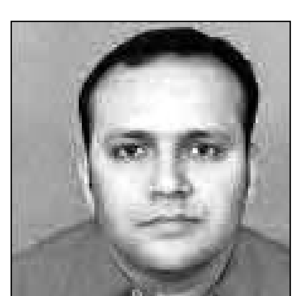

रोहित कुमार जैन

जयपुर शहर में नो पार्किंग में खड़े वाहनों को क्रेन के माध्यम से उठाकर ले जाने की व्यवस्था कोई नई नहीं है। यह व्यवस्था पूर्व की सरकारों के समय से ही चली आ रही है। लेकिन समय के साथ इस व्यवस्था को लेकर आमजन की परेशानियाँ और शिकायतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब यह केवल यातायात व्यवस्था सुधारने का माध्यम न होकर आम नागरिकों के आर्थिक शोषण और मानसिक उत्पीड़न का कारण बनती दिखाई दे रही है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नो पार्किंग का सरकारी चालान मात्र 200 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि स्वयं सरकार भी इसे कोई बहुत बड़ा अपराध नहीं मानती। इसके बावजूद वाहन मालिकों से क्रेन शुल्क के नाम पर 600 या उससे अधिक राशि वसूली जाती है। यानी वास्तविक चालान राशि से तीन गुना अधिक पैसा निजी क्रेन एजेंसियों को प्राप्त होता है।

आमजन के बीच यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि ट्रैफिक पुलिस और निजी क्रेन ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण वाहनों को जल्दबाजी में उठाया जाता है, ताकि अधिक से अधिक आर्थिक लाभ कमाया जा सके। कई बार वाहन चालक थोड़ी दूरी पर ही मौजूद होता है, फिर भी बिना किसी चेतावनी के वाहन उठा लिया जाता है। इससे नागरिकों को भारी असुविधा, समय की बर्बादी और अनावश्यक आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

नियमों के अनुसार वाहन उठाने से पहले वाहन स्वामी को लाउडस्पीकर अथवा अन्य माध्यम से सूचना देकर उचित समय देना चाहिए, ताकि वह स्वयं वाहन हटा सके। लेकिन व्यवहार में अधिकांश मामलों में इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता। सीधे वाहन उठाकर ले जाना ही प्राथमिक कार्रवाई बन चुकी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौके पर ही ऑन–द–स्पॉट चालान किए जाएँ तो अधिक प्रभावी तरीके से यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित की जा सकती है। इससे लोगों को अनावश्यक परेशानी भी नहीं होगी और ट्रैफिक व्यवस्था भी बेहतर बनी रहेगी। इसके विपरीत वाहन को क्रेन से उठाकर ले जाने की प्रक्रिया में अधिक समय लगता है तथा इसका सबसे अधिक लाभ निजी एजेंसियों को मिलता है।

यह विषय किसी एक सरकार या राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा है जिसकी अब निष्पक्ष समीक्षा होना आवश्यक है। जनहित में सरकार को चाहिए कि वाहन केवल उन्हीं परिस्थितियों में उठाए जाएँ, जब वे वास्तव में यातायात बाधित कर रहे हों। साथ ही क्रेन शुल्क की समीक्षा कर आमजन को राहत दी जाए तथा निजी एजेंसियों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

यातायात व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन उसके नाम पर आम नागरिकों का आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उचित नहीं माना जा सकता।

–रोहित कुमार जैन, सीए

राशिफल

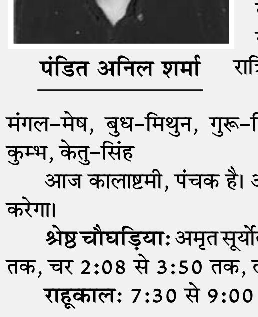

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, शतभिषा नक्षत्र प्रातः 9:10 तक, विष्कुम्भ योग प्रातः 9:28 तक, बालव करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:37 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज कालाष्टमी, पंचक है। आज शुक्र कर्क में सायं 5:43 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:19 तक, शुभ 9:01 से 10:43 तक, चर 2:08 से 3:50 तक, लाभ अमृत 3:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:15

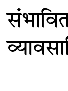

मेष

आज आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

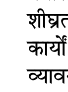

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

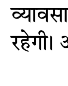

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

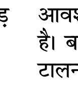

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

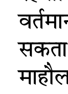

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

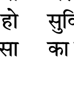

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

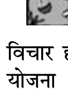

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

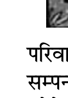

वृश्चिक

घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

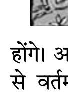

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

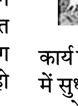

मकर

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

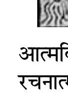

कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

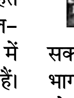

मीन

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मालवीय नगर में तोड़फोड़ की कार्रवाई से पहले पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, बैरिकेड्स लगाकर रोके रास्ते

इंटरनेट-मैसेज और सोशल मीडिया एप्स बंद रहेंगे, बिना अनुमति रैली-जुलूस निकालने पर भी पाबंदी

मालवीय नगर क्षेत्र में रविवार को पुलिस और आरएसी कंपनियों के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। इसके साथ ही नंदपुरी क्षेत्र में बैरिकेड्स लगाकर रास्ते बंद कर दिए है। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मालवीय नगर के नंदपुरी इलाके में सड़क सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों पर जेडीए की कार्रवाई से पहले पुलिस-प्रशासन ने राजधानी में पुख्ता इंतजाम किए है। रविवार को पुलिस और आरएसी कंपनियों के जवानों ने प्रभावित क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। मालवीय नगर क्षेत्र में बैरिकेड्स लगाकर रास्ते बंद कर दिए है।

कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए शहर में 3000 से ज्यादा पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगे। संभागीय आयुक्त वी. सरवण कुमार ने इंटरनेट-मैसेज और सोशल मीडिया एप्स बंद रखने के आदेश दिए है। पुलिस कमिश्नरेट ने धारा 163 लागू करते हुए बिना अनुमति रैली-जुलूस निकालने पर भी पाबंदी लगाई है। जेडीए कार्रवाई के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर पुलिस नजर रखेगी, शहर में चप्पे-चप्पे पर कड़ा पहरा होगा।

■ जेडीए की कार्रवाई के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर नजर रखेगी पुलिस, चप्पे-चप्पे पर होगा पहरा

कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, बिना पूर्व अनुमति किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस, धरना-प्रदर्शन अथवा सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी।

सार्वजनिक स्थानों पर धारदार या घातक हथियार, लाठी, डंडा, बरछी, गंडासा तथा आग्नेयास्त्र लेकर चलने पर भी रोक है। हालांकि यह प्रतिबंध ड्यूटी पर तैनात पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षाबलों पर लागू नहीं होगा। पुलिस प्रशासन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप सहित अन्य डिजिटल माध्यमों पर भड़काऊ, भ्रामक अथवा सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसारण पर भी प्रतिबंध लगाया है।

ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आदेश में सिख समुदाय को धार्मिक परंपरा के तहत कृपाण रखने तथा वृद्धजनों एवं दिव्यांगों को सहारे के लिए लाठी उपयोग करने की छूट दी गई है। पूर्व निर्धारित विवाह समारोह, बारात, धार्मिक आयोजन, मेले तथा अंतिम संस्कार जैसी गतिविधियों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव पचार ने चेतावनी दी है कि आदेश की अवहेलना करने वाले व्यक्ति अथवा संगठन के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आदेश की प्रतियां पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए है।

वहीं जयपुर संभागीय आयुक्त के आदेश के मुताबिक जयपुर के गलता गेट, माणक चौक, सुभाष चौक, आदर्श नगर, ब्रह्मपुरी, नाहरगढ़, कोतवाली, जलूपुरा, संजय सर्किल, शास्त्रीनगर, भट्टा बस्ती, विद्याधर नगर, जयसिंहपुरा खोर, बनीपार्क, कानोता, तूंगा, आंधी, जमवारामगढ़, सामोद, रायसर, गोविंदगढ़, चंदवाजी, शाहपुरा, अचरोल, विराटनगर, पावटा, प्रागपुरा, मनोहरपुर, भाबरू, कालाडेरा, चौमूं, हरमाड़ा, झोटवाड़ा, करधनी, वैशाली नगर, सोडाला, श्याम नगर, गांधी नगर, बजाज नगर, मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, सांगानेर, प्रतापनगर, मुहाना, शिवदासपुरा, बगरू, दूदू, फागी तथा फुलेरा सहित जयपुर उत्तर व जयपुर पूर्व जिले के सभी क्षेत्रों में 7 जून की रात्रि 12 बजे से 8 जून रात 12 बजे तक 2जी, 3जी, 4जी एवं 5जी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) सहित अन्य सोशल मीडिया सेवाएं निलंबित रहेंगी। हालांकि वॉयस कॉल सेवाएं पूर्ववत संचालित रहेंगी।

धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की तो कार्रवाई होगी : पुलिस कमिश्नर

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सड़क सीमा (राइट ऑफ वे) में आने वाले धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई के दौरान सोशल मीडिया अथवा अन्य डिजिटल माध्यमों पर धार्मिक उन्माद फैलाने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि कार्रवाई के दौरान कुछ असामाजिक तत्व अथवा शरारती प्रवृत्ति के लोग सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर वीडियो, पोस्ट या भ्रामक सामग्री प्रसारित करने का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे मामलों में पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर भड़काऊ वीडियो बनाने, तथ्यहीन या भ्रामक सामग्री प्रसारित करने तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास किए जाने पर उसके विरुद्ध विधिसम्मत एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जयपुर पुलिस की साइबर शाखा एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी इकाइयों को सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि सामने आने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि वे किसी भी अपुष्ट या भ्रामक जानकारी को साझा करने से बचें तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

विधानसभा की जनलेखा समिति लेह लद्दाख, जम्मू कश्मीर, पंजाब और हरियाणा के दौरे पर

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली 8 से 16 जून तक जन लेखा समिति-2026-27 के साथ राज्य से बाहर लद्दाख, जम्मू कश्मीर, पंजाब एवं हरियाणा के दौरे पर रवाना होंगे। इस दौरान जनलेखा समिति इन स्थानों का तत्स्थानीय अध्ययन और विधान सभा की सिस्टर कमेटी से मुलाकात करेगी।

■ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सभापतित्व में 8-16 जून तक होगा जनलेखा समिति का दौरा

जनलेखा समिति के सभापति और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बताया कि समिति 8 जून को जयपुर से लेह (लद्दाख) के लिए प्रस्थान करेगी। यात्रा कार्यक्रम के दौरान उनके साथ समिति के सदस्य सुरेश धाकड़, अर्जुन लाल जीनगर, अनीता बघेल, चंद्रभान सिंह चौहान एवं विश्वनाथ मेघवाल भी मौजूद रहेंगे।

समिति 8 से 10 जून तक लेह (लद्दाख) में तत्स्थानीय अध्ययन करेगी और सिस्टर कमेटी से मुलाकात वहां किए जा रहे नवाचारों के सम्बन्ध में चर्चा करेगी, इसके साथ ही लद्दाख के गवर्नर विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात भी करेगी। इसके पश्चात समिति 11 जून को श्रीनगर पहुंचेगी, जहां वह 11 एवं 12 जून को जम्मू कश्मीर विधानसभा की सिस्टर कमेटी के साथ चर्चा कर समिति द्वारा किए जाने वाले विभागीय परीक्षणों और प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के सम्बन्ध में किए जाने वाले कार्यों के सम्बन्ध में विचार-विमर्श करेगी और साथ ही वहां का तत्स्थानीय अध्ययन भी करेगी।

13 जून को समिति श्रीनगर से कटरा के लिए प्रस्थान करेगी, जहां माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन के पश्चात दिनांक 14 जून को ट्रेन द्वारा अमृतसर पहुंचेगी। अमृतसर में गुरुद्वारा साहब के दर्शन के पश्चात 15 जून को अंबाला कैंट एवं चंडीगढ़ पहुंचेगी, जहां वह पंजाब व हरियाणा विधान सभा की सिस्टर कमेटी के साथ चर्चा करेगी और पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात और करेगी और दिनांक 16 जून को चंडीगढ़ से रवाना होकर जयपुर पहुंचेगी।

पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

राजसमंद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल सिंह ईडवा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित निवास पर भेंट की।

जयपुर। राजसमंद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल सिंह ईडवा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित निवास पर भेंट की।

लगभग आधे घंटे तक चली इस मुलाकात में राजस्थान की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठनात्मक गतिविधियों, विकास परियोजनाओं तथा विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। पूर्व सांसद ईडवा ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री को बधाई देते हुए कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सहित राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राष्ट्रिहत से जुड़े विभिन्न विषयों पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजस्थान में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, संगठन की गतिविधियों तथा राज्य के समग्र विकास से जुड़े विविध पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

एएनटीएफ ने एमडी ड्रग्स और डोडा-चूरा की खेप पकड़ी

पाली और बीकानेर में बड़ी कार्रवाई की विभाग ने, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पाली और बीकानेर जिलों में दो बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ बरामद किए हैं। दोनों मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थों की सप्लाई चेन और तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एएनटीएफ टीमों ने दोनों जिलों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि पाली जिले के माण्डीगढ़ गांव में नरेश और सुभाष प्रजापत अपने घर से अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहे हैं। सूचना के आधार पर एएनटीएफ ने सादड़ी थाना पुलिस के सहयोग से नरेश प्रजापत के मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान एक बंद कमरे से छह प्लास्टिक थैलियों में छिपाकर रखी गई 100.86 ग्राम एमडी ड्रग्स तथा 09.11 ग्राम मिलावटी पाउडर बरामद किया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर नरेश प्रजापत (32) को गिरफ्तार कर लिया।

वहीं दूसरी कार्रवाई बीकानेर के जयपुर-जोधपुर बाईपास टोल प्लाजा के पास स्थित जगदम्बा होटल पर की गई। होटल संचालक परमाराम जाट (45) निवासी सुरनाणा, थाना लूणकरणसर के अवैध गतिविधियों में शामिल होने की सूचना पर एएनटीएफ ने जेएनवीसी थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की।छापेमारी के दौरान होटल के बाहर बने छपरे में बैठा परमाराम पुलिस को देखकर प्लास्टिक का कट्टा लेकर भागने लगा, लेकिन प्रशिक्षित खोजी डॉग की मदद से उसे पकड़ लिया गया। जांच में कट्टे से 1.750 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा तथा मादक पदार्थों की बिक्री से अर्जित 11 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। एएनटीएफ के अनुसार दोनों मामलों में बरामद मादक पदार्थों के स्त्रोत, सप्लाई चेन और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए गहन अनुसंधान किया जा रहा है। महानिरीक्षक विकास कुमार ने कार्रवाई में शामिल एएनटीएफ, सादड़ी थाना और जेएनवीसी थाना पुलिस की टीमों की सराहना करते हुए बताया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

लैंडस्केप पार्क में पौधे-परिण्डे लगाए

जयपुर। मानसरोवर स्थित लैंडस्केप पार्क में नीड़ संस्था, हुनर फाउंडेशन, आव्हान जन कल्याण सेवा समिति तथा बोलिया केयर फाउंडेशन, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सघन फलदार वृक्षारोपण और पक्षियों के लिए परिण्डे लगाए गए। इस अवसर पर हुनर फाउंडेशन की ओर से बच्चों की पक्षी चित्र कला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवी लक्ष्मण बोलिया तथा वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी तथा नीड संस्था के अजित तिवारी ने पाँच गार्ड, पर्यावरण संरक्षक व मॉर्निंग वाकर्स को उपहार भेंट किए।

इनामी भूमाफिया गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर शहर में भूमाफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए जामडोली थाना क्षेत्र की विवादित महेश विहार कॉलोनी में अवैध कब्जे करने वाले इनामी आरोपी विष्णु शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ प्लॉटों और मकानों पर जबरन कब्जा करने के संबंध में करीब आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त रंजिता शर्मा के अनुसार महेश विहार कॉलोनी में विष्णु शर्मा अपने सहयोगियों अजीत सिंह घासी गुर्जर एवं अन्य लोगों के साथ मिलकर संगठित रूप से अवैध कब्जों की गतिविधियों में शामिल था। आरोप है कि गिरोह भूखंड मालिकों के पक्के निर्माणों को तोड़कर जमीन पर कब्जा कर लेता था और रातों-रात बाउंड्रीवॉल तथा कमरे बनवा देता था।

वागड़ अंचल के लिए मील का पत्थर होगी "अपर हाई लेवल कैनाल" परियोजना

338 गांवों की 42 हजार हेक्टेयर भूमि को लिफ्ट सिंचाई प्रणाली से मिलेगा जल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा 'अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना' को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए युद्धस्तर पर कार्य करवाए जा रहे हैं। वागड़ अंचल के किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रही इस परियोजना से जनजाति बहुल क्षेत्र में कृषि व्यवस्था एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। लगभग 2500 करोड़ रुपए लागत की परियोजना से बांसवाड़ा जिले की 3 विधानसभा क्षेत्रों (बांसवाड़ा, बागीदौरा एवं कुशलगढ़) की 6 तहसीलों बांसवाड़ा, बागीदौरा, कुशलगढ़, सज्जनगढ़, आनंदपुरी एवं गांगड़तलाई के 338 गांवों की लगभग 42 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को लिफ्ट सिंचाई प्रणाली से जल उपलब्ध होगा। परियोजना से लगभग 3.5 लाख आबादी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होगी। परियोजना में आधुनिक इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी से नहर नेटवर्क एवं विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

परियोजना की कुल मुख्य नहर लंबाई 102 किलोमीटर है। इसमें 22.50 किलोमीटर लंबाई में सुरंगे/कट एंड कवर संरचनाएं, एक्वाडक्ट तथा नदी को पार करते हुए साइफन निर्मित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही लगभग 230 अन्य नहरी महत्वपूर्ण संरचनाए यथा सुपरपासेज, ड्रेनेज साइफन, रोड ब्रिज, एस्केप कम क्रॉस रेगुलेटर, हेड रेगुलेटर इत्यादि भी परियोजना में शामिल हैं।

परियोजना के तहत अत्याधुनिक प्रेशर प्रणाली आधारित कमांड क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इससे खेत तक वैज्ञानिक एवं नियंत्रित सिंचाई स्काडा प्रणाली से सुनिश्चित हो सकेगी। सिंचित क्षेत्र में प्रत्येक 200 हेक्टेयर के 'चक स्तर' पर लगभग 200 डिग्गियों का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्य नहर प्रणाली से इन डिग्गियों तक पानी एमएस व डीआई पाइपलाइन पहुंचाया जाएगा। इसके बाद डिग्गियों से लगभग 5 हजार कि.मी. लंबाई का भूमिगत एचडीपीई पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किया जाएगा, जिससे प्रेसराइज्ड इरिगेशन प्रणाली से खेतों तक पानी पहुंचेगा।

इस आधुनिक सिंचाई व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक लगभग 1.25 से 1.50 हेक्टेयर क्षेत्र पर हाइड्रेंट विकसित किए जाएंगे। इन हाइड्रेंट पॉइंट्स तक भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क बिछेगा, जहां से किसान सीधे सिंचाई के लिए जल प्राप्त कर सकेंगे। इस प्रणाली से खेत स्तर तक समान जल वितरण, न्यूनतम जल हानि तथा अधिक दक्ष सिंचाई सुनिश्चित होगी। आधुनिक माइक्रो एवं प्रेसराइज्ड इरिगेशन प्रणाली के जरिए कम पानी में अधिक क्षेत्र की सिंचाई संभव हो सकेगी। किसानों को निरंतर बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना में अत्याधुनिक स्काडा (पर्यवेक्षक नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण) प्रणाली भी विकसित की जा रही है। इससे सम्पूर्ण प्रेशर प्रणाली आधारित तंत्र का संचालन एवं मॉनिटरिंग पूर्णत: ऑटोमाइज्ड होगी।

इस प्रणाली से जल वितरण को समान रूप से सुनिश्चित करने, दबाव एवं प्रवाह को स्वचालित रूप से नियंत्रित करने तथा रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग एवं संचालन नियंत्रण की सुविधा उपलब्ध होगी। इस प्रणाली से पम्पिंग स्टेशन, रिलीफ वाल्व, हाइड्रेंट एवं विभिन्न शाखाओं में जल प्रवाह की सतत निगरानी संभव होगी।

वर्तमान में नहर की 42 किलोमीटर में काम किया जा रहा है। इनटेक स्ट्रक्चर एवं स्लूइस बैरल का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। टनल कार्य, एक्वाडक्ट, साइफन, कट एंड कवर के साथ नहर से डिग्गी तक भूमिगत पाइपलाइन नेटवर्क निर्माण कार्य भी विभिन्न स्थानों पर निरंतर जारी है। परियोजना की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। समयबद्ध और पारदर्शिता से कार्यों को पूर्ण करने के लिए निर्माण एजेंसियों को विभागीय निर्देश दिए गए हैं। इस परियोजना के लिए 78 गांवों की लगभग 270 हेक्टेयर निजी भूमि का नियमानुसार अधिग्रहण किया जा रहा है। अब तक 67 गांवों की 211 हेक्टेयर भूमि के लिए लगभग 47 करोड़ रुपए राशि के अवार्ड पारित हो चुके हैं। लगभग 15 करोड़ रुपए मुआवजा राशि वितरित की गई है। शेष अधिग्रहण एवं वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रियाएं भी तेजी से हो रही हैं।

■ 102 कि.मी. नहर लंबाई की इस परियोजना पर करीब 2500 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार

■ जनजाति बहुल क्षेत्रों में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को मिलेगी गति, किसानों की आय में होगी वृद्धि

संगठनात्मक विचारों के आदान-प्रदान से पार्टी को मिलेगी मजबूती : अजेय कुमार

'मेरी सरकार-सबसे अच्छी सरकार इस भावना के साथ जाए आमजन के बीच'

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने रविवा रको प्रदेश मीडिया, आईटी, सोशल मीडिया और प्रवक्ता-पैनेलिस्टों के साथ संगठनात्मक बैठक की।

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग, प्रवक्ता-पैनेलिस्ट, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने मीडिया, प्रवक्ता, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत संगठनात्मक चर्चा की। उन्होंने सभी प्रवक्ताओं एवं पदाधिकारियों से परिचयात्मक संवाद करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श किया। अजेय कुमार ने कहा कि संगठनात्मक विचारों के सतत आदान-प्रदान से संगठन को मजबूती मिलती है। पार्टी के प्रवक्ताओं एवं मीडिया से जुड़े कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे भाजपा की नीतियों, विचारधारा तथा संगठन के कार्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का एक ही ध्येय होना चाहिए कि मेरी सरकार, सबसे अच्छी सरकार, इस भावना को ध्यान में रखते हुए चौपाल, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि संगठन हित की बातें सार्वजनिक रूप से करें तथा संगठन का निर्णय सर्वोपरि है ऐसी भावना के साथ कार्य करें। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के संविधान एवं संगठनात्मक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करता है। संगठन हित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों में देश में हुए विकास कार्यों, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशहित में लिए गए कठोर निर्णय और कुटनीतिक रणनीति के कारण आज भारत की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग के पदाधिकारियों से संवाद, तथ्यात्मक प्रस्तुति और प्रभावी प्रचार-प्रसार संगठन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

पर्यावरणीय मानकों की पालना को लेकर हुई कार्रवाई से 1498 फैक्ट्रियों का संचालन प्रभावित

पाली की 600, बालोतरा की 574, बिठूजा की 214, जसोल की 110 तथा जोधपुर क्षेत्र की 300 फैक्ट्रियां प्रभावित हुई

- बालोतरा-पाली व जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में गहराया संकट, एक लाख से अधिक मजदूरों के रोजगार पर खतरा मंडराया
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अवैध रूप से रासायनिक पानी छोड़ने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई शुरू की
- प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर प्रदूषण फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी

बालोतरा, (निसं)। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई के बाद पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख टेक्सटाइल हब बालोतरा, पाली, बिठूजा, जसोल और जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पर्यावरणीय मानकों की पालना को लेकर हुई कार्रवाई के चलते तीन जिलों में 1498 फैक्ट्रियों का संचालन प्रभावित हुआ है, जिससे उद्योग जगत के साथ-साथ लाखों लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार पाली की 600, बालोतरा की 574, बिठूजा की 214, जसोल की 110 तथा जोधपुर क्षेत्र की करीब 300 फैक्ट्रियां प्रभावित हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अवैध रूप से रासायनिक पानी छोड़ने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उद्योग संचालकों में कार्रवाई का भय बढ़ने से कई इकाइयों ने उत्पादन बंद कर दिया है, जबकि कई अन्य इकाइयां सीमित क्षमता के साथ काम कर रही हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में यदि किसी भी नाले, नदी या खुले क्षेत्र में रासायनिक पानी छोड़ा गया तो संबंधित इकाई के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र में आई इस मंदी का सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। उद्योग संगठनों के अनुसार फैक्ट्रियों के बंद होने से प्रतिदिन 35 से 40 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हो रहा है। वहीं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े एक लाख से अधिक मजदूरों, कर्मचारियों, ट्रांसपोर्टरों, व्यापारियों और श्रमिक परिवारों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो बड़ी संख्या में मजदूरों का पलायन शुरू हो सकता है। इसके साथ ही कच्चे माल के व्यापारी, ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल, किराना, चाय-नाश्ता और अन्य छोटे कारोबार भी प्रभावित होंगे। स्थानीय बाजारों में नकदी का प्रवाह कम होने से व्यापारिक गतिविधियों पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। उद्योगपतियों का कहना है कि वे पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की पालना के पक्षधर हैं, लेकिन उद्योगों के लंबे समय तक बंद रहने से हजारों परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा।

दूसरी ओर प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर प्रदूषण फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे में बालोतरा, पाली और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में अब सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण संरक्षण और लाखों लोगों के रोजगार के बीच संतुलन स्थापित करने की बन गई है।

अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मारी, पांच जने घायल

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित चैनपुरा मोड़ के समीप पेट्रोल पंप के सामने टोंक से जयपुर की ओर जा रही कार के एक अज्ञात वाहन ने पीछे से मारी टक्कर दी, जिससे वैन में सवार तीन महिलाओं सहित पांच जने गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर थानाधिकारी घासीराम मीणा मय जाप्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और हाईवे एंबुलेंस की मदद से घायलों को उप जिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करके सभी घायलों को जयपुर रैफर कर दिया। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि रतनी देवी धोबी, शीला, सोना, सुरेश धोबी व मणी वर्मा निवासी जवाहर नगर जयपुर अपने पैतृक गांव पेंच की बावड़ी डिडवाडी जिला टोंक से जयपुर जा रहे थे, रास्ते में हादसा हो गया।

नदी में दो बहनें डूबीं, एक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा नवाघरा गांव में बकरियों को पानी पिलाने गई दो बहनें नदी में डूब गईं। इस घटना में 10 वर्षीय बड़ी बहन ज्योति की मौत हो गई, जबकि 9 वर्षीय छोटी बहन दीपिका गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कोतवाली थाने के एएसआई हरिसिंह के अनुसार मांडवा नवाघरा निवासी जीवा रोत ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी बेटियां ज्योति और दीपिका बकरियों को लेकर गांव के पास नदी पर गई थीं। नदी के किनारे बकरियों को पानी पिलाते समय दोनों बच्चियों का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चली गई।

'राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं गहलोत'

'जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नया दायित्व देने का विचार करता है, उसी समय उनका रास्ता रोकने के लिए गहलोत साहब इस बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं'

- शेखावत ने कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पश्चिम बंगाल चुनाव परिणामों और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हॉर्स ट्रेडिंग वाले बयानों पर कहा कि बंगाल में जनता ने भाजपा को दो-तिहाई से ज्यादा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया है, ऐसे में वहां भारतीय जनता पार्टी को हॉर्स ट्रेडिंग करने की भला क्या जरूरत पड़ेगी? रविवार को शेखावत सर्किट हाउस में मीडिया से रू-ब-रू हुए।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि वे बंगाल का बहाना बनाकर राजस्थान के एक पुराने जिन्न को बोतल से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पिछले 10 साल के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि जब-जब कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई नया दायित्व या पद देने का विचार करता है, ठीक उसी समय उनका रास्ता रोकने के लिए गहलोत साहब इस बोतल से जिन्न को बाहर ले आते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस दावे पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि विधायकों को 10-10 करोड़ रुपए दिए गए और वो वापस भी नहीं हुए, शेखावत ने कानूनी तर्क देते हुए घेरा। उन्होंने पूछा कि अगर विधायकों ने पैसे लिए थे तो क्या वह भ्रष्टाचार की श्रेणी में नहीं आता? मुख्यमंत्री रहते हुए अगर गहलोत साहब को इसकी जानकारी थी तो उन्होंने कार्रवाई क्यों नहीं की? भारत की न्याय संहिता और एंटी करप्शन एक्ट स्पष्ट कहता है कि अगर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को भ्रष्टाचार की जानकारी मिले और वह कार्रवाई न करे तो वह भी कानूनन बराबरी का दोषी है। गहलोत साहब को अब जनता के सामने अपना स्टैंड साफ करना चाहिए कि उन्होंने कार्रवाई क्यों नहीं की।

जोधपुर में स्वतंत्रता सेनानी फतेहराज कल्ला की प्रतिमा खंडित होने की घटना पर उन्होंने संवेदनशीलता बरतने की अपील की। शेखावत ने कहा कि जब कोई ढांचा या बिल्डिंग जर्जर होकर किसी दुर्घटना का शिकार हो जाती है तो उस पर राजनीति करना या ओछी राजनीतिक टिप्पणी करना बिल्कुल अनुकूल नहीं है। श्रद्धेय कल्ला पूरे शहर के लिए पूजनीय थे। हमारा पूरा ध्यान और प्रयास इस बात पर होना चाहिए कि उनकी भव्य मूर्ति वहां शीघ्र अति शीघ्र वापस सम्मानपूर्वक स्थापित हो और भविष्य में ऐसी परिस्थिति दोबारा न बने।

युवाओं से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। विपक्ष और अन्य राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत का युवा कभी कठपुतली न था, न है और न कभी बनेगा।

घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी वैश्विक चुनौती और अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंडमान निकोबार दौरे और वहां संस्कृति व पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले संस्कृति का स सीखना चाहिए, उसके बाद ही उन्हें ऐसी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चीजों पर कोई टिप्पणी करनी चाहिए। वहीं शेखावत ने सर्किट हाउस में जनसुनवाई भी की।

मामूली विवाद में दो पक्ष भिड़े

भरतपुर, (निस)। उद्योग नगर थाना क्षेत्र के गांव महंगाया में दो पक्षों में खूनी संघर्ष होने से दोनों पक्षों के करीब एक दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी भाटा जंग हुई। फिलहाल घायलों का जिला आरबीएम अस्पताल में उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र के गांव महंगाया में दो युवकों के बीच मामूली कहासुनी के बाद दो पक्ष आमने सामने हो गए। जिसके बाद पथराव और लाठी-भाटा जंग में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महंगाया गांव में दो युवकों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद उन युवकों में हाथापाई हुई और देखते ही देखते वीरेंद्र और प्रेम सिंह के परिवारों ने एक दूसरे पर जमकर लाठियां भांजी और पथराव भी किया। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। जिस पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक पक्ष के करन, प्रतिज्ञा, राहुल और वीरेंद्र वही दूसरे पक्ष के पिंटू, महेश, राज, बिट्टू, शकुंतला को सर्जिकल और ऑर्थो वार्ड में भर्ती कराया गया।

अलवर के सरिस्का में टूरिस्ट को कीड़ों से भरे कॉर्न का नाश्ता दिया

- आधा नाश्ता करने पर टूरिस्ट को पता चला कि वह कीड़ों को खा रहा है
- टूरिस्ट ने फूड इंस्पेक्टर और ऑनलाइन पोर्टल 181 पर शिकायत दी

अलवर, (निसं)। अलवर के सरिस्का में एक टूरिस्ट को कीड़ों से भरे कॉर्न का नाश्ता करा दिया, आधा नाश्ता करने पर पता चला कि वह कीड़ों को खा रहा है।

जानकारी के अनुसार अलवर घूमने आए टूरिस्ट को 'द बीहड़ सरिस्का रिसोर्ट में रविवार सुबह कीड़ों वाला नाश्ता दे दिया गया। टूरिस्ट ने मोबाइल पर बात करते हुए आधा नाश्ता कर लिया। कुछ देर बाद उसके होंठ पर हलचल हुई। उसने कटोरी में देखा तो दूध के ऊपर 5 से ज्यादा कीड़े नजर आए। कीड़े कॉर्न के रंग के थे। इस कारण टूरिस्ट को पता नहीं चला। टूरिस्ट ने फूड इंस्पेक्टर और ऑनलाइन पोर्टल 181 पर फोन कर शिकायत दी। इसके साथ ही कॉर्न फ्लेक्स में नजर आ रहे कीड़ों का वीडियो भी भेजा। इस घटना के बाद होटल की खाद्य गुणवत्ता और साफ-सफाई पर सवाल उठने लगे हैं।

सरिस्का घूमने आए टूरिस्ट सागर यादव, सोनू चौधरी, भगवान यादव, ईश शर्मा और नीरज यादव 'द बीहड़ सरिस्का' रिसोर्ट में रुके थे। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे टूरिस्ट सागर यादव को कीड़ों वाला नाश्ता दे दिया गया था। टूरिस्ट सागर यादव ने बताया कि नाश्ते में कीड़े नजर आने पर होटल स्टाफ को इसके बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि छोटी बात है। इसे बड़ा इश्यू मत बनाओ। इसके बाद उन्होंने तुरंत नाश्ता हटा दिया। होटल मालिक वीरेंद्र राठौड़ ने गलती मानते हुए काम करने वाले शेफ को हटाने की बात कही।

होटल मालिक ने कहा कि कॉर्न फ्लेक्स पैकिंग का आइटम था, जिसमें कीड़े आ गए। हमारे खाने में कोई शिकायत नहीं मिली। कॉर्न फ्लेक्स बनाने वाली कंपनी की गलती है। होटल के स्टाफ की थोड़ी लापरवाही कही जा सकती है।

टूरिस्ट सागर यादव ने बताया कि मैंने इसके बारे में फूड इंस्पेक्टर केशव गोयल को शिकायत की है। इसके अलावा ऑनलाइन पॉर्टल 181 पर शिकायत की है, ताकि आगे इस तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। इस होटल में जिस तरह की व्यवस्था का दावा किया गया, वैसी नहीं मिली।

राज्य बीज निदेशक का भांजा 85 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार

नकली बीज प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई की

- नकली बीजों की कार्रवाई को दबाने के आरोप में राज्य बीज निगम के निदेशक सहित छह लोग रडार पर
- एसीबी ने निदेशक के निवास और बस की तलाशी के दौरान अब तक कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए की नकद राशि बरामद की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नकली बीज प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई सहित छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इस मामले में एसीबी ने निदेशक के निवास और बस की तलाशी के दौरान अब तक कुल 2 करोड़ 44 लाख रुपए की नकद राशि बरामद की है। जुगल किशोर विश्नोई के भांजे स्वतंत्र विश्नोई को 85 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार राज्य सरकार द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नकली एवं खराब बीजों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में हाल ही में गजराज ब्रांड के मूंगफली बीजों से जुड़े प्रकरण में कार्रवाई की गई थी। कंपनी के गोदाम को सील कर बीजों की बिक्री पर रोक लगाई गई थी तथा नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस कार्रवाई को प्रभावित करने, प्रकरण को दबाने तथा गोदाम में रखे बीजों को वापस गुजरात ले जाने की अनुमति दिलाने के बदले कथित रूप से बड़ी रिश्वत राशि का लेन-देन हुआ। एसीबी के अनुसार इस संबंध में करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए जुगल किशोर विश्नोई और करीब 60 लाख रुपए गणपत नामक व्यक्ति को दिए जाने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलने पर एसीबी ने कार्रवाई करते हुए लूणकरणसर क्षेत्र में एक बस को रुकवाकर तलाशी ली। बस में जुगल किशोर विश्नोई के भांजे स्वतंत्र विश्नोई के कब्जे से करीब 85 लाख रुपए बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एसीबी ने इस मामले में राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर विश्नोई, गजराज ब्रांड से जुड़े किरण कापड़िया, गणपत विश्नोई, सुनील सेतिया और सतपाल को डिटेन कर पूछताछ शुरू की है। जांच एजेंसी के अनुसार इन लोगों पर कार्रवाई को प्रभावित करने, बीजों की बिक्री दोबारा शुरू करवाने, प्रयोगशाला में नमूने पास करवाने तथा अन्य अनुचित लाभ लेने के प्रयासों के आरोप हैं। उल्लेखनीय है कि 27 मई 2026 को किरण कापड़िया के मूंगफली बीज गोदाम पर छापा मारकर नमूने लिए गए थे और गजराज ब्रांड के बीजों के विक्रय पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद से ही मामले की जांच चल रही थी।

नारनौल में हुये हादसे में झुंझुनूं की दो महिलाओं की मौत, दो घायल

इनोवा गाड़ी ने सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दी थी

खेतड़ी, (निसं)। नारनौल क्षेत्र के अकबरपुर फ्लाईओवर के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में झुंझुनूं जिले के एक परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर अज्ञात इनोवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव शिमला तहसील खेतड़ी निवासी नरेश कुमार ने बताया कि वह अपनी मां कमला, चाचा दुलीचंद, चाची भतेरी और चचेरे भाई नवनीत के साथ महेंद्रगढ़ जिले के नांगल कालिया गांव में रिश्तेदार ममता का हालचाल जानने जा रहे थे। नरेश अपनी बाइक पर मां कमला और नवनीत को लेकर चल रहा था, जबकि दुलीचंद अपनी मोटरसाइकिल पर पत्नी भतेरी के साथ सवार था। जब वे अकबरपुर फ्लाईओवर के पास टोल टैक्स के नजदीक पहुंचे तो दुलीचंद की मोटरसाइकिल पंचर हो गई। इसके बाद दोनों बाइक को सड़क किनारे खड़ा कर सभी लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान नारनौल की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक इनोवा कार के ड्राइवर ने पहले बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे खड़े पांचों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कमला, भतेरी, दुलीचंद और नवनीत गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि नरेश को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से घायलों को एंबुलेंस द्वारा नांगल चौधरी और बाद में नारनौल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत के कारण कुछ घायलों को जयपुर रेफर किया गया। नारनौल के सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने कमला देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं जयपुर में उपचार के दौरान भतेरी ने भी दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार दुर्घटना करने वाली इनोवा गाड़ी थी। हादसे के बाद चालक कुछ देर रुका, लेकिन मौके पर भीड़ जुटने पर वाहन लेकर नांगल चौधरी की ओर फरार हो गया। पुलिस ने अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज प्राप्त कर लिए हैं। मामले में संबंधित वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने, दुर्घटना करने और मौत का कारण बनने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डूंगरपुर में बाइक पुलिया से टकराई, युवक की मौत

लापरवाही और तेज गति से बाइक चला रहा था युवक

- बिछीवाड़ा के गांव शेरावाड़ा के पास हादसा हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। शेरावाड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई थी। घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, भगौरा फला जेलाणा निवासी सोमा भगोरा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा विनेश (25) और भतीजा सोहन भगौरा अपनी बाइक पर खेरवाड़ा जा रहे थे। बाइक सोहन चला रहा था, जबकि विनेश पीछे बैठा था। एएसआई कैलाश चंद्र कलासुआ ने बताया कि सोहन लापरवाही और तेज गति से बाइक चला रहा था। नेशनल हाईवे 48 पर अहमदाबाद से उदयपुर जाने वाले मार्ग पर शेरावाड़ा गांव के पास मोड़ पर बाइक बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे बैठा विनेश उछलकर नीचे गिर गया, जिससे उसे सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे हाईवे मोबाइल वाहन की मदद से घायल विनेश को शिशोद के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल डूंगरपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान विनेश की मौत हो गई। बिछीवाड़ा पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में 10 करोड़ की दवा खरीद में घोटाले का खुलासा

मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने विस्तृत जांच के योग्य माना है

बीकानेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में मरीजों के लिए की गई 10 करोड़ रुपये की दवा खरीद में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। चहेती और पहले से ब्लैकलिस्टेड (डिबार) कंपनियों को पिछले दरवाजे से एंट्री देने के लिए टेंडर की शर्तों में गुपचुप तरीके से बदलाव किया गया। मामले को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने विस्तृत जांच के योग्य माना है।

इस प्रकरण में विस्तृत और गहन जांच करने के लिए एसीबी की आईजी एस. परिमला ने कार्मिक विभाग के शासन सचिव को पत्र लिखकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच शुरू करने का पूर्वानुमोदन मांगा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि अनुमति नहीं मिली, तो इस गंभीर मामले को मुख्य सतर्कता आयुक्त को रेफर कर दिया जाएगा। जयपुर मुख्यालय के एएसपी ओम प्रकाश को इस पूरे प्रकरण का जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा तत्कालीन अधीक्षक एवं वर्तमान प्रिंसिपल, एसपी मेडिकल कॉलेज, डॉ. बीसी घीया वर्तमान अधीक्षक, पीबीएम अस्पताल, क्रय समिति सदस्य डॉ. शिवशंकर झंवर, डॉ. विनोद मेघवाल और डॉ. संजय लोढ़ा, विशेष सदस्य डॉ. रित्विक अग्रवाल, अभिषेक गोयल तत्कालीन वरिष्ठ लेखाधिकारी इन सभी पर पद का दुरुपयोग कर अपनी चहेती फर्मों को उपकृत करने और भारी कमीशन के खेल के चक्कर में नई बिड से अनिवार्य शर्तें हटाकर 9 डिबार कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन उप सचिव शिव शंकर अग्रवाल ने इस पूरे घोटाले की फैक्चुअल रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा से ही मांग ली है, जबकि डॉ. वर्मा खुद इस मामले में जांच के घेरे में हैं। इससे पहले जनवरी में संभागीय आयुक्त ने भी इस मामले की रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन तब भी टेंडर जारी करने वाली उसी उपापन कमेटी से ही जांच कराकर गोलमोल रिपोर्ट भेज दी गई और मामले को दबाने का प्रयास किया गया। कैंसर और जनरल मेडिसिन की दवाओं की खरीद के लिए 5-5 करोड़ रुपये के दो अलग-अलग (कुल 10 करोड़ रुपये) रेट कॉन्ट्रैक्ट जारी किए गए थे। पीबीएम के पुराने नियमों के अनुसार हर बिडर को अपने लेटरहेड पर यह अनिवार्य शपथ पत्र देना होता था कि उसकी दवा निर्माता कंपनी पिछले 3 साल में किसी भी सरकारी संस्थान द्वारा ब्लैकलिस्ट या डिबार नहीं की गई है। इस बार टेंडर डॉक्यूमेंट्स के तकनीकी तुलनात्मक विवरण (पॉइंट नंबर 10) से इस ब्लैकलिस्टेड शपथ पत्र की अनिवार्य शर्त को बेहद शातिर तरीके से हटा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि 9 डिबार कंपनियों को आसानी से टेंडर में शामिल कर लिया गया।

घर से लापता युवक का शव मिट्टी में दबा मिला, परिजन ने हत्या की आशंका जताई

- चंदवाजी के कंवरपुरा का मामला, एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। चंदवाजी थाना क्षेत्र के कंवरपुरा गांव में रविवार सुबह हरचंदपुरा नदी क्षेत्र में एक युवक का शव करीब दो फीट मिट्टी के नीचे दबा हुआ मिला। शव मिलने की खबर आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मिट्टी से बाहर निकाला। जयपुर से पहुंची एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कुछ ग्रामीणों को नदी के पास मिट्टी में दबा शव दिखाई दिया और पास ही खून भी बिखरा हुआ था। हत्यारों ने युवक की हत्या करने के बाद जल्दीबाजी में शव के ऊपर ठीक से मिट्टी डालना भूल गए। सूचना पर चंदवाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान हरचंदपुरा (कंवरपुरा) निवासी राकेश जाट (28) पुत्र सुगलराम जाट के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश शनिवार शाम से अचानक लापता था। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की, लेकिन जब काफी देर तक उसका कोई सुराग नहीं मिला तो चिंता बढ़ गई। इसी बीच रविवार को गांव के समीप नदी क्षेत्र में मिट्टी में दबा शव मिलने की सूचना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। सूचना मिलते ही चंदवाजी थाना प्रभारी हीरालाल सैनी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर आसपास के क्षेत्र की जांच शुरू की। मौके से साक्ष्य जुटाए गए और शव को बाहर निकालने की कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध नजर आने के कारण पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

चंदवाजी के पास कंवरपुरा गांव में नदी के पास मिट्टी में युवक का शव दबा हुआ मिला

परिजनों ने युवक की हत्या कर शव को मिट्टी में दबाने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि युवक के अचानक लापता होने और फिर इस तरह मिट्टी में दबा शव मिलने से मामला सामान्य नहीं लग रहा। परिवार ने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग करते हुए दोषियों को जल्द पकड़ने की मांग उठाई है। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल और अस्पताल परिसर में जमा रहे। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो पाएगी। वहीं पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ, युवक की गतिविधियों और उसके संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया है।

पेवर मशीन के बजाय मजदूरों से सड़क बनवा रहा जेडीए ठेकेदार!

निवारू और कालवाड़ रोड पर सीमेंट सड़क निर्माण में भारी धांधली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जेडीए जोन-12 में निवारू और कालवाड़ रोड पर सीमेंट सड़क निर्माण कार्य में भारी धांधली हो रही है। यहां टैंडर की शर्तों और जी-शेड्यूल को धत्त बताते हुए ठेकेदार अपने फायदे के लिए जनता से जुड़े कामों में लीपापोती कर रहा है। दोनों जगहों पर पेवर मशीन की जगह मजदूरों से सड़क बनवाई जा रही है, लेकिन इंजीनियर्स की मेहरबानी के चलते ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं हो रही। इंजीनियर, येन केन ठेकेदारों को संरक्षण देने में लगे हुए है। लगातार शिकायतों के बावजूद भी अफसरों पर इसका कोई असर नहीं हो रहा।

गौरतलब है कि निवारू और कालवाड़ रोड पर जलभराव की समस्या दूर करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने दोनों जगहों पर पेवर मशीन से सीमेंट सड़क निर्माण कार्य के टेंडर निकाले हैं, ताकि पेवर मशीन से टिकाऊ एवं मजबूत सड़क बनाई जा सके। परंतु दोनों ही जगह पर ठेकेदार फर्म पेवर मशीन के बजाय मजदूरों से सड़क बनवा रहा है। जबकि जी शेडयूल में फर्म को भारी-भरकम (मशीन रेट पर) भुगतान भी स्वीकृत है। परंतु मौके पर मशीन नदारद है और ठेकेदार मजदूरों से हाथ से काम करवाकर अपना मुनाफा बढ़ा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक टैंडर शर्तों और जी-शेड्यूल के मुताबिक दोनों जगहों पर पेवर मशीन से कार्य होना है एवं ठेकेदार फर्म को भुगतान भी पेवर मशीन के हिसाब से होना है।

परंतु पड़ताल की गई तो दोनों जगहों पर सीमेंट सड़क निर्माण कार्य में कई खामियां नजर आई। सड़क बनाने के लिए रेडीमेड सीमेंट का घोल गाड़ियों में आया हुआ था। एक के बाद एक गाड़ी से सीमेंट घोल

- **जेडीए इंजीनियर्स भी मौका स्थल पर नहीं पहुंच रहे, गड़बड़ियों की आंखें मूंदी**

खोदी गई जगह पर डाला जा रहा था। मजदूर उस घोल को फावड़े से तय सड़क सीमा में फैला रहे थे। हाथ से चलने वाली छोटी वाइब्रेटर मशीन से रेडीमेड घोल को तय लेवल में किया जा रहा था। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि, यहां तो सड़क बनाने में मजदूर ही काम करते हैं। सड़क की मजबूती के लिए लोहे का प्रयोग भी कम किया जा रहा है, ज्वाइंट में भी लोहे के सरिये नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़क का लेवल भी सही नहीं है। मौके पर जेडीए का कोई इंजीनियर नहीं आता, यहां तो सड़क मजदूरों के भरोसे ही बन रही है।

नाबालिग छात्रा की मौत पर परिजनों का हंगामा

- **हत्या का आरोप लगाकर शव लेने से किया इनकार**
- **अपार्टमेंट के पोर्च की छत पर 16 वर्षीय छात्रा का शव मिलने का मामला**

जयपुर। प्रताप नगर में एक अपार्टमेंट के पोर्च की छत पर 16 वर्षीय स्कूली छात्रा का शव मिलने के मामले ने रविवार को नया मोड ले लिया। मृतका के परिजन हत्या का आरोप लगाते हुए अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ गए और शव लेने से इनकार कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस राजनीतिक दबाव में मामले को आत्महत्या साबित करने का प्रयास कर रही है।

धरने पर बैठे परिजनों ने एक युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उसने इंस्टाग्राम के माध्यम से नाबालिग छात्रा से दोस्ती की थी। परिजनों के अनुसार युवक स्वयं को एक विधायक का दोहिता बताता था। उनका आरोप है कि करीब 5 से 7 दिन पहले उन्होंने युवक को बेटी से बातचीत करने से मना किया था, जिसके बाद उसने छात्रा को धमकी दी थी। परिजनों ने पुलिस जांच पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शुरुआत में पुलिस ने छात्रा के अपार्टमेंट में आने से इनकार किया था। ऐसे में यदि छात्रा अपार्टमेंट में नहीं आई थी तो उसका शव पोर्च की छत पर कैसे मिला। परिजनों ने अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि इससे पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सकेगी। गौरतलब है कि शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे छात्रा का शव उसके घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित एक अपार्टमेंट के प्रथम तल के पोर्च की छत पर मिला था। छात्रा करीब 12 घंटे पहले रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई थी। घटनास्थल की मुख्य छत से छात्रा की चप्पल और चश्मा भी बरामद हुए थे, जिससे मामला शुरू से ही संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हत्या-आत्महत्या दोनों पहलुओं से जांच जारी है। शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार परिजनों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को जांच में शामिल किया गया है। फिलहाल मेडिकल बोर्ड की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सार-समाचार

डॉ. सतीश पूनिया का अभिनंदन किया

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किए जाने पर राधाकृष्णन शिक्षक संघ जयपुर ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। पूनियां के जयपुर स्थित निवास पर संघ के जिलाध्यक्ष कैलाश चंद्र सैन के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. पूनिया से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें साफा, शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया तथा मुंह मीठा कराकर बधाई दी। कैलाश चंद्र सैन ने कहा कि "डॉ. सतीश पूनिया का राज्यसभा में जाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। वे सदैव शिक्षक हितों के प्रति संवेदनशील रहे हैं और जमीनी स्तर की समस्याओं को समझते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे उच्च सदन में राजस्थान की आवाज को मजबूती से उठाएंगे और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जेडीए कॉलोनी बक्सावाला में पौधारोपण

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं डेजर्ट इवेंट्स की ओर से जेडीए कॉलोनी बक्सावाला में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों व युवाओं में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बापू नगर सेंटर संचालिका बी.के. जयंती दीदी एवं अर्जुन नगर सेंटर संचालिका बी.के. भावना दीदी रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ होम्योपैथ, आचार्य एवं चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य तथा मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम में 101 बच्चों, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा 101 विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर डेजर्ट इवेंट्स के निदेशक मनीष लोकवाणी, दुर्गा वर्मा, कौशल सत्यार्थी, दिलीप, पवन, जया, खुशी सहित निरमा यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज के इंटर्न भी मौजूद रहे।

यूनियन पदाधिकारियों को निर्वाचन

जयपुर। ऑल राजस्थान एसबीआई एम्पलाईज़ एसोसिएशन (एआईबीईए) की आमसभा अध्यक्ष डी.के.जैन की अध्यक्षता में तारक भवन सभागार में संपन्न हुई। बैठक में एसबीआई की शाखाओं से प्रदेशभर से बैंक कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में यूनियन के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। साथ ही राहुल पांडे को महासचिव एवं साथी कमलेश गुप्ता को अध्यक्ष राम किशन शर्मा कोषाध्यक्ष, एम.एम.शर्मा उप महासचिव, शैलेंद्र सिंह संगठन सचिव निर्वाचित किया गया। बैंक कर्मियों की आम सभा को राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के महासचिव महेश मिश्रा ने वर्तमान बैंकिंग क्षेत्र की गतिविधियों एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सहकार नेता साथी सूरज भान सिंह आमेरा ने लेबर कोड्स में हो रहे संशोधनों के संभावित परिणामों के बारे में बैंक कर्मियों को जागरूक किया। उन्होंने पीएलआई, 5 दिन का सप्ताह और स्थानांतरण नीति पर विचार रखें। आमेरा ने बैंक प्रबंधन द्वारा सेवा शर्तों के विपरीत किए जा रहे मनमाने ट्रांसफर, तथा सुरक्षा गार्ड एवं सफाई कर्मचारियों की अस्थायी भर्ती का कड़ा विरोध किया गया। आम सभा को आर जी शर्मा, महेश शर्मा, रामबाबू गुप्ता, बनवारी लाल, राजेन्द्र शर्मा ने सम्बोधित किया। यूनियन अध्यक्ष एवं वाइस चेयरमैन साथी डी. के. जैन ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी।

मिनिएचर पैंटिंग की बारीकियां सिखाई

जयपुर। सिटी पैलेस प्रांगण में चल रहे सांस्कृतिक विरासत अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर में शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया समेत रामू रामदेव व हरिनारायण मारोटिया विद्यार्थियों को मिनिएचर पेंटिंग की बारीकियां सिखा रहे हैं। शिल्पगुरू बाबूलाल मारोटिया ने बताया कि इस कला में जो विभिन्न शैलियां है। उन शैलियों के आधार पर चित्र बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कला की बारीकियां जैसे कैसे ब्रश चलाते हैं, कौनसे रंगों को काम लेते हैं, रंगों को कैसे बनाया जाता है आदि के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। गौरतलब है कि शिविर में अधिकतर चित्र राधा-कृष्ण, राग-रागनियों पर आधारित है, जो हाथ से बने कागज(वसली) पर बना रहे हैं। अभी तक पेंसिल से स्केच करना, वसली पर सफेद रंग से बैस तैयार करना, रंगों को बनाना व रंगों को वसली पर भरना आदि तकनीक समझायी जा रही है। इसके बाद बैकग्राउंड बनाना, फैस बनाना, मोती लगाना, बोडर बनाना सिखाया जाएगा। शिविर के दौरान विद्यार्थी एक महीने में एक ही पेंटिंग ही तैयार कर सकेंगे। गौरतलब है कि इस शिविर में पारंपरिक लघु चित्रकला, संगीत, नृत्य, भाषा, लेखन, नाटक, स्कैचिंग, टेक्सटाइल ब्लॉक प्रिंटिंग, आराइश का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

4 करोड़ रु. के मादक पदार्थ के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

आरोपियों से 23 क्विंटल डोडा चूरा जब्त, एस्कॉर्ट कर रही इनोवा सहित ट्रक भी जब्त किया पुलिस ने

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्पेशल टीम (सीएसटी) ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए करीब 23 क्विंटल (2300 किलोग्राम) अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। सीएसटी ने बस्सी पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार करोड़ रुपए आंकी गई है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के नेटवर्क की निगरानी कर पुख्ता सूचना के आधार पर बस्सी थाना क्षेत्र में नाकाबंदी की है।

पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली। ट्रक में प्लास्टिक के 91 कट्टों में भरा करीब 23 क्विंटल डोडा चूरा मिला। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मौके से तस्कर शाहिद खान निवासी मोडर रांची (झारखंड) तथा सायर राम जाट निवासी बिलाड़ा जिला जोधपुर को को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि तस्कर खेप को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ट्रक के आगे एक इनोवा क्रिस्टा चला रहे थे। यह वाहन रास्ते की रेकी करने और पुलिस गतिविधियों पर नजर रखने का काम कर रहा था। पुलिस ने इनोवा को भी जब्त कर वाहन पर लगे नंबरों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि डोडा चूरा की यह खेप कहां भेजी जानी थी तथा इसके पीछे सक्रिय मुख्य सरगना कौन है।

जेडीए ने मई में 65 ले-आउट व बिल्डिंग प्लान को मंजूरी दी

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) शहर के सुनियोजित विकास के साथ-साथ अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नई पहल कर रहा है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि मई 2026 के दौरान जेडीए ने ले-आउट एवं बिल्डिंग प्लान से जुड़े कुल 65 प्रकरणों और परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

मई में आयोजित बीपीसी-एलपी समिति की बैठकों में कुल 58 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 48 प्रकरणों को अनुमोदन दिया गया। स्वीकृत मामलों में पुनर्गठन एवं उपविभाजन के 13, आवासीय एकल भूखंड के 11, आवासीय योजनाओं के 7, गैर-आवासीय एकल भूखंड के 4 तथा अन्य श्रेणी के 13 प्रकरण शामिल हैं। शहर में आवासीय एवं व्यावसायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से बीपीसी-बीपी समिति ने मई माह में कुल 17 निर्माण परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। इनमें 8 आवासीय, 4 संस्थागत, 2 मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज), 1 व्यावसायिक, 1 होटल तथा 1 रिसॉर्ट परियोजना शामिल है।

दिवंगत जवान के परिवार को दी 11.22 लाख रुपए की सहायता

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) ने अपने दिवंगत जवान के परिवार के प्रति संवेदनशीलता और पारिवारिक एकजुटता का परिचय देते हुए स्वर्गीय जवान जितेंद्र सिंह के परिजनों को 11 लाख 22 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह राशि एसडीआरएफ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से एक दिन का वेतन योगदान कर एकत्रित की गई।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसडीआरएफ) रुपिंदर सिंघ तथा कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल का उद्देश्य दिवंगत जवान के परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना और यह संदेश देना था कि एसडीआरएफ अपने प्रत्येक साथी एवं उसके परिवार के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। उल्लेखनीय है कि एसडीआरएफ राजस्थान की जी कंपनी में बीकानेर संभाग मुख्यालय पर तैनात जवान जितेंद्र सिंह का 29 मार्च 2026 को बीमारी के कारण असामयिक निधन हो गया था। उनके निधन से एसडीआरएफ परिवार में शोक की लहर दौड़ गई थी।

इसी क्रम में सहायक कमांडेंट जग्गू राम ने ग्राम नोखा स्थित दिवंगत जवान के निवास पर पहुंचकर उनकी धर्मपत्नी एवं पुत्र को 11 लाख 22 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर कंपनी कमांडर राकेश कुमार, प्लाटून कमांडर सुभाष चंद्र सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

युवक का अपहरण, मारपीट कर 41 हजार रुपए ठगे

जयपुर। आमेर क्षेत्र में ऑनलाइन फ्रॉड और लूटपाट का एक नया मामला सामने आया है। बदमाशों ने बिजनेस मीटिंग के बहाने एक युवक को आमेर बुलाकर उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर बंधक बनाया, मारपीट की और धमकाकर उसके मोबाइल से 41 हजार 500 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। एएसआई जगराम ने बताया कि गंगापोल निवासी जितेंद्र ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार 24 मई को एक चैटिंग ऐप के माध्यम से उसकी अज्ञात व्यक्तियों से बातचीत शुरू हुई थी। इसके बाद ऐप और मोबाइल कॉल के जरिए कथित बिजनेस डील को लेकर लगातार संपर्क बना रहा।

आरोपियों ने बिजनेस मीटिंग का झांसा देकर जितेंद्र को आमेर में एक निर्धारित लोकेशन पर बुलाया। वह अपनी बाइक से वहां पहुंचा, जहां पहले से मौजूद चार युवकों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि बदमाश उसे जबरन एक सुनसान जगह पर ले गए और वहां उसके साथ मारपीट की।

पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर उसके मोबाइल से 41 हजार 500 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। वारदात के बाद बदमाशों ने पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। बदमाशों के चंगुल से छूटने के बाद पीड़ित ने आमेर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल नंबर, चैटिंग ऐप पर हुई बातचीत और बैंक ट्रांजैक्शन की जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

चोरी की 5 बाइक के साथ दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में लूट, चोरी और नकबजनी के 21 मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोर मोहम्मद इब्राहिम (29) निवासी नाहरी का नाका (शास्त्री नगर) हाल भट्टा बस्ती और राधेश्याम उर्फ छोटू (24) निवासी जिला रोहतास (बिहार) तथा हाल मुरलीपुरा को दादी का फाटक स्थित आरओबी पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने वाहन चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने पांच चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कीं। प्रारंभिक पूछताछ

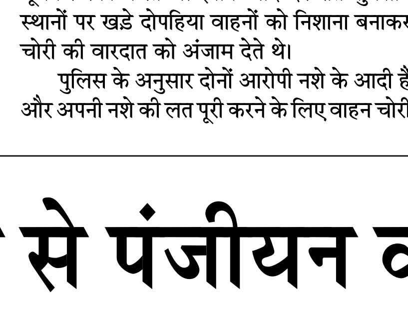

में सामने आया कि दोनों आरोपी पहले अपनी मोटरसाइकिल से विभिन्न कॉलोनियों और गलियों में घूमकर रेकी करते थे। इसके बाद देर रात सुनसान स्थानों पर खड़े दोपहिया वाहनों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी करते थे। आरोपियों ने मुरलीपुरा के अलावा चित्रकूट, सदर और खोरा बीसल थाना क्षेत्रों में भी वाहन चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

थानाधिकारी विरेंद्र कुरील ने बताया कि आरोपित इब्राहीम के खिलाफ भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा, रामगंज, संजय सर्किल, बनी पार्क और गलता गेट थाना क्षेत्रों में लूट, चोरी और नकबजनी के 21 मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी विरेंद्र कुरील ने बताया कि मुरलीपुरा थाने में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने दादी का फाटक स्थित आरओबी पुलिया के पास से दो संदिग्धों को चोरी की मोटरसाइकिल सहित हिरासत में लिया। इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक बजरंगलाल, हैड कांस्टेबल राजेन्द्र प्रसाद तथा कांस्टेबल सन्नी, रोहिताश, पूरणमल, रविशंकर और महावीर सिंह शामिल रहे।

फर्जी एफ.एम.जी.ई. सर्टिफिकेट से पंजीयन कराने वाले तीन डॉक्टर गिरफ्तार

एसओजी ने इस मामले में अब तक 100 से अधिक संदिग्ध विदेशी मेडिकल स्नातकों की पहचान की, जांच शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विदेश से एमबीबीएस करने के बाद भारत में चिकित्सकीय पंजीयन के लिए आवश्यक एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा के फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तीन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 100 से अधिक संदिग्ध विदेशी मेडिकल स्नातकों की पहचान की जा चुकी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि विदेश से एमबीबीएस करने के बाद भारत में चिकित्सकीय पंजीयन के लिए आवश्यक एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा के फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के मामले में

गिरफ्तार आरोपी दीपक यादव, राजू गुर्जर और नरेश गुर्जर

एसओजी ने दीपक यादव (28) निवासी चौमूं जयपुर, राजू गुर्जर (28) निवासी रामबाग डीग - भरतपुर और नरेश गुर्जर (30) निवासी कठूमर जिला अलवर को गिरफ्तार किया है।

एसओजी की जांच में सामने आया कि दीपक यादव ने कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद कई बार एफएमजीई परीक्षा दी, लेकिन सफल नहीं हुआ। इसके बाद उसने मुख्य आरोपी

- **जांच में सामने आया है कि फर्जीवाडे गिरोह का सरगना भानाराम माली प्रत्येक व्यक्ति से फर्जी प्रमाण-पत्र और मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के एवज में 20 से 30 लाख रुपये तक वसूलता था।**

भानाराम माली के नेटवर्क के जरिए करीब 24 लाख रुपये देकर फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाया और उसके आधार पर राजकीय मेडिकल कॉलेज दौसा में इंटर्नशिप की।

इसी प्रकार राजू गुर्जर ने भी कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद एफएमजीई परीक्षा में सफलता नहीं मिलने पर 27 लाख रुपये देकर फर्जी प्रमाण-पत्र तैयार कराया तथा राजकीय मेडिकल कॉलेज हनुमानगढ़ में इंटर्नशिप की।

नरेश गुर्जर ने 23 लाख रुपये देकर फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट बनवाया और राजकीय मेडिकल कॉलेज अलवर में इंटर्नशिप की। जांच में यह भी सामने आया कि नरेश ने अन्य कई लोगों के लिए भी फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र बनवाने में भूमिका निभाई।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि पुलिस थाना एसओजी जयपुर में 4 फरवरी 2026 को दर्ज प्रकरण की जांच की जा रही है। जहां जांच में सामने आया कि विदेश से एमबीबीएस करने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने भारत में प्रैक्टिस के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं की थी। लेकिन उन्होंने कूटरचित प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन करा लिया।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी भानाराम माली के माध्यम से फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट तैयार कराए गए। इन प्रमाण-पत्रों के आधार पर कई विदेशी मेडिकल स्नातकों ने राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की तथा राजस्थान मेडिकल काउंसिल में अस्थायी पंजीयन भी प्राप्त कर लिया। इस पूरे प्रकरण में मेडिकल काउंसिल के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई है। वही अब तक 100 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र बनवाए थे।

उप महानिरीक्षक पुलिस (एसओजी) भुवन भूषण यादव ने बताया कि इस मामले में पूर्व में फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर इंटर्नशिप और पंजीयन कराने वाले 17 डॉक्टरों, राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर, एलडीसी फरहान हसन, मुख्य आरोपी भानाराम माली तथा एक दलाल को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच में सामने आया है कि भानाराम माली प्रत्येक व्यक्ति से फर्जी प्रमाण-पत्र और मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के एवज में 20 से 30 लाख रुपये तक वसूलता था।

एसओजी अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

Protecting The Blue Heart Of The Planet

World Oceans Day, observed every year on June 8, highlights the critical role oceans play in sustaining life on Earth. Covering over 70 per cent of the planet, oceans regulate climate, produce oxygen, support marine biodiversity and provide livelihoods to millions worldwide. The day also raises awareness about growing threats such as plastic pollution, overfishing, coral bleaching and rising sea temperatures caused by climate change. Governments, environmental organisations and communities across the globe mark the occasion through clean-up drives, conservation campaigns and educational initiatives, encouraging sustainable practices to preserve marine ecosystems for future generations.

#RECOVERED

The KitKat Heist

While the teenage masterminds may have thought they had pulled off a sweet deal, their plan melted under the watchful eye of their own mother

In a story that sounds almost too bizarre to be true, what began as a large-scale chocolate theft turned into an unusual family drama in Austria. Authorities recently confirmed that nearly 12 tons of stolen KitKat bars, amounting to more than 400,000 individual pieces, have been successfully recovered after an unexpected tip-off.

The chocolate shipment had originally been stolen from a truck traveling between Italy and Poland. Following the theft, the entire load seemed to vanish without a trace, leaving investigators puzzled about where such a massive quantity of confectionery could possibly go.

The mystery began to unravel in Austria, when a local mother contacted the police with a startling claim: she suspected her own teenage sons were behind the crime. According to authorities, the boys had allegedly taken control of the stolen goods and were attempting to distribute them through online marketplaces as well as local black market channels. Reports indicate that some of the chocolate had already made its way into nearby towns.

What ultimately exposed the operation, however, was not sophisticated police work, but a mother's observation. She reportedly became suspicious after noticing her sons frequently covered in chocolate and complaining of stomach aches. Her concerns grew when she discovered a truck parked on their rural farm, which turned out to be the very vehicle used in the heist.

Realizing the seriousness of the situation, she alerted authorities, leading to the swift recovery of the stolen goods and the dismantling of the unusual operation. The case has since captured public attention not just for the scale of the theft, but for its almost comical unraveling.

In the end, while the teenage masterminds may have thought they had pulled off a sweet deal, their plan melted under the watchful eye of their own mother. And as many have joked since, being turned in by your own mom might just be worse than getting caught.

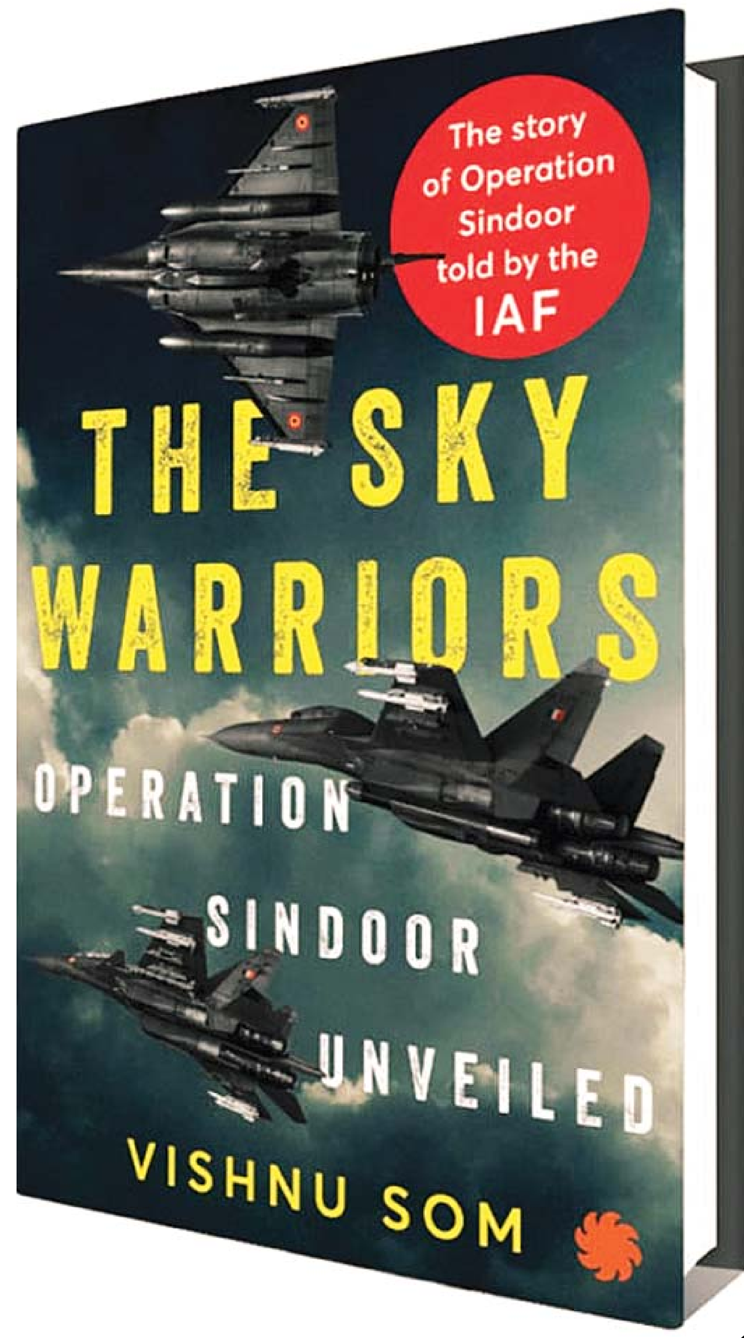

How The IAF Commandeered Air Space

The IAF induced paralysis and altered the trajectory of this 88-hour war. Beyond the initial scramble of the first day, the Pakistan Air Force (PAF) had little left to demonstrate. Within 48 hours, it was rendered largely inconsequential with its air defence in shambles, its fighter fleet reduced to ineffective patrols, while the IAF's Integrated Air Command and Control System (IACCS) nodes were monitoring every inch of the air picture.

#BOOK REVIEW

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

Between 07 May and 10 May, over a period of 88 hours, India and Pakistan fought their most intense air battles since the 1971 war. 'The Sky Warriors' by Vishnu Som, the acclaimed journalist, is a definitive account of Operation Sindoor as told by the men who flew the missions and planned the strikes. It offers an air warrior's view of the Indian Air Force (IAF) operations against Pakistan in response to the Pahalgam terrorist attack.

The book is an operational analysis of this high-intensity clash, delivering a narrative on modern SEAD (Suppression of Enemy Air Defence). An extremely gripping and sharply written combat chronicle which gives the reader a rare insight into not only the technical but also the human dimension of combat.

About The Book

The book begins with the Pahalgam incident following which there was no doubt that the IAF would be part of the response and would be put to the ultimate test. Preparations that followed involved finalising target lists and redeploying assets with the aim of sending a 'precise punitive message by striking terrorist infrastructure without opening a wider front.'

The book is a rare account of the ensuing air operations. The author writes how a Sukhoi pilot is maneuvering towards hostile airspace as the enemy radar attempts to lock on to his aircraft. It reveals how a senior officer commanding a cutting-edge war room is orchestrating the operations under immense pressure. It also gives a glimpse of missile unit commander on the LoC facing wave after wave of Pakistani drones.

The book tells the reader what it truly means to go into combat. The split-second choices, the weight of command, the handling of modern state of the war waging equipment and the commitment of those who fly these war machines and man the weapon systems are sensitively written. He writes about BVR radar locks, BrahMos launch sequences,

and the engagement envelopes of the S-400, India's critical shield against missile attacks. While the first-day dogfights following the IAF strikes on terrorist camps grabbed headlines, what stood out was the subsequent degradation of the Pakistan Air Force. Som reveals the overwhelming kinetic response against Pakistan's air defence assets, airfields, and command-and-control (C2) centres, using BrahMos-NG, SCALP, Harop, and other precision-attack munitions and drones.

The IAF induced paralysis and altered the trajectory of this 88-hour war. Beyond the initial scramble of the first day, the Pakistan Air Force (PAF) had little left to demonstrate. Within 48 hours, it was rendered largely inconsequential with its air defence in shambles, its fighter fleet reduced to ineffective patrols, while the IAF's Integrated Air Command and Control System (IACCS) nodes were monitoring every inch of the air picture. One of the critical moments of the 88-hour war involved a Wing Commander serving in Group Captain Animesh Patni's S-400 unit. As the Pakistani aircraft and missiles attempted to probe and breach Indian air space, they faced the immense pressure of executing a counter-strike.

> However, the S-400's highly advanced radar and tracking systems proved impossible to shake. A massive explosion illuminated the dark sky, followed by confirmation of a successful hit as the enemy aircraft vanished from radar screens. The intense, clinical focus inside the control room instantly gave way to cheers and patriotic chants from the Indian troops manning the system.

Seeking final clearance in a highly charged atmosphere, he requested for confirmation to fire. "Upon receiving a firm 'Affirm,' you are cleared to launch," a towering 25-foot S-400 interceptor missile was fired, accelerating to hypersonic speeds into the night sky.

The narrative describes the sheer force of the launch, which shook the ground below. High above, the targeted Pakistani fighter jet desperately attempted evasive maneuvers, frantically deploying counter measures like chaff and flares to break the lock.

However, the S-400's highly advanced radar and tracking systems proved impossible to shake. A massive explosion illuminated the dark sky, followed by confirmation of a successful hit as the enemy aircraft vanished from radar screens. The intense, clinical focus inside the control room instantly gave way to cheers and patriotic chants from the Indian troops manning the system.

This interception was part of a broader, highly successful deployment of India's layered air defence network. With runways cratered, assets destroyed both in the air and on the ground, and logistics and command nodes under severe pressure, Pakistan's Director General, Military Operations ultimately sought a ceasefire, thereby averting further losses of PAF capabilities.

The author also covers the Pakistani response in detail including details, their weapons used and states that: 'both sides took hits' and 'each denied losses.'

The air warriors, men and women in blue, going beyond the call of duty, embody a brand of quiet, lethal professionals that inspire national pride with their courage and resolve.

Conclusion

Deeply researched and intensely gripping, *The Sky Warriors* combines operational intelligence, forensic detail and edge-of-your-seat storytelling. The Sky Warriors isn't just another military account. It is fast-paced, gripping, and deeply relevant at a time when air dominance is defining geopolitical power. It also highlights the professionalism, dedication and the sheer grit of pilots, who executed their assigned tasks with clinical precision.

The book is not just a record of conflict; which it clearly brings out, was not a one-way affair and it's a tribute to the technical and operational evolution of the Indian Air Force. An outstanding read. The level of research is phenomenal; detailed, credible, and clearly built on a deep understanding of the subject.

What truly elevates the book, though, is the manner in which the story has been told.

The narrative flows effortlessly, making even complex operational details easy to follow and genuinely compelling. It is engaging in a manner that's seldom seen in non-fiction and hence hard to put down. Although the broad contours of the operation were known, the details and individual accounts make it a memorable read. It is a must-read for anyone interested in military affairs which gives an insight into how modern wars are fought and won. The fact is that stand off weaponry has fundamentally altered combat.

His analysis of the escalation matrix is also outstanding. The book clearly highlights the air aspects of a multi-domain environment and brings to fore the manner in which the IAF was able to unleash its decisive force and redefine the rules of engagement.

rajeshsharma1049@gmail.com

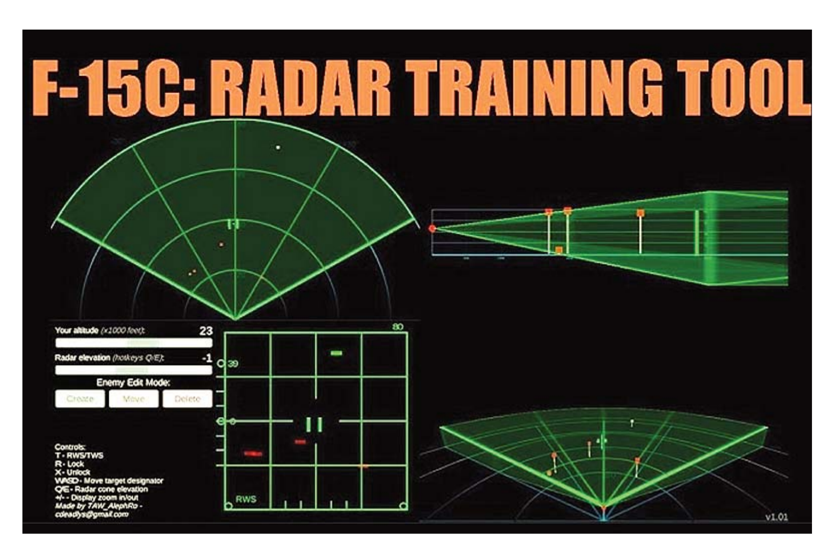

#GANGA DEVI

The Woman Who Chronicled the Vijayanagara Empire

The poem begins during the reign of Bukka Raya, describing the birth and upbringing of his son. It then follows his journey into adulthood

Long before history became a formal academic discipline, stories of kingdoms were preserved through poetry, memory, and lived experience. One of the earliest and most remarkable accounts of the Vijayanagara Empire comes not from a court historian or foreign traveler, but from a woman, Ganga Devi.

Ganga Devi holds a unique place in Indian history as one of the first known writers to document the rise and campaigns of the Vijayanagara Empire. She was the daughter-in-law of Bukka Raya I, the empire's second king, and was married to his son, Kumara Kampana (often referred to as Veer Kampana). Her position within the royal family gave her a rare, close-up view of the political and military life of the time.

Her most famous work, *Madhura Vijaya*, is an epic narrative poem that blends history with literary artistry. It is one of the earliest sources that provides insight into the expansion of the Vijayanagara Empire, particularly its campaign against the Madurai Sultanate.

The poem begins during the reign of Bukka Raya, describing the birth and upbringing of his son. It then follows his journey into adulthood, his marriage, his rise as a warrior, and ultimately his military campaign to reclaim Madurai. Through this narrative, Ganga Devi presents not just a political account, but an almost biographical story enriched with emotion, purpose, and detail.

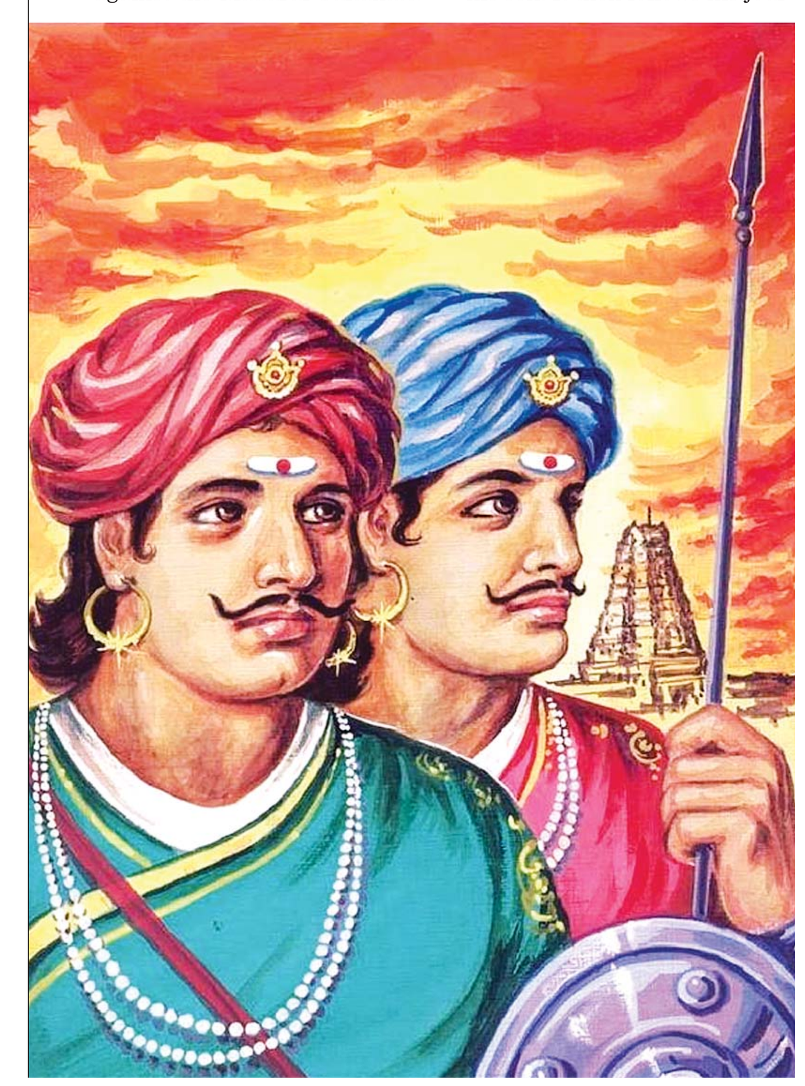

What makes Madhura Vijaya especially compelling is its style. It is not a dry chronicle of events but a vivid blend of history and mythology. Ganga Devi uses mythological references and classical imagery to elevate real events into something epic and symbolic, making the narrative both informative and poetic.

Later historians, including Muhammad Qasim Firishta, provided accounts that align with aspects of her narrative, helping corroborate parts of her work. Because of this, historians today consider her poem an important historical source, even as they read it with an understanding of its literary nature.

Much of what we know about the Vijayanagara campaign in the south, especially the conquest of Madurai, owes something to Ganga Devi's writing. Her work stands as a testament not only to the power of storytelling but also to the role women played in preserving history, even in times when their voices were rarely recorded. In telling the story of kings and conquests, Ganga Devi also ensured that her own voice would echo through time, making her one of the earliest and most significant historians of medieval India.

THE WALL

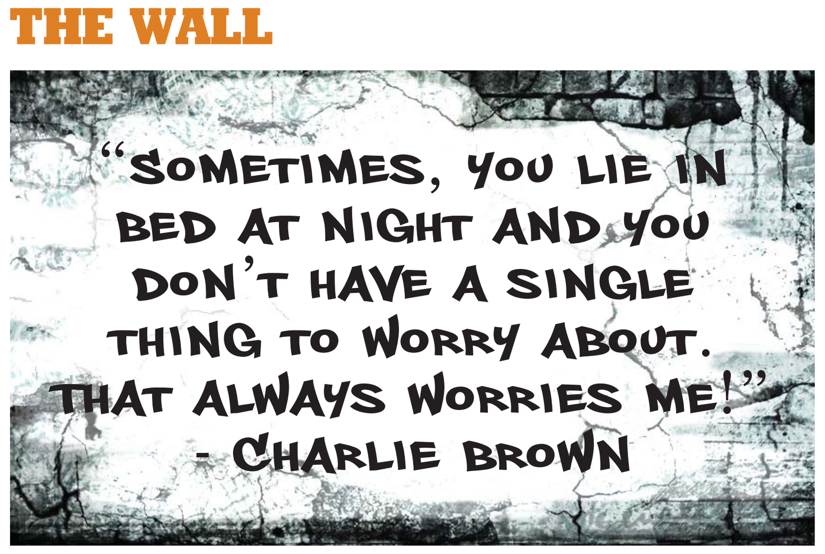

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

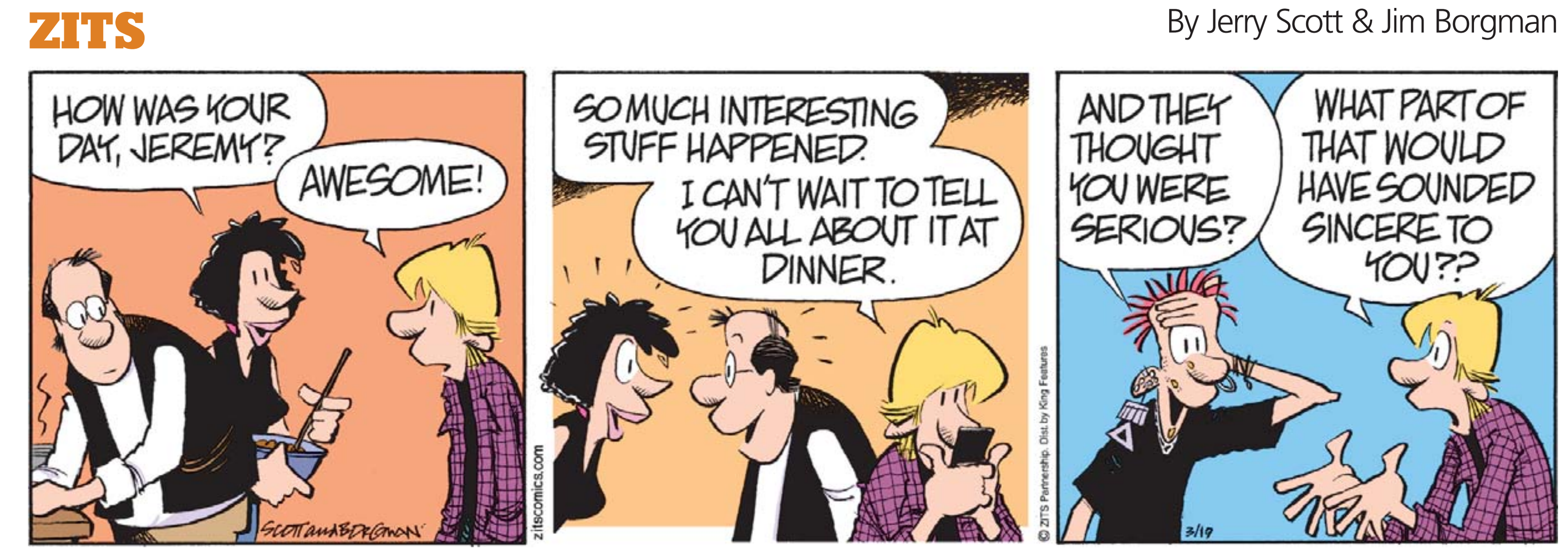

निवाई में आये तेज अंधड़ ने तबाही मचाई, सैंकड़ों पेड़ व विद्युत पोल गिरे

दो दिन से ग्रामीण इलाकों में बिजली गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं

निवाई में आये तेज अंधड़ से नेट हाउस गिर गया।

■ तेज अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम पंचायत सुनारा के दर्जनों गांवों में देखने को मिला

निवाई, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में शनिवार की देर शाम आए भीषण अंधड़ से सैंकड़ों पेड़ व विद्युत पोल धराशाही हो गए, जिससे पिछले दो दिन से ग्रामीण इलाकों में बिजली पूरी तरह गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बिजली संकट के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तेज अंधड़ का सबसे ज्यादा असर ग्राम पंचायत सुनारा के दर्जनों गांवों में देखने को मिला, जहां पेड़ों व बिजली के खंभों के टूटने के साथ-साथ लोगों के घरों के चद्दर और छप्पर तक उड़ गए।

नुकसान का जायजा लेने पहुंचे गिरदावर धोलूराम मीणा, पटवारी दिप्ती शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष केदार दोहण व सरपंच प्रतिनिधि गणेश शर्मा ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में ग्रामीणों का भारी नुकसान हुआ है। अंधड़ के दौरान ग्रामीण भगवान जाट के कुएं पर लगी सौर ऊर्जा की आधा दर्जन प्लेटें उड़ गईं। वहीं कजोड़ जाट, केदार जाट, कन्हैयालाल गुगड, रतनलाल जाट, गोपाल बैरवा, भंवरलाल बैरवा, हनुमान जमादार व हरिनारायण मीणा के घरों पर लगे टीनशेड हवा में उड़ गए। अंधड़ के कारण कई जगहों पर दीवारें ढहने से भी बड़ा नुकसान हुआ है। कजोड़ जाट के ट्रैक्टर पर दीवार गिरने से ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हो गया। गोपाल बैरवा के मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर 4 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा भगवान जाट, कजोड़ जाट, रामकिशोर जाट व गोपाललाल बैरवा के मकानों की दीवारें भी ढह गईं। क्षेत्र के किसान जगदीश खोखर के खेतों में लगा करीब 10 लाख रुपए की लागत का नेट हाउस भी धराशाही हो गया। अंधड़ की चपेट में आने से क्षेत्र में सैंकड़ों भारी पेड़ जड़ से उखड़ गए, दो विद्युत डीपी एवं करीब दो दर्जन से अधिक विद्युत पोल पूरी तरह जमींदोज हो गए। विद्युत बुनियादी ढांचा पूरी तरह तबाह होने के कारण पिछले दो दिनों से गांवों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी प्रकार गांव रजवास में तेज आंधी से मकान के कमरों व जानवरों की छाया के लिए लगाए गए टीन शेड़ उडक़र दूर जा गिरे। ग्रामीण मूलचंद जाट, रामप्रसाद जाट, दिनेश जाट ने कमरों व जानवरों की छाया के लिए टीन लगाएं थे। शनिवार को आए तेज अंधड़ से कमरों के किवाड़ उखड़कर जानवरों के पास ही जा गिरे, जिससे एक भैंस के चौट लग गई। इसी प्रकार कमरों पर लगे हुए चद्दर भी उड़ गए। गांव सुरिया से राहोली जाने वाली सड़क पर बीचो-बीच अंधड़ से बबूल का पेड़ गिर गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

वनस्थली क्षेत्र से तूफान से विद्युत तंत्र चरमराया

निवाई, (निसं)। शनिवार की देर शाम आए भीषण आंधी-तूफान ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। विद्युत विभाग के सहायक अभियन्ता ए-सेकण्ड के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्र में तीव्र आंधी-तूफान से विद्युत वितरण तंत्र को व्यापक क्षति पहुंची है। इस प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप विद्युत लाइनें टूट गईं, पोल धराशाही हो गए और ट्रांसफार्मरों सहित अन्य विद्युत परिसंपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। इस आपदा से मुख्य रूप से वनस्थली, बिडोली, सूरिया, पलेई, मोतीपुरा, लुहारा, सुनारी, खणदेवत, चिकाना व सीदड़ा सहित कई गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई स्थानों पर पोल व लाइनें पूरी धराशाही हो गईं, जिससे विभाग को करीब 1.20 करोड़ की वित्तीय हानि हुई है। घटना को देखते हुए सहायक अभियन्ता धनराज टाटावट सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम ने तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इसके तुरंत बाद क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया। वर्तमान में प्रभावित गांवों में विद्युत तंत्र के पुनर्स्थापन एवं बिजली की पूर्ण बहाली के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सहायक अभियन्ता धनराज टाटावट ने बताया कि उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने अपने सभी आवश्यक संसाधनों को काम पर लगा दिया है।

पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

हजारों किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग दोहराई और आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का संकल्प लिया

■ 'पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने का मुद्दा किसानों की आजीविका, फसल और भविष्य से जुड़ा है जब तक किसानों को उनके हिस्से का पानी नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा'

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड के ग्राम खंडीप में पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान महापंचायत रविवार को तीसरे दिन भी जारी रही। हजारों किसानों ने नहरों में शीघ्र पानी छोड़ जाने की मांग दोहराई और आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का संकल्प लिया। इस महापंचायत में क्षेत्र के हजारों किसान, जनप्रतिनिधि, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। महापंचायत स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और आला अधिकारी तैनात थे।

महापंचायत में गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीणा, टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह मीणा और पांचना कमांड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष बटुआ पटेल सहित कई पदाधिकारी एवं विभिन्न गांवों के पंच-पटेल मौजूद रहे। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र के किसानों का अधिकार है और सरकार को इस पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। आंदोलन को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए पांचना कमांड क्षेत्र विकास संघर्ष समिति ने विभिन्न गांवों को क्रमवार जिम्मेदारियां सौंपी हैं। समिति के अनुसार 7 जून सुबह 10 बजे तक धरना स्थल की व्यवस्था की जिम्मेदारी ग्राम किशोरपुर को दी गई थी।

किशोरपुर के ग्रामीण और किसान जुलूस के रूप में आंदोलन स्थल पहुंचे और अपनी जिम्मेदारी निभाई। रविवार सुबह 10 बजे से अगले 24 घंटों के लिए ग्राम खेड़ली-बगलाई के किसानों और ग्रामीणों ने आंदोलन स्थल की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़े जाने का मुद्दा किसानों की आजीविका, फसल और भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों को उनके हिस्से का पानी नहीं मिल जाता, तब तक किसान महापंचायत और आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने किसानों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि यह संघर्ष किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों की लड़ाई है। महापंचायत में उपस्थित किसानों ने भी अपनी मांग पूरी होने तक आंदोलन को मजबूती से जारी रखने का संकल्प दोहराया। महापंचायत के दौरान लोक कलाकार झंडू शेखपुरा, धबले लालारामपुरा, राजू रिछोटी एवं अन्य कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर किसानों का उत्साहवर्धन किया। वहीं धरना स्थल पर पेयजल, भोजन, छाया और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का संचालन ग्राम खंडीप के पंच-पटेलों और युवा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक से टकराई कार, एक की मौत, तीन घायल

■ उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर अम्बाला लौटते समय सीमलिया थाना इलाके में हुआ हादसा, दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई

कोटा, (निसं)। सीमलिया थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर कराड़िया इंटरचेंज के नजदीक कार रोड साईड खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक जने की मौत हो गई वहीं तीन जने घायल हो गये। हादसा उस समय हुआ जब कार में सवार चार जने उज्जैन महाकाल के दर्शन करके वापस अम्बाला लौट रहे थे। हादसे में कार में सवार चार जनों में से एक की मौत हो गई। सिमलिया इलाके के कराडिया के समीप हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, हादसे में घायल तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव सौंप दिया।

सीमलिया थाना अधिकारी नंद सिंह ने बताया कि हरियाणा के अंबाला निवासी चार लोग उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए गए थे उज्जैन से हरियाणा वापस लौटते समय दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे कराड़िया के समीप कार 8 लेन पर साईड में खड़े हुए ट्रक में पीछे से घुस गई। थानाधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और कार में आगे की तरफ बैठे व्यक्ति फंस गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद एक जने को मृत घोषित कर दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में हरियाणा अंबाला के नारायगढ़ निवासी शिविश वशिष्ठ (48) की मौत हो गई एवं हादसे में रोहित, सानिध्य और पुनीत घायल हो गये, जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ट्रक को डिटेन कर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को किसान मोर्चा हनुमानगढ़ के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील गोदारा द्वारा लिखे गए पत्र पर राज्य सरकार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार के इस निर्णय से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। राठौड़ ने बताया कि किसान नेता सुशील गोदारा ने विगत दिनों पत्र लिखकर अवगत कराया था कि श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों का गेहूं अभी भी खरीद केंद्रों पर नहीं बिक पाया है। गोदारा ने गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने तथा पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसानों के हितों में जनकल्याण के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष किसानों की इस समस्या को रखने पर उन्होंने एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाते हुए 12 जून करने का फैसला किया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 28.5 लाख मीट्रिक टन कर दिया। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सदैव किसान हितों के प्रति प्रतिबद्ध रही है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के हजारों किसानों को अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा।

भीलवाड़ा में शादी कार्यक्रम में हुई युवक की हत्या का खुलासा

■ पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया

भीलवाड़ा, (निसं)। बागोर थाना पुलिस ने लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी में हुए निर्मम हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी किशन कंजर और उसकी पत्नी सनूड़ी कंजर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इस जघन्य अपराध में संलिप्त एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया है। पारिवारिक रंजिश और शादी के संगीत कार्यक्रम के दौरान नाचने की बात को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद इस खूनी वारदात को अंजाम दिया गया था।

बागोर थाने में मृतक विनोद कंजर के भाई कैलाश कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, मृतक विनोद कंजर की पुत्री अंजलि का विवाह आगामी 8 जून को होना तय हुआ था। घर में शादी की तैयारियां बड़े ही धूमधाम से चल रही थीं। 3 जून की रात्रि करीब नौ बजे घर के बाहर चौक में डीजे बज रहा था और परिवार के लोग जश्न मना रहे थे। इसी दौरान विनोद कंजर मकान के बाहर चौक में बैठे हुए थे। तभी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी कमलेश कंजर, किशन कंजर और सनूड़ी कंजर एकराय होकर हथियार और कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने आते ही विनोद कंजर पर जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपी किशन कंजर ने विनोद के सिर पर कुल्हाड़ी से वार किए, जिससे विनोद कंजर लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शादी वाले घर की खुशियां चीख-पुकार और मातम में बदल गईं। प्रार्थी की रिपोर्ट पर बागोर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि मुख्य अभियुक्त किशन कंजर, मृतक विनोद कंजर का सगा भतीजा है। दोनों परिवारों के बीच पिछले कुछ समय से किसी बात को लेकर गहरी रंजिश चल रही थी। 3 जून की रात जब अंजलि के विवाह का महिला संगीत कार्यक्रम चल रहा था, तब अभियुक्तों द्वारा विनोद कंजर के घर के बाहर नाचने की बात को लेकर जानबूझकर विवाद खड़ा किया गया। बात बढ़ने पर आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से लाठी, डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर विनोद की बेरहमी से हत्या कर दी।

मुखबिरी तंत्र की मदद से पुलिस टीम ने फरार चल रहे आरोपियों को घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी किशन कंजर पुत्र राकेश कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी, बागोर, भीलवाड़ा, मुख्य हमलावर और सनूड़ी कंजर पत्नी किशन कंजर, निवासी लक्ष्मणगढ़ कॉलोनी, बागोर, भीलवाड़ा सह-आरोपी इसके अतिरिक्त वारदात में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस संरक्षण में लेकर निरुद्ध किया गया है। पुलिस गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

हिंडौन सिटी में एक किसान को अपनी ही जमीन का नहीं मिल रहा कब्जा

नौ साल लंबी कानूनी लड़ाई जीतने और तहसीलदार के फैसले के बाद भी कब्जा नहीं मिला

हिंडौन सिटी, (निसं)। टोडाभीम तहसील क्षेत्र के राजस्व गांव नांगल सुल्तानपुर में एक पीड़ित किसान को नौ साल लंबी कानूनी लड़ाई जीतने और तहसीलदार के स्पष्ट फैसले के बाद भी अपनी ही जमीन पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन की लापरवाही से पीड़ित किसान आज भी न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

मामला वर्ष 2016 का है, जब फौजीपुरा निवासी बालू उर्फ बाबू जाटव ने नांगल सुल्तानपुर निवासी रामस्वरूप, शंकर, राधे, राजेश, राजवीर और मुकेश मीणा के खिलाफ तहसीलदार अदालत में दावा किया था। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि विपक्षियों ने उसकी खातेदारी की पांच बीघा भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। 9 साल तक चले लंबे अदालती सफर के बाद, पिछले साल 29 सितंबर 2025 को तहसीलदार ने परिवादी बालू जाटव के पक्ष में निर्णय सुनाया और दूसरे पक्ष को बेदखल कर उसे कब्जा दिलाने के आदेश जारी किए थे। तहसीलदार के इस निर्णय को करीब 9 महीने बीत चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस दौरान तहसीलदार दिनेश मीणा ने 8 अक्टूबर, 7 नवंबर, 18 नवंबर और 1 दिसंबर 2025 को जिला कलेक्टर और एसपी को पत्र लिखकर कब्जा दिलाने के लिए पुलिस जाप्ता भी मांगा। एक बार प्रशासन का दस्ता मौके पर गया भी, लेकिन दूसरे पक्ष के कड़े विरोध के चलते उन्हें बिना कार्रवाई के बैरंग लौटना पड़ा था। इसके बाद पीड़ित किसान ने 10 दिसंबर 2025 और हाल ही में 22 मई 2026 को जिला कलेक्टर के सामने गुहार लगाई। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार को 7 दिन के भीतर निर्णय की पालना कराने (कब्जा दिलाने) के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक पीड़ित किसान को न्याय नहीं मिल सका है। इस सम्बंध में अमन चौधरी एसडीएम ने कहा कि टोडाभीम भूमि पर बेदखली संबंधी यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। कार्यालय समय में पूरे मामले की जांच कर न्यायोचित कार्यवाही की जाएगी।

अकबरपुर महिला एसएचओ पर पिता व पुत्र के साथ मारपीट का आरोप

■ डेढ सौ से ज्यादा ग्रामीण एसएचओ की शिकायत करने एसपी निवास पहुंचे और अवैध वसूली की भी शिकायत की

■ एसपी ने गांव के लोगों की बात सुनकर थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार के बर्ताव की जांच सिटी सीओ को दी

अलवर, (निसं)। रविवार को दो गांवों के करीब 150 से अधिक लोग एसपी आवास पहुंचे, यहां अकबरपुर थाना अधिकारी सीमा सिनसिनवार के खिलाफ गांव में एक पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने के आरोप लगाए। साथ ही अवैध वसूली की भी शिकायत की। एसपी ने गांव के लोगों की बात सुनकर थानाधिकारी सीमा सिनसिनवार के बर्ताव की जांच सिटी सीओ को दी है। इसके साथ गांव वालों के साथ आए हिस्ट्रीशीटर और रेप के आरोपियों की जांच भी होगी।

ग्रामीणों ने एसपी को शिकायत दी कि शनिवार शाम को एसएचओ सीमा सिनसिनवार ने एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट की। पुलिस ने व्यक्ति के नाबालिग बेटे से भी मारपीट की। ग्रामीणों ने बताया कि इस दौरान एक अन्य युवक प्याज से भरा ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। पुलिस ने रास्ते में ट्रैक्टर को रुकवाया। मारपीट की और बिना किसी ठोस वजह के ट्रैक्टर को थाने ले जाकर जब्त कर लिया।

महिला एसएचओ सीमा का कहना है कि एक व्यक्ति पॉक्सो का दोषी है। पुलिस को पता नहीं था कि बाइक चला रहा नाबालिग कौन है। उसे रोका तो उसका पिता आ गया। उसने पुलिस से गलत बर्ताव किया। इसके बाद पुलिस ने पकड़ना चाहा तो फरार हो गया। थानाधिकारी सिनसिनवार ने दावा किया कि एसपी से शिकायत करने पहुंचे लोगों में एक व्यक्ति इलाके का नामी हिस्ट्रीशीटर है। इसके अलावा, प्रदर्शन दो-तीन लोगों के बच्चों के खिलाफ पहले से ही म्यूल अकाउंट (अपराधिक रिकॉर्ड/खातों) में मामले दर्ज हैं।

इस मामले में अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने कहा कि गांव वालों की शिकायत पर महिला एसएचओ के गलत बर्ताव करने की जांच सिटी सीओ को दी है। अपराधी किस्म के लोग आए हैं तो उसकी जांच कराई जाएगा। बाकी अपराध करने वालों को पकड़ना पुलिस का काम है।

'स्वच्छता का काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है'

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कनवास क्षेत्र के लोढ़ाहेड़ा में जनसुनवाई की।

■ ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कनवास क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया

■ 'गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी'

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रविवार को कनवास क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मामोर, लोढ़ाहेड़ा, धूलेट, दांता और बांस्याहेड़ी सहित कई गांवों का दौरा कर निरीक्षण किया। मंत्री नागर ने गांवों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, ग्रामीण रास्तों की स्थिति देखी और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी जन समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आप सभी केवल 8 दिन अपने गांव की सफाई के लिए समर्पित कर दें। इसके बाद महीने में सिर्फ एक दिन हम सभी मिलकर एक बड़ा सफाई अभियान चलाएंगे। ऐसा करने से हमारे गांव पूरी तरह साफ हो जाएंगे और कचरे का नामोनिशान मिट जाएगा। यह काम अकेले सरकार का नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने देश के प्रधानमंत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं हाथों में झाड़ू थाम सकते हैं, तो हमें अपने ही गांव को साफ करने में कोई शर्म या झिझक नहीं होनी चाहिए। स्वच्छता हम सबकी पहली जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान नालियों में फंसी पॉलिथीन को देखकर मंत्री नागर ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि नालियों में पड़ी पॉलिथीन को अक्सर बेसहारा गायें खा लेती हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु तक हो जाती है। यह एक गंभीर पाप है, जिससे हमें बचना होगा। गांवों को कचरा मुक्त बनाने के लिए उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र के हर घर में दो-दो डस्टबिन (कूड़ेदान) दिए जाएंगे। ग्रामीणों को इसमें गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालना होगा। जब कचरा संग्रहण गाड़ी गांव में आए, तो दोनों तरह का कचरा अलग-अलग ही गाड़ी में डालना सुनिश्चित करें ताकि उसका सही निस्तारण हो सके। ऊर्जा मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं स्वयं, प्रधान और ब्लॉक विकास अधिकारी जल्द ही दोबारा इन गांवों का औचक निरीक्षण करने आएंगे। उस समय गांवों में धरातल पर सफाई नजर आनी चाहिए।

मंत्री नागर ने कहा कि गांवों को स्वच्छ रखने की सीधी जिम्मेदारी ग्राम सचिव की होगी। जो ग्राम सचिव अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम करेंगे और गांवों को आदर्श स्वच्छ गांव बनाएंगे, उन्हें सार्वजनिक रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके विपरीत, जिन गांवों में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई, वहां के जिम्मेदार सचिव के खिलाफ तुरंत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। दौरे के दौरान मंत्री नागर ने विभिन्न गांवों में चौपाल लगाकर जनसुनवाई की। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क और मौसमी बीमारियों से जुड़ी अपनी समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री नागर ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ग्रामीण रास्तों को सुधारा जाए और आमजन की समस्याओं का समय सीमा के भीतर समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाई जाए।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, उप प्रधान ओम नागर अडूसा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष ओम मेहता, बीडीओ सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जोधपुर मंडल ने 1.61 करोड़ का जुर्माना वसूला

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने मई 2026 में टिकट जांच अभियान के दौरान रिकॉर्ड राजस्व अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल ने बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट, गंदगी फैलाने और धूम्रपान के मामलों में कुल 1 करोड़ 60 लाख 88 हजार 106 रुपए की वसूली की, जो अब तक का सर्वाधिक जुर्माना राजस्व है। इससे पहले अप्रैल माह में लगभग 1.40 करोड़ रुपए की वसूली हुई थी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि मई माह में टिकट जांच दस्तों ने बिना टिकट यात्रा करते पाए गए लगभग 13 हजार यात्रियों से 80 लाख 60 हजार रुपए तथा अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे लगभग 13 हजार यात्रियों से 77 लाख 41 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। इसके अतिरिक्त ट्रेनों और रेलवे परिसरों में स्वच्छता एवं सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई की गई। गंदगी फैलाने के 2225 मामलों में 2 लाख 43 हजार 850 रुपए तथा धूम्रपान के 102 मामलों में 20 हजार 700 रुपए का जुर्माना वसूला गया। साथ ही यात्रियों को रेलवे परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और धूम्रपान निषेध नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया।

सेना के जवान का निधन, सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी

■ पैतृक गांव भादूण की ढाणी, समराऊ में सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के सेना के जवान जयप्रकाश का इलाज के दौरान निधन हो गया। रविवार को उनका पार्थिव शरीर ओसियां के भादूण की ढाणी, समराऊ लाया गया। वहां सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

जानकारी के अनुसार जवान जयप्रकाश 10 दिन की छुट्टी पर आए थे और दोबारा ड्यूटी जॉइन करने जा रहे थे। इस बीच तबीयत बिगड़ गई थी। उनका इलाज बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट के आईसीयू में चल रहा था। इलाज के दौरान उन्हें अचानक उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन, बचा नहीं पाए। जयप्रकाश 230 मेड रेजिमेंट में गनर पद पर तैनात थे। रविवार को दोपहर करीब 12:30 बजे उनका पार्थिव देह गांव में पहुंचा। जहां सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सूत्रों के अनुसार, जयप्रकाश 21 मई से 31 मई 2026 तक 10 दिनों की छुट्टियों के लिए आए थे। 1 जून 2026 को उन्हें यूनिट में रिपोर्ट करना था, लेकिन वे रिपोर्ट नहीं कर पाए। 1 जून को जब सीनियर जेसीओ सूबेदार रूपेश कुमार झा ने जयप्रकाश से कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में है और उनकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई है। वे 2 जून को शाम 5:30 बजे की फ्लाइट से आएंगे। इसके बाद 2 जून को दोबारा अधिकारियों ने जयप्रकाश से बात की, तो उन्होंने बताया कि वे शाम की फ्लाइट से रवाना हो जाएंगे। लेकिन, 3 जून को उन्होंने कॉल उठाना बंद कर दिया। इस बीच 3 जून की रात को करीब 9:40 बजे दिल्ली के आसिफ अली हॉस्पिटल के मेडिकल ऑफिसर ने सूचना दी, कि जयप्रकाश को यूपी के सिविल लाइंस, उटारी में एडमिट करवाया गया है। 4 जून की रात 12-15 बजे जयप्रकाश को लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में रेफर किया गया। इसके बाद 4 जून को उन्हें दिल्ली कैंट स्थित बेस अस्पताल के आईसीयू में एडमिट किया गया। जब उन्हें यहां लाया गया तो वे अचेत अवस्था में थे। लेकिन, 5 जून को उन्हें होश आ गया था और वे बातचीत कर रहे थे। इसी बीच 6 जून रात करीब 1 बजे उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। इस दौरान डॉक्टर्स ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। रात करीब 2:15 बजे बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट के डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को उनकी पार्थिव देह दिल्ली से जोधपुर पहुंची। जहां उनके पैतृक गांव भादूण की ढाणी, समराऊ में सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

संक्षिप्त

बैठक का आयोजन

अलवर, (निस.)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के निर्देश पर प्रत्येक माह के प्रत्येक रविवार को मंडल बीचगांव के शक्ति केंद्र उछर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इनमें सड़कों एवं एक्सप्रेसवे का निर्माण, हवाई अड्डों का विकास एवं उड़ान योजना, जलमार्ग, बंदरगाह एवं नदी परिवहन, रेलवे का आधुनिकीकरण, जल एवं नहर परियोजनाएं, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मजदूर एवं गरीब कल्याण योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, बिजली एवं गैस योजनाएं, डिजिटल भारत अभियान तथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना सहित अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल रहीं।

करन्ट की चपेट में आने से बुजुर्ग दम्पति की मौत

टोंक, (निस.)। निवाई थाना क्षेत्र के डांगरथल गांव में खेत में कृषि कार्य करने के दौरान करंट की चपेट में आने से बुजुर्ग दंपति की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे क्षैत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार डांगरथल निवासी नानग राम शर्मा उम्र 55 साल जो खेत में काम करते समय अचानक करंट की चपेट में आ गए थे। जब पति को तड़पता देख पत्नी राम रक्खी उम्र 50 साल पे उन्हें बचाने दौड़ी, लेकिन वो खुद भी करंट की चपेट में आ गईं और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाद में जब परिजनों ने काफी देर तक दोनों घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने खेत पर जाकर देखा, वहां दोनों के शव अचेत अवस्था में पड़े मिले, जिसे देखकर कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही निवाई थाना अधिकारी घासीराम पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। हादसे की गम्भीरता को देखते हुए निवाई पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा भी अस्पताल पहुंचे, फिलहाल पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनो को सौप दिया है।

आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निस.)। जिला पुलिस कप्तान रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये जा रहे ऑपरेशन सकल्प नशा मुक्त टोंक अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी रवीश सामरिया नेतृत्व में गठित थाना टीम ने 5 किलोग्राम डोडा चुरा व 200 ग्राम अफीम जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी रवीश सामरिया ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा मालपुरा केकडी रोड स्थित प्रतापपुरा में गश्त के दौरान नाकाबन्दी कर तलाशी के दौरान युवक उमराव जाट पुत्र हंसराज उम्र 44 साल निवासी सरवर पुलिस थाना बोराडा जिल अजमेर की तलाशी करने पर उसकी मोटरसाईकिल में रखे एक बैग में 5 किलोग्राम मादक पदार्थ डोडा चुरा व पहने हुये कुर्ते की जेब में अवेध 200 ग्राम अफीम पाये जाने पर पूछताछ में सामने आया की आरोपी उमराव इन मादक पदार्थ को क्षैत्र में सप्लाई करता था। कार्यवाही के बाद आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण कर अनुसंधान प्रारम्भ किया।

मिट्टी की दीवार बनाकर रोका रास्ता

टोंक, (निस.)। पीपलू पंचायत समिति क्षेत्र के रानोली चौगाई से सौंधीफल होते हुए बोरखंडीकला को स्टेट हाईवे से जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्ग को कुछ लोगों ने जेसीबी मशीन से मिट्टी की दीवार बनाकर बंद कर दिया। शनिवार देर शाम हुई इस कार्यवाही के बाद आवागमन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए करीब 10 किमी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। उन्होंने प्रशासन से मार्ग को जल्द शुरू कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सौंधीफल गांव से पहले नाले पर बनी रपट गत साल पहली बारिश में क्षतिग्रस्त हो गई थी।

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हमारा एजेंडा अनुशासन और संगठन की मजबूती पर होना चाहिए : टीकाराम जूली

- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर चलेंगे तो निश्चित तौर पर कांग्रेस का राज आएगा

अलवर, (निस.)। जूली रविवार को अंबेडकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर चलेंगे तो निश्चित तौर पर कांग्रेस का राज आएगा। उन्होंने पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा एजेंडा अनुशासन और संगठन की मजबूती पर होना चाहिए।

जूली बोले कोई भी विभाग, प्रकोष्ठ, अग्रिम संगठन छोटा या बड़ा नहीं है हम सब कांग्रेस पार्टी के सिपाही हैं, जूली के इस वक्तव्य से कार्यकर्ताओं में जहां एक नई ऊर्जा का संचार हुआ वहीं पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले ग्राम पंचायत कमेटी बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए फिर ब्लॉक स्तर पर बैठक, जिला स्तर पर ट्रेनिंग कार्यक्रम तथा प्रत्येक विधानसभा में कार्यकर्ताओं को पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के सानिध्य में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जूली रविवार को अंबेडकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित बैठक को संबोधित किया।

जूली ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पद सिर्फ एक पहचान है इसकी लालसा हमें नहीं रखनी है हमारा मूल मंत्र पार्टी को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता खुले मन से अपनी बात रखें पार्टी उस पर विचार कर रूपरेखा तैयार करेगी ताकि ईडी,सीबीआई जैसी सरकारी मशीनरी से लड़कर हम कांग्रेस का राज लेकर आएंगे।

जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का राज आते ही सबसे पहले नाजायज मुकदमे वापस लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सोच को साकार किया जाएगा, मंत्रिमंडल से पहले कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा है जो हर जाति, धर्म,संप्रदाय और वर्ग का ध्यान रखती है।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने पानी, बिजली, पर्यावरण और प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सरकार को चारों तरफ से घेरते हुए निशाने पर लिया।

उन्होंने कहा कि पानी वाले मंत्री के गांव में पानी नहीं, बिजली मंत्री के गांव में बिजली नहीं, पर्यावरण मंत्री के गृह जिले में दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भिवाड़ी आता है जिसकी बानगी टहला क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मी सोशल मीडिया पर बता रहा है कि हम पर्यावरण नहीं बचा सकते पुलिसकर्मी की तो छोड़ो खुद मंत्री अपना दुखड़ा सुना रहे हैं, हद तो तब हो गई जब मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के गृह जिले में जेल से बदमाश धमकियां दे रहे है, जूली बोले राजस्थान सरकार या यूँ कहे दिल्ली के हुकुम पर चल रही सरकार के राज में पूरे कुएं में ही भांग घुली हुई है नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को अपने उद्योगपति मित्रों को आगे बढ़ाने का ऐसा जुनून चढ़ा है कि देश व प्रदेश को ही पीछे धकेल दिया है।

जिला कलेक्टर को सौंपेगे ज्ञापन

दौसा, (निस.)। पंचायती राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ एवं सगठन के संयुक्त तत्वावधान में मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न मांगो के समर्थन में आयोजित स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत 8 जून को प्रात: 11:30 बजे जिले भर के मंत्रालियक कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष श्यामसुन्दर गुर्जर एवं संगठन के जिला अध्यक्ष नंदलाल मीणा के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित एक ज्ञापन जिला कलेक्टर एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन सौपेंगें।

जिला महामंत्री दयाशंकर महावर ने बताया कि पंचायती राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष श्याम सुन्दर गुर्जर एवं संगठन के जिला अध्यक्ष नन्दलाल मीणा के नेतृत्व में सोमवार को जिले भर के मंत्रालयिक कर्मचारी जिला परिषद में एकत्रित होगें। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित एक ज्ञापन जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सौंपा जायेगा। उन्होने बताया कि इस दौरान महासंघ के पदाधिकारी अपनी मांगों के समर्थन में जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन भी करेगें।

अलवर में जापानी, कोरियन, जर्मन, फ्रेंच व स्पेनिश भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

- राजस्थान सरकार की बड़ी पहल, अलवर सहित प्रदेश के 20 सरकारी कॉलेजों में शुरू होगा कोर्स

अलवर, (निस.)। राजस्थान सरकार के कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय ने युवाओं को वैश्विक रोजगार बाजार से जोड़ने के लिए बड़ी पहल की है। इस पहल के बाद अब अलवर के युवा भी जापानी बोलकर टोक्यो तक नौकरी का रास्ता बना सकेंगे। योजना के दूसरे चरण में अलवर के वाणिज्य महाविद्यालय और राज ऋषि महाविद्यालय समेत राज्य के 20 सरकारी कॉलेजों में जापानी, कोरियन, जर्मन, फ्रेंच और स्पेनिश भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जा रहे हैं।

वाणिज्य महाविद्यालय अलवर के प्राचार्य प्रो. सत्य भान यादव ने बताया कि कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान और हैदराबाद स्थित इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (ईएफ एलयू) के बीच हुए एमओयू के तहत इन पाठ्यक्रमों का संचालन होगा। उन्होंने ने बताया अलवर के दोनों कॉलेजों में जापानी भाषा सिखाई जाएगी। क्लास ऑनलाइन होंगी और फीस सिर्फ 1000 रुपये रखी गई है। प्रोफेसर यादव ने कहा विदेशी भाषा सीखने का सपना देखने वाले अलवर के युवाओं के लिए यह गोल्डन चांस है।

उन्होंने बताया दूसरे चरण में अलवर, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, सवाई माधोपुर, सीकर, श्रीगंगानगर, चूरू, दौसा और जैसलमेर समेत 20 सरकारी कॉलेज चुने गए हैं। इसमें अलवर के वाणिज्य महाविद्यालय तथा राज ऋषि महाविद्यालय में जापानी भाषा का सर्टिफिकेट कोर्स जल्द ही शुरू किया जाएगा। आयुक्तालय के आदेश के अनुसार कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से चलेंगी। इन कोर्स में वर्तमान में पढ़ रहे या पास हो चुके स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा 12वीं पास कोई भी युवा जिसकी उम्र 18 से 35 साल के बीच है और जो राजस्थान का निवासी है, वह पात्र होगा। हर बैच में 30 सीटें होंगी और चयन सीटों की उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा।

शिक्षा विभाग का मानना है कि विदेशी भाषा का ज्ञान युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, पर्यटन, अनुवाद, आईटी, बीपीओ, विदेशी कंपनियों और ग्लोबल जॉब मार्केट में नए दरवाजे खोलेगा। जापान, जर्मनी, फ्रांस, कोरिया और स्पेन की कंपनियां भारत में बड़ा निवेश कर रही हैं। भाषा जानने वाले युवाओं को इन कंपनियों में प्राथमिकता मिलती है। यह कदम राजस्थान के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

कोर्स संचालन के लिए सभी चयनित कॉलेजों को हाई स्पीड इंटरनेट, प्रोजेक्टर, वेबकैम, माइक्रोफोन और समुचित कक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो वर्ष पूर्ण होने पर सांसद मुरारीलाल मीणा का अभिनन्दन

दौसा, (निस.)। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेसियों ने दो वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक रहने पर दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा अभिनन्दन किया। अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करते हुये दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा ने कहा कि यह सम्मान उनका नहीं बल्कि कांग्रेस विचारधारा और जनता के विश्वास का सम्मान है। उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में उनका प्रयास हमेशा क्षेत्र की जनता की आवाज को संसद में मजबूती से उठाने और विकास कार्यों को गति देने का रहा है तथा आगे भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनसेवा जारी रहेगी। उन्होने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आमजन की समस्याओं को सुनने, सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने तथा कांग्रेस की रीति-नीति को घर-घर तक पहुंचाने का आव्हान किया। संगठन की मजबूती के बल पर कांग्रेस भविष्य में और अधिक सशक्त होकर जनता की सेवा करेगी।

चौमूं में व्यापारी को बंधक बनाकर लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

- लिफ्ट के बहाने किया अपहरण, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर लूटे 56 हजार

चौमूं / कालाडेरा। चौमूं थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हाल ही दिनों में थाना क्षेत्र के गांव जैतपुरा में एक व्यापारी के अपहरण, मारपीट और ऑनलाइन लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस दौरान उपयोग की गई कार को भी जब्त कर लिया है। आरोपियों ने व्यापारी के खाते से 56,796 रुपए ऑनलाइन ठगे थे। मन प्रशान्त किरण पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के निर्देशन एवं राजेश कुमार गुप्ता अति0 पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम एवं श्रीमति अंजू यादव (प्रो.) सहायक पुलिस आयुक्त चौमू के सुपरविजन व थानाधिकारी हरबेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि यह घटना 1 जून 2026 की रात की है। जैतपुरा निवासी किराना व्यवसायी सुनील टोडावता अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। तभी एक युवक ने उन्हें अनंतपुरा जाने की बात कहकर अपनी कार में बैठा लिया। कुछ दूरी पर दो अन्य युवक भी कार में सवार हो गए और उन्होंने व्यापारी को बंधक बनाकर मारपीट शुरू कर दी। आरोपी व्यापारी को एनएच-52 होते हुए गोविन्दगढ की तरफ ले गए।

चौमूं पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर अपहरण, मारपीट और ऑनलाइन लूट करने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जमवाय माता मन्दिर सिंगोद चोरी मामले में धरना जारी

- पूर्व विधायक रामलाल शर्मा पहुंचे धरनास्थल, ग्रामीणों से चर्चा की

चौमूं / कालाडेरा, (निस.)। चौमूं उपखण्ड की ग्राम पंचायत सिंगोद कलां स्थित प्रसिद्ध जमवाय माता मन्दिर में दानपात्र चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने चोरी की वारदात का शीघ्र खुलासा करने, आरोपियों की गिरफ्तारी तथा मन्दिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग को लेकर मन्दिर परिसर में प्रदर्शन किया। धरनास्थल पर चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा पहुंचे और ग्रामीणों व मन्दिर ट्रस्ट पदाधिकारियों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की। रामलाल शर्मा ने खेजरोली पुलिस चौकी प्रभारी धर्मपाल यादव से बातचीत कर जांच की प्रगति की जानकारी ली तथा जल्द से जल्द चोरी का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही। मामले की जांच जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि मन्दिर में अल्प समय के भीतर दूसरी बार चोरी की घटना हुई है, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है।

धरने में गोविन्दगढ भाजपा मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, सिंगोद कलां प्रशासक कुसुमलता सुरेश सैनी, सिंगोद खुर्द के पूर्व सरपंच त्रिलोक लोच्छिब, जमवाय माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष हरिसिंह शेखावत, राजपूत सभा तहसील चौमूं अध्यक्ष भवानी सिंह सिंगोद, पार्षद गजेन्द्र यादव, एडवोकेट महेन्द्र सिंह, एडवोकेट जितेन्द्र सिंह, तेज सिंह, पदम सिंह, रणवीर सिंह, बलवीर सिंह, विजय सिंह, दीपक सिंह, शक्ति सिंह, पुलकित सिंह, गुमान सिंह, सुरेश घोसलिया, सुशील शर्मा सहित

कोटपूतली में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान से स्वास्थ्य का संदेश दिया

- अभियान में पुलिस के आला अधिकारियों से लेकर जवानों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा

कोटपूतली, (निस.)।देश भर में चल रहे "फिट इंडिया मिशन" को आगे बढ़ाते हुये कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस द्वारा रविवार को संडे ऑन साईकिल अभियान का भव्य आयोजन किया गया। इस अनूठे अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन और पुलिसकर्मियों को शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। एसपी सतवीर सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुये कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।

उन्होंने कहा कि मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ रहकर ही व्यक्ति अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से पालन कर सकता है। आज के व्यस्त दौर में खुद के स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की रक्षा करना बेहद जरूरी है। इस अभियान के माध्यम से पुलिस विभाग ने समाज को बेहतर स्वास्थ्य, व्यक्तिगत फिटनेस और बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण का एक बेहद मजबूत और सकारात्मक संदेश दिया है। एएसपी नाजिम अली खान ने कहा कि फिटनेस किसी एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। नियमित योग और व्यायाम से व्यक्ति शारीरिक रूप से मजबूत होने के साथ मानसिक रूप से भी संतुलित रहता है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों और नागरिकों से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आव्हान किया। वक्ताओं ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा और सेवा में 24 घंटे सक्रिय रहते हैं, ऐसे में उनका शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। नियमित योग, व्यायाम और साईकिलिंग जैसी गतिविधियां ना केवल स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं, बल्कि कार्यक्षमता और निर्णय क्षमता में भी वृद्धि करती हैं। यह सत्र योग विद्या रत्न शास्त्री के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। योग सत्र के दौरान उपस्थित सभी लोगों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रिजर्व पुलिस लाईन में आयोजित एक विशेष योगाभ्यास सत्र से हुआ।

जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के नेतृत्व में विशाल साईकिल रैली निकाली गई। यह रैली विभिन्न मार्गों से होते हुये जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंची। रैली के दौरान प्रतिभागी हाथों में पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े संदेश लेकर चल रहे थे, जो पूरे शहर में आकर्षण का केंद्र रही। इस अभियान में पुलिस के आला अधिकारियों से लेकर जवानों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, एएसपी नाजिम अली खान, थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा समेत बड़ी संख्या में अन्य पुलिस अधिकारियों, विभागीय कर्मचारियों व स्थानीय आमजन ने भी इस जागरूकता मुहिम में भागीदारी निभाई।

सार-समाचार

साइकिल चलाकर फिट रहने का संदेश दिया

शाहपुरा, (निस.)। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह व थाना प्रभारी रिया चौधरी के नेतृत्व में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन हुआ। एएसपी व थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस व युवाओं ने साइकिल चलाकर फिट रहने का संदेश दिया। रैली थाना परिसर से मंडी तिराहा, मुख्य बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड, दिल्ली रोड़ व त्रिवेणी रोड़ होते हुए निकाली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह ने कहा कि साइकिल चलाने से हम जीवन में बैलेंस करना सीखते है। साइकिल का उपयोग करने से ना केवल शरीर फिट रहता है साथ ही व्यक्ति स्वस्थ भी रहता है। थाना प्रभारी रिया चौधरी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को बेहतर स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन की बचत और सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। सभी को फिट बनाए रखने के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी व युवा मौजूद थे।

डॉ रविंद्र कुमार का सहायक आचार्य पद पर चयनित

बांदीकुई। दौसा जिले की तहसील बसना के ग्राम करनावर निवासी एवं वर्तमान में जयपुर के सांगानेर में रह रहे डॉ रविन्द्र कुमार मीरवाल का राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भर्ती से राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग (कॉलेज शिक्षा) में सहायक आचार्य पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है। डॉ रविंद्र कुमार मीरवाल की सफलता संघर्ष, धैर्य और निरंतर परिश्रम की प्रेरणादायक कहानी है। कॉलेज में अध्ययन के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया था। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। वर्ष 2011 में उनका चयन राजस्थान पुलिस में हुआ। इसके बाद वर्ष 2015 में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में जूनियर अकाउंटेंट पद पर चयनित होकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने उच्च शिक्षा जारी रखी और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

सांभर पीएचईडी ने सड़क से 8 इंच ऊपर वाल्व लगाये

सांभरझील, (निसं)। तकनीकी क्षेत्र में पारंगत जलदाय विभाग कभी कभी ऐसे अजीबोगरीब कार्य को अंजाम तक पहुंचा देता है जो इस विभाग के इंजीनियरों के ब्रेन पर गहरा सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

हम विभाग की किसी कमी का उपहास नहीं कर रहे बल्कि वह हकीकत बता रहे हैं जो वाकई में एक साधारण इंसान को भी सोचने पर मजबूर कर देगी। अभी कुछ दिनों पहले खातीवाडा से होते हुए जाल की गली तक बिछाई गई पेयजल लाइन के बाद जिस प्रकार से विभाग ने सुर्खियां बटोरी वह वाकई में काबिले तारीफ रही है, लेकिन काला मार्ग के जिस तिराहे पर सड़क के बीचो-बीच यानी सड़क के लेवल से करीब 8 से 10 इंच ऊंचा रोड ब्रेकर टाइप बनाकर दो जगह पानी सप्लाई खोलने के लिए वाल्व लगा रखे हैं। सहायक अभियंता को बताया गया तो उन्होंने तकनीकी कारण गिनाते हुए इसे समतल करने से इनकार कर दिया। यानी अब यह कथित रोड ब्रेकर इसी प्रकार लोगों को तकलीफ देता रहेगा। हालांकि विभाग ने सड़क से बाहर निकले दोनों पाइप को कटवा तो दिया लेकिन यह आंशिक राहत कितना काम करेगी यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बताना जरूरी है कि यहां से एक रास्ता साध पुरसानाराम दरबार की तरफ जाता है।

यह काला मार्ग कहलाता है। कुल मिलाकर विभाग ने हर किसी इंसान को पटकने का पूरा बंदोबस्त कर दिया है। बच जाए तो आपका भाग्य और गिर जाए तो आपकी किस्मत। यह मार्ग राजनीति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। प्रतिदिन सैकड़ो वाहन और राहगीर यहां से गुजरते हैं।

समझ में नहीं आ रहा विभाग के इंजीनियरों ने यहां का मोका निरीक्षण क्यों नहीं किया? और अगर कर लिया तो फिर सुधार क्यों नहीं किया। अब क्या किसी अनहोनी घटना को विभाग अपने इतिहास में दर्ज करने के इंतजार में बैठा है या फिर जनता खुद ही ईश्वर के भरोसे रहे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम राम चन्द मूलचंदानी से बदलकर रामचन्द्र मूलचंदानी रख लिया है। भविष्य में मुझे नये नाम से जाना जावें। पता- बी-16-डी, संजय कॉलोनी, नेहरूनगर, पानीपेच जयपुर

मेरा नाम संजय टांक था। मैंने अपना नाम संजय टांक से बदलकर संजय कुमार टांक पुत्र श्री मंगल चन्द टेलर निवासी 11/89 कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर (राजस्थान) रख लिया है। भविष्य में सभी कामों के लिए मुझे संजय कुमार टांक के नाम से जाना जाए।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारुप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय ADJIO जयपुर महानगर प्रथम सांगानेर
हिमांशु विरूद्ध साक्षी
वाद/प्रार्थना पत्र दावा बाबत घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या 126 सन् 2025
नाम- साक्षी जयसिंघानी पत्नी श्री हिमांशु नागपाल पुत्री स्व. श्री सुभाष जयसिंघानी आयु 39 वर्ष जाति सिंधी निवासी एस.एल.2, इनकम टैक्स कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर(राज.)
उक्त प्रार्थी हिमांशु ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि....................
अत: आपको यह चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 12 माह 06 सन् 2026 को 07:00 AM पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 02 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
न्यायालय की मोहर
आज्ञा, शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

सार्वजनिक सूचना
दिनांक- 08.06.2026
हमारे सम्मानित ग्राहकों की बेहतर सुविधा के लिए हम अपनी बगरू शाखा का विलय जयपुर कार्यालय में कर रहे हैं। जयपुर कार्यालय का पता है- 811, आठवी मंजिल, सिग्नेचर टावर, लाल कोठी, जयपुर। फोन नंबर-0141-4021009
प्रबंधन-SRNG फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

कार्यालय नगर निगम, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्र.एफ-6( ) उपा.राज.-द्वितीय(सा.प्र.)/ननिज./2026/237 दि: 05.06.2026
सार्वजनिक सूचना
मूल भूखण्ड संख्या ई-8, बनीपार्क विस्तार योजना, जयपुर का इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, जयपुर द्वारा श्री वी. के. मित्तल के नाम से क्षेत्रफल 416.6 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। दिनांक 19.01.2007 को श्री विनोद कुमार मित्तल पुत्र स्व0 श्री सूरज भान मित्तल द्वारा भूखण्ड संख्या ई-8, शास्त्री नगर, नाहरी का नाका (बनीपार्क विस्तार, मेजर शैतान सिंह योजना) क्षेत्रफल 416.66 वर्गगज में से 93.37 वर्गमीटर अपनी माता श्रीमती पार्वती देवी पत्नी स्व0 श्री सूरज भान मित्तल के पक्ष में पंजीकृत बख्शीशनामा का निष्पादन किया गया। दिनांक 19.01.2007 को श्री विनोद कुमार मित्तल पुत्र स्व0 श्री सूरज भान मित्तल द्वारा भूखण्ड संख्या ई-8, शास्त्री नगर, नाहरी का नाका (बनीपार्क विस्तार, मेजर शैतान सिंह योजना), जयपुर क्षेत्रफल 416.6 वर्गगज में से उत्तरी पश्चिमी भाग जिसका कुल क्षेत्रफल 127.50 वर्गमीटर अपने भाई श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल पुत्र स्व0 श्री सूरज भान मित्तल के पक्ष में बख्शीशनामा का निष्पादन किया गया। दिनांक 02.04.2018 को श्री विनोद कुमार मित्तल की मृत्यु हो गई। दिनांक 29.03.2010 को श्रीमती पार्वती देवी पत्नी स्व0 श्री सूरज भान मित्तल द्वारा भूखण्ड संख्या ई-8 में से अपने स्वामित्व की सम्पूर्ण सम्पति कुल क्षेत्रफल 93.37 वर्गमीटर के उत्तरी पूर्वी भाग (50 फिट X 14 फिट) में से उत्तरी पूर्वी का (27.5 फिट X 14 फिट) भाग व उत्तरी ओर का भाग (61 फिट X 5 फिट) कुल क्षेत्रफल 64.11 वर्गमीटर की वसीयत अपने पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल पुत्र स्व0 श्री सूरज भान मित्तल के पक्ष में निष्पादन किया गया। दिनांक 23.02.2020 को श्रीमती पार्वती देवी की मृत्यु हो गई। दिनांक 02.03.2023 को नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा भूखण्ड संख्या ई-8, बनीपार्क विस्तार योजना, जयपुर कुल क्षेत्रफल 416.66 वर्गगज में से भूखण्ड संख्या ई-8-ए क्षेत्रफल 229.16 वर्गगज श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल पुत्र स्व0 श्री सूरजभान मित्तल के नाम से उपविभाजन पत्र जारी किया गया। दिनांक 07.11.2023 को श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल पुत्र स्व0 श्री सूरज भान मित्तल द्वारा भूखण्ड संख्या ई-8-ए, शास्त्री नगर, नाहरी का नाका (बनीपार्क विस्तार, मेजर शैतान सिंह स्कीम), जयपुर क्षेत्रफल 229.16 वर्गगज अर्थात 191.61 वर्गमीटर अपने पुत्र श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल के पक्ष में पंजीकृत उपहार पत्र का निष्पादन किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड बख्शीशनामा, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, उपविभाजन स्वीकृति पत्र, रजिस्टर्ड उपहार पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम, जयपुर द्वारा श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल के पक्ष में क्षेत्रफल 229.16 वर्गगज का नाम हस्तांतरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तांतरण जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तांतरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय), नगर निगम, जयपुर

संक्षिप्त

पुलिस अधीक्षक ने बनेठा थाने का निरीक्षण किया

टोंक, (निस.)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा ने बनेठा थाना परिसर का रविवार को आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। पुलिस अधीक्षक मीणा ने थाना परिसर, मैस, रिकॉर्ड रूम, महिला एवं बाल डेस्क, शस्त्रागार और मालखाने का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न अभिलेखों, लंबित पत्रावलियों और रिकॉर्ड की जांच की तथा उनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने थानाधिकारी भागीरथ सिंह से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। एसपी ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। पुलिस अधीक्षक ने अवैध बजरी खनन और परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

963 वाहनो का चालान

अलवर, (निस.)। अलवर जिला पुलिस ने दो दिनों की विशेष कार्रवाई के दौरान जातिसूचक शब्द लिखी नेमप्लेटों, काली फिल्म और प्रेशर हॉर्न के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हुए सैकड़ों वाहनों के चालान काटे हैं। अलवर जिला पुलिस ने सडक़ों पर टशन दिखाने वाले और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ एक अभियान चलाया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देश पर शहर और ग्रामीण इलाकों की सडक़ों को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने एक विशेष दो दिवसीय चेकिंग अभियान चलाया।इस कार्रवाई की कमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) डॉ. दीपक कुमार और यातायात सीओ जितेंद्र सिंह संभाल रहे थे। अभियान को पूरी ताकत से लागू करने के लिए पुलिस ने दो अलग-अलग स्पेशल टीमों का गठन किया था।पहली टीम का नेतृत्व यातायात शाखा के प्रभारी उपनिरीक्षक संजय शर्मा कर रहे थे, जबकि दूसरी टीम प्रभारी राजेश कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण इलाकों में तैनात थी। इन दोनों टीमों ने मिलकर उन वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जो अपनी गाडिय़ों पर अनाधिकृत शब्द, पदनाम, वीआईपी चिन्ह या जातिसूचक शब्द लिखकर धौंस जमाते हैं।

राजीव का सहायक आचार्य पद पर चयन

निवाई, (निस.)। शहर के हनुमान नगर निवासी डॉ. राजीव चौधरी पुत्र जगदीश नारायण जाट राहोली का आरपीएससी द्वारा आयोजित सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा-202 में सहायक आचार्य के पद पर चयन हुआ है। डॉ. राजीव ने अपनी कुशाग्र बुद्धि एवं कठोर परिश्रम से वाणि'य संकाय के आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन विषय में समूचे राजस्थान में 1 वी रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से अर्जित कर नीट जेआरएफ के साथ पीएचडी भी की है। डॉ. राजीव इससे पूर्व मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर में सीनियर रिसर्च फेलो भी रहे हैं।

संकीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

निवाई, (निस.)। भगवान चारभुजानाथ मंदिर के सत्संग भवन में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष में स्वामी कृष्णानंद महाराज की पूजा अर्चना करके 1 आसन पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धलुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सत्संग भवन अध्यक्ष बद्रीनारायण पारीक ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष में 1 आसन पर अखंड रामायण पाठ, 51 आसन गीता पाठ एवं दोपहर में हरी नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया।

गोवंशों की लड़ाई से बाजार में लगा जाम

बौंली -बामनवास, (निस.)। नगर पालिका बौंली के मुख्य सदर बाजार में रविवार को करीब 11 बजे दो गोवंशों (नंदी) की लड़ाई से सदर बाजार में दोनों तरफ करीब 30मिनट तक जाम की स्थिति हो गई। व्यापारियों व आमजनों ने दूर रहकर दुकानों पर चढ़कर अपना बचाव किया एवं पानी डाल कर दोनों के क्रोध को शांत करने का प्रयास किया।

टोंक में साइकिलिंग कैंपेन में 150 पुलिसकर्मियों ने रैली निकाली

टोंक, (निस.)। संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के नेतृत्व में जिले के पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मियों ने जिला मुख्यालय पर साईकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में योग, प्राणायाम के बाद करीब दो किलोमीटर साइकिल चलाकर ''फिट है तो हिट है'' का संदेश दिया।

एसपी ने हाल ही में एक पखवाड़े के भीतर दूसरी बार इस अभियान का आयोजन करवाकर पुलिसकर्मियों और आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में योग एवं प्राणायाम सत्र के साथ प्रशिक्षकों ने विभिन्न योगासन करवाए, इस दौरान करीब 300 से अधिक लोगों ने सामूहिक रूप से योगासन किया। वही योग सत्र के बाद संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं भी उसमें शामिल हुए। यह साइकिल रैली पुलिस लाइन से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई घंटाघर तक पहुंची। इस रैली में 150 से अधिक पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। सफेद टी-शर्ट और कैप पहनकर साइकिल चलाते पुलिसकर्मियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा, कोतवाल भंवरलाल वैष्णव, पुरानी टोंक थाना प्रभारी नेमीचंद गोयल, टोंक सदर थाना प्रभारी जयमल सिंह सहित जिले के विभिन्न थानों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक रोशन मीना ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

- **तनाव भरी जिंदगी में साइकिलिंग व योग जरूरी : पुलिस अधीक्षक**

इस अवसर पर एसपी रोशन मीना ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है, योग और प्राणायाम व्यक्ति को तनावमुक्त रखने के साथ शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण होता है, ऐसे में नियमित व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से फिटनेस को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आव्हान किया।

बिजली लाइन ठीक कर रहे युवक के हाथ कटे

टोंक, (निस.)। देवली में विद्युत निगम की कथित लापरवाही का एक मामला सामने आया है। जिसमें एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया, घटना में युवक के दोनों हाथ कट गए हैं और एक पैर कटने की कगार पर है। डॉ. अम्बेडकर विचार मंच देवली ने इस मामले में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम देवली को ज्ञापन सौंपकर मुआवजे और लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही की मांग की है। घटना 2 जून को रघुनाथपुरा में हुई, जिसमें जेवीवीएनएल देवली के लाइनमैन जय शेखर ने धनराज बैरवा को विद्युत लाइन ठीक करने के लिए पोल पर चढ़ाया था। लाइनमैन ने धनराज को लाइन काटने का आश्वासन दिया था, लेकिन कार्य के दौरान अचानक विद्युत आपूर्ति चालू कर दी गई। करंट की चपेट में आने से धनराज बुरी तरह झुलस गया और पोल से नीचे गिर गया। आरोप है कि घटना के बाद दोषी लाइनमैन मौके से फरार हो गया।

'संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत रैली निकालकर फिटनेस का संदेश दिया

पावटा, (निस.)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत रविवार को विराटनगर पुलिस परिसर में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में थाना अधिकारी बाबूलाल मीणा सहित पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पुलिसकर्मियों ने साइकिल चलाकर स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने नियमित व्यायाम, सक्रिय जीवनशैली तथा प्रदूषण मुक्त वातावरण के महत्व को भी समझाया।

थाना अधिकारी बाबू लाल मीणा ने कहा कि 'संडे ऑन साइकिल' पहल का मुख्य उद्देश्य लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में फिटनेस को शामिल करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने आमजन से मोबाइल और वाहन निर्भरता को कम कर नियमित साइकिल चलाने, व्यायाम करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आव्हान किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होते हैं।

कार्यक्रम का समापन फिट भारत, स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों ने स्वयं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने तथा समाज में फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने पुलिस और आमजन के बीच स्वास्थ्य जागरूकता का सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।

विराटनगर पुलिस परिसर में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया।

- **कार्यक्रम का संचालन जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में किया**

भरतपुर में राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ का अधिवेशन

भरतपुर, (निस.)। राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन हुआ आयोजित। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी रहे मुख्य अधिवेशन के मुख्य अतिथि। कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक डॉ शैलेश सिंह सहित महासंघ के अधिकारी और सैकड़ों कर्मचारी रहे मौजूद।

एंकर भरतपुर में बीडीए ऑडिटोरियम में राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ का त्रैवार्षिक प्रदेश स्तरीय अधिवेशन का आयोजन पूर्व केबिनेट मंत्री एवं राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह, आरएसएस के प्रांत संघचालक महेंद्र सिंह मग्गो, कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सहित कई जिलों के पदाधिकारी और सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष हरवीर चौधरी के नेतृत्व में सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने वर्चुअल रूप से उपस्थित होकर कर्मचारियों को संबोधित किया।

उन्होंनेकहा कि प्रदेश सरकार कर्मचरियों की समस्याओं के समाधान के प्रति कार्य कर रही है। कर्मचारियों के प्रतिनिधमंडल ने अपना 23 सूत्रीय मांग पत्र मुख्य अतिथि राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को सौंपा। जिस पर उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा सभी मांगो पर विचार कर समाधान के प्रयास किये जाएंगे। अधिवेशन के दौरान कर्मचारियों की समस्याओं, वेतन विसंगतियों और सरकारी नीतियों पर चर्चा की गई। प्रदेश के कर्मचारियों की समस्या को मुख्य मंच पर उठाने और उनके निस्तारण कराने के लिए हर तीन माह ने त्रैवार्षिक अधिवेशन आयोजित होता है।

कर्मचारियों के प्रतिनिधमंडल ने अपना 23 सूत्रीय मांग पत्र मुख्य अतिथि राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को सौंपा।

- **कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक डॉ शैलेश सिंह सहित महासंघ के अधिकारी और सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे**

खेलना में आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव आज से

पावटा, (निस.)। तहसील पावटा के ग्राम खेलना में 8 जून से 15 जून 2026 तक श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का संगीतमय एवं भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं पुरानी स्कूल के सामने स्थित बाउंड्रीवाल परिसर में आयोजित होगा। कथा प्रतिदिन प्रातः 11:15 बजे से सायं 3:15 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें क्षेत्रभर के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे। आयोजन समिति के अनुसार पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर टीला जी महाराज के आशीर्वाद एवं समस्त ग्राम खेलना तथा आसपास के क्षेत्रवासियों के जनसहयोग से यह विशाल धार्मिक आयोजन संपन्न होगा। कथा वाचन का शुभ अवसर वृन्दावन धाम के प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता आचार्य रामवतार दास महाराज के श्रीमुख से प्राप्त होगा। कार्यक्रम के तहत 8 जून को प्रातः 8 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो कथा स्थल से प्रारंभ होकर पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए पुनः कथा स्थल पहुंचेगी।

सभी मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कलश यात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है। कलश एवं नारियल कथा स्थल पर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

- **श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ को लेकर निकलेगी भव्य कलश यात्रा, वृन्दावन धाम के प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता आचार्य रामवतार दास महाराज के श्रीमुख से होगा कथा का वाचन**

कथा के दौरान विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का रसपान कराया जाएगा, जिसमें 9 जून को परीक्षित-शुक संवाद, 10 जून को वामन (बावन) अवतार, 11 जून को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 12 जून को गोवर्धन पूजा, 13 जून को श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, 14 जून को श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र एवं शुकदेव विदाई तथा 15 जून को हवन यज्ञ एवं प्रसादी वितरण का आयोजन होगा। आयोजन समिति ने बताया कि नृसिंह नारायण भगवान, शंकर भगवान, राधाकृष्ण भगवान, जमुका माता, सती माता, दुर्गा माता एवं रामदेव बाबा की कृपा से आयोजित इस धर्ममय आयोजन में श्रद्धालुओं को भक्ति, ज्ञान और संस्कारों का अमृत प्राप्त होगा।

निवाई में 9 दिवासीय शिव महापुराण कथा को लेकर कलश यात्रा निकाली

निवाई, (निस.)। शिवाजी कॉलोनी में स्थित टीलेश्वर महादेव मन्दिर में आयोजित नो दिवासीय शिव महापुराण कथा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। व्यवस्थापक चन्द्रशेखर जायसवाल ने बताया कि कथा को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा राधा दामोदर मन्दिर कुण्डों से विधि-विधान से पूजा-अर्चना करके रवाना हुई, जिसमें 151 महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में बैण्डबाजे की धुनों के साथ आगे बढ़ रही थीं।

- **151 महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में बैण्डबाजे की धुनों के साथ आगे बढ़ी।**

कलश यात्रा राधा दामोदर मन्दिर कुण्डों से विधि-विधान से पूजा-अर्चना करके रवाना हुई।

इस दौरान वातावरण में गूंज रहे भजनों की मधुर तानों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में सराबोर होकर जमकर ठुमके लगाए। नगर भ्रमण के दौरान कलश यात्रा का भव्य स्वागत हुआ, जहां शहर के मुख्य मार्गो से गुजरते समय जगह-जगह पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके कलश यात्रा का अभिनंदन किया गया। कलश यात्रा में भोलेनाथ की सजीव झांकी एवं जमात अखाडे के हेरतअंगेज कारनामे प्रमुख आकर्षक का केन्द्र बने हुए थे। कलश यात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए उत्साह के साथ राधा दामोदर गौशाला, जमात एवं शिवाजी कॉलोनी होते हुए अपने गंतव्य स्थान टीलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोचारण के साथ कलशों की स्थापना की गई।

इस दौरान मंदिर में कई धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया, जिसकी दिव्य तरंगों व मंत्रोंचारण की गूंज से आस-पास का वातावरण पूरी तरह से शिवमय एवं गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर रामेश्वर जायसवाल, कमला जायसवाल, प्रेम देवी, राजकुमार कुर्मी, भागीरथ पारिक, गिरिराज चौधरी, मुकेश, अशोक व आशिष सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

जोबनेर-बुटाटी मार्ग का ओवरब्रिज जर्जर

फुलेरा, (निस.)। फुलेरा से जोबनेर-बुटाटी जाने वाले मार्ग पर डेल्डा की ढाणी स्थित ओवरब्रिज जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। पुल पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन जाने और आरसीसी के लोहे के सरिये बाहर निकल आने से राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग पर रखरखाव में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शीघ्र मरम्मत की मांग की है।

जानकारी के अनुसार ओवरब्रिज की सड़क कई स्थानों से उखड़ चुकी है। क्षतिग्रस्त हिस्सों में बने गड्ढों से लोहे के सरिये बाहर निकल आए हैं, जिससे विशेष रूप से दुपहिया वाहन चालकों को गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भारी वाहन, कारें, मोटरसाइकिलें एवं अन्य वाहन गुजरते हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2014 में राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन (आरएसआरडीसी) द्वारा करीब 21 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से इस ओवरब्रिज का निर्माण कराया गया था।

सार-समाचार

राज्यसभा उम्मीदवार घोषित होने पर विधायक ने पूनिया को बधाई दी

पावटा, (निस.)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा द्वारा राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किए जाने पर विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने जयपुर पहुंचकर कार्यकर्ता साथियों के साथ उनसे शिष्टाचार भेंट की तथा बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया का संगठनात्मक अनुभव, जनसेवा के प्रति समर्पण एवं नेतृत्व क्षमता उन्हें राज्यसभा में राजस्थान की मजबूत आवाज बनाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन और अनुभव का लाभ प्रदेश एवं देश को मिलेगा। विधायक धनखड़ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर डॉ. पूनिया का अभिनंदन किया और उनके सफल संसदीय कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भाजपा के कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं में डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी नेतृत्व द्वारा अनुभवी एवं समर्पित कार्यकर्ता को दी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताया।

अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के प्रदेश महामंत्री गोपाल अग्रवाल बने

पावटा, (निस.)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने समाजसेवा और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पावटा निवासी गोपाल अग्रवाल को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए पूर्वी राजस्थान का प्रदेश महामंत्री मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति का पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल द्वारा जारी किया गया। जारी नियुक्ति पत्र में बताया गया कि गोपाल अग्रवाल की समाज के प्रति समर्पित भावना, अग्रवाल सम्मेलन के साथ सक्रिय जुड़ाव, पूर्वी राजस्थान में मजबूत संगठनात्मक पकड़ तथा व्यापक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। सम्मेलन ने उनसे अपेक्षा जताई है कि वे प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग के नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे। साथ ही प्रदेश कार्यसमिति का गठन, जिलों के पुनर्गठन, सदस्यता अभियान को गति देने तथा युवा एवं महिला शक्ति को संगठन से जोड़ने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति के बाद अग्रवाल समाज एवं क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। समाज के विभिन्न पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों ने गोपाल अग्रवाल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। गोपाल अग्रवाल ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा पूर्वी राजस्थान में अग्रवाल समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

पक्षियों के लिए परिंडे लगाए

मनोहरपुर, (निस.)। शाहपुरा साईवाड़ मोड़ त्रिवेणी घाम स्थित बलाई समाज छात्रावास में राजस्थान बलाई विकास संस्थान के संरक्षक गणपत वर्मा व अध्यक्ष डॉक्टर बी.डी. नेनावत के नेतृत्व में गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए पेयजल के लिए परिडे लगाए इन परिंडो में रोजाना पानी डालने की जिम्मेदारी छात्रावास में रहने वाले छात्रों को दी गई है सभी छात्रों को रोजाना रोज सुबह परिंडो में पानी डालने में बेजुबान परिंदों का जीवन बचाने की शपथ ली। इस मौके पर छात्रावास के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम बुनकर कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद वर्मा तथा छात्र सुरेश कुमार वर्मा कविराज वर्मा हनुमान प्रसाद राहुल वर्मा दीपेंद्र रतनलालआदि छात्र उपस्थित थे।

सात दिवसीय शिविर का समापन

लालसोट। श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ द्वारा भगवान परशुराम मंदिर में आयोजित सप्त दिवसीय संस्कार शिविर का रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ भव्य समापन हुआ। शिविर में बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को सनातन संस्कृति, नैतिक मूल्यों, भारतीय परंपराओं, धार्मिक ज्ञान और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि महंत रामदास महाराज (अयोध्या धाम) ने कहा कि भारतीय संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण के लिए ऐसे आयोजन समय की आवश्यकता हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही पिंकी चतुर्वेदी ने शिविरार्थियों से शिविर में प्राप्त ज्ञान और संस्कारों को जीवन में उतारने का आव्हान किया।परशुराम सेना के प्रदेश प्रभारी पवन शर्मा बिचपुरी ने शिविर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्कार शिविर नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।समारोह में अतिथियों का दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। शिविर के सफल संचालन में सहयोग देने वाले भामाशाहों भानुप्रकाश चतुर्वेदी (सोनू शर्मा) एवं पुरुषोत्तम जोशी को सम्मानित किया गया। वहीं सात दिवसीय शिविर में भाग लेने वाले 35 शिविरार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उत्साहवर्धन किया गया।

चातुर्मास के लिए आचार्य सुन्दर सागर महाराज को चढ़ाया श्रीफल

निवाई, (निस.)। सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा निवाई में आगामी चातुर्मास 2026 के लिए आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ को जयधोष के साथ श्रीफल चढ़ाकर निवाई में चातुर्मास के लिए निवेदन किया। इस दौरान विमल पाटनी एवं अजीत काला के सानिध्य में पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि जैन समाज के श्रद्धालुओं ने चित्रकूट कालोनी जैन मंदिर एवं बड़ के बालाजी स्थित आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि हितेन्द्र सागर महाराज संघ सहित करीब 70 पि'छिकाओ के दर्शन करके पुण्य लाभ लिया एवं पूजा अर्चना की। इस अवसर पर महावीरप्रसाद पराणा, विष्णु बोहरा, सुशील आरामशीन, सुनील भाणजा, सन्मति चंवरिया, सुशील कटारिया, महेंद्र चंवरिया, गोपाल कठमाणा, महेश मोठूका, हितेश छाबड़ा, शंभु कठमाणा, मनोज पाटनी, रोनक बोहरा, विमल सोगानी, नवरत्न टोंग्या, दीपक कठमाणा, राकेश संघी, कमलेश झिलाय, अजीत काला व पदमचंद बनेठा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ओपनिंग बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को एक-एक मैच में आराम दें, ताकि सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सके।
- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग में मौका देने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ संजय मांजरेकर

संजय मांजरेकर का मानना है कि भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के पास लंबे समय के लिए टी-20 टीम की कप्तानी संभालने के अधिक मजबूत क्रिकेटीय बेस थे। हालांकि, उनके अनुसार टीम संयोजन की परिस्थितियों ने गिल के रास्ते में बाधा खड़ी कर दी और यही वजह रही कि चयनकर्ताओं ने श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। मांजरेकर ने कहा कि जब किसी खिलाड़ी को कप्तान या उपकप्तान बनाया जाता है तो यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि उसकी टीम में जगह पूरी तरह तय हो।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में 275 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर मौजूद है।

तमीम इकबाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली, 7 जून। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का नया अध्यक्ष चुना गया है। रविवार को ढाका में हुए चुनाव में वे निर्विरोध निर्वाचित हुए और अब चार साल तक इस पद पर रहेंगे। 37 साल के तमीम अप्रैल से अंतरिम अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे, जब बांग्लादेश सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक मंडल को भंग कर दिया था। वे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के 21वें अध्यक्ष बने हैं। तमीम ने पिछले साल जनवरी में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी मैच सितंबर 2023 में खेला। उन्होंने फरवरी 2007 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया।

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड को 115 रन से हराया

नई दिल्ली, 7 जून। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 115 रन से हरा दिया। इसी की साथ टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 17 जून से द ओवल में खेला जाएगा। रविवार को न्यूजीलैंड 138 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड ने 254 रन का टारगेट दिया था। मुकाबले के चौथे दिन गस एटकिंसन ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 2 विकेट लिए थे। ओली रॉबिन्सन को मैच में 7 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एटकिंसन को 5 विकेट

मैच के आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके और न्यूजीलैंड की पारी समेट दी। रॉबिन्सन ने 2, जोश टंग ने 2 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1 विकेट लिया। मुकाबला सिर्फ 167 ओवर में खत्म हो गया। 254 रन का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। कप्तान टॉम लैथम खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि केन विलियमसन 18 रन ही बना सके। रॉबिन्सन और जोश टंग ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। डेवोन कॉन्वे ने 91 गेंदों में 41 रन और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 44 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई साथ नहीं मिला।

अंडर-19 प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों का लिया गया योयो फिटनेस टेस्ट

दौसा, 7 जून। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 प्रतियोगिता के लिए अभ्यास सत्र चालू है उसके अंतर्गत सभी खिलाड़ियों की आपस में टीम बनाकर अभ्यास मैच करवाए जा रहे हैं अभ्यास मैच के बाद खिलाड़ियों में वनडे फॉर्मेट के हिसाब से यो यो फिटनेस कैंप लगाया गया है यह कैम्प तीन दिन तक चलेगा टेस्ट पास नहीं करने वाले खिलाड़ियों को डिस्कवालीफाई कर दिया जाएगा। इस बार खिलाड़ियों को अपनी परफॉरमेंस सुधारने और टीम में आने के लिए कठोर टेस्ट देना पड़ रहा है जिससे दौसा की टीम की परफॉरमेंस सुधर सके।

शास्त्री स्पोर्ट्स क्लब द्वारा स्विमिंग चैम्पियनशिप का भव्य आयोजन

जयपुर, 7 जून। शास्त्री स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आज जयपुर के ब्रह्मपुरी स्थित राजस्थान शिक्षा महाविद्यालय (सम्राट जी का बाग) के तरणताल में एक भव्य ''स्विमिंग चैंपियनशिप'' का सफल आयोजन किया गया। इस खेल आयोजन में जयपुर जिला तैराकी संघ के उपाध्यक्ष श्री विनयपाल सिंह जादौन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँः

प्रतिभागिताः इस चैंपियनशिप में लगभग 60 बालक-बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रोमांचक स्पर्धाएँः प्रतियोगिता के दौरान फ्री-स्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई जैसी विभिन्न तैराकी श्रेणियों में प्रतिभागियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट में दूसरे दिन का खेल समाप्त, पहली पारी में अफगानिस्तान ने 113 रन पर खोए 5 विकेट

न्यू चंडीगढ़, 7 जून। भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। रहमत शाह 81 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर अफगानिस्तान टीम अभी भी 451 रन पीछे है। भारतीय टीम के लिए स्पिनर मानव सुथार ने पदार्पण मुकाबले में तीन विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दो सफलता मिली। अफगानिस्तान की पहली पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज अब्दुल मलिक सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सेदिकुल्लाह अटल 17 रन और रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनकर पवेलियन लौटे। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कुछ देर मैदान पर टिककर समय बिताया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 48 गेंदों में 20 रन की पारी खेलकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले अफगानिस्तान को पांचवां झटका लगा। अफसर जजई 3 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित कर दी। पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (126) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने शानदार शतक जड़े। साई सुदर्शन (81), ऋषभ पंत (81) और वाशिंगटन सुंदर (52) ने अर्धशतकीय पारियां खेली। भारतीय टीम ने दूसरे दिन पहली पारी में तीन विकेट पर 368 रन से आगे खेलना शुरु किया। कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने पारी को आगे बढ़ाया और पहली पारी में टीम के स्कोर को 400 रन के पार ले गए। हालांकि कुछ देर बाद कप्तान गिल 177 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 126 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय टीम का ध्रुव जुरेल के रूप में पांचवां विकेट गिरा। जुरेल 20 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुए। सुबह के सत्र में भारतीय टीम को ऋषभ पंत के रूप में एक और झटका लगा। पंत शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और शतक के करीब थे, लेकिन बड़ा शॉट मारने के दौरान कैच आउट हो गए। पंत ने 121 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। दूसरे दिन लंच ब्रेक तक भारतीय टीम पहली पारी में छह विकेट खोकर 475 रन बनाए। इसके बाद दूसरे सत्र में टीम ने 500 रनों का आंकड़ा भी पार कर लिया। भारत का सातवां विकेट 510 के कुल स्कोर पर गिरा। मानव सुथार अपने पदार्पण मैच की पहली पारी में 41 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद सिराज 12 गेंदों पर 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद भारतीय टीम ने 564 रन पर पारी घोषित कर दी। वाशिंगटन सुंदर 68 गेंदों पर 52 रन और कुलदीप यादव 26 गेंदों पर 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। पहले दिन सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने 165 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 100 रन, साई सुदर्शन 104 गेंदों पर 81 रन और यशस्वी जायसवाल ने 32 गेंदों में 24 रन बनाए थे। अफगानिस्तान के लिए तेज गेंदबाद मोहम्मद सलीम सैफी सबसे सफल रहे और छह विकेट अपने नाम किए, जबकि जियाउर रहमान शरीफी और हशमातुल्लाह शाहिदी को एक-एक विकेट मिला।

पहले मैच में चमके मानव सुथार, बोले- मेरी कोशिश सही जगह पर गेंदबाजी करने की थी

न्यू चंडीगढ़, 7 जून। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच की पहली पारी में दूसरे दिन 3 विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर मानव सुथार ने कहा कि उनकी कोशिश सही जगह पर गेंदबाजी करने और लगातार सही लेंथ पर गेंद डालने की थी।

भारतीय टीम के लिए टेस्ट में पदार्पण करने वाले 23 वर्षीय मानव सुथार ने पहले ही ओवर में विकेट हासिल किया। युवा खिलाड़ी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के पहले ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज अब्दुल मलिक (16) को पवेलियन भेजा। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज (12) और अफसर जजई (3) का विकेट हासिल किया। सुथार ने दूसरे दिन 15.5 ओवर के स्पेल में सात ओवर मेडन फेंके और 21 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

दिन का खेल समाप्त होने के बाद मानव सुथार ने कहा कि स्पेल के दौरान मेरा ध्यान सही जगह पर गेंदबाजी करने और अपनी ताकत का इस्तेमाल करने पर था। विकेट से मदद मिल रही थी इसलिए मेरी कोशिश सही जगहों पर गेंदबाजी करने और लगातार सही लेंथ पर गेंद डालने की थी। युवा स्पिनर ने कहा कि मेरा फोकस गेंद को ज्यादा से ज्यादा टर्न कराना था क्योंकि पिच से मदद मिल रही थी। साथ ही अच्छी जगहों पर गेंदबाजी करना और लगातार सही लेंथ पर गेंद डालना चाहता था क्योंकि वहीं से मदद मिल रही थी। मेरा पूरा ध्यान इसी पर था।

पदार्पण को लेकर सुथार ने कहा कि मुझे सुबह ही पता चला, जब हम ग्राउंड पर पहुंचे। भारत के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है। मुझे अपनी कैप मिलने पर बहुत खुशी है। कप्तान शुभमन गिल को लेकर युवा खिलाड़ी ने कहा कि हम साथ खेले हैं (इंडियन प्रीमियर लीग में) इसलिए वह मेरी ताकत और मेरी गेंदबाजी को अच्छी तरह समझते हैं। वह मुझे मैच की स्थितियों और मुझे किस लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए, इस बारे में मार्गदर्शन करते हैं। मैच की बात करें को दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं।

भारतीय महिला फुटबाल टीम ने रचा इतिहास, छठी बार खिताब अपने नाम किया

नई दिल्ली, 7 जून। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने कमाल कर दिया है। गोवा के मडगांव में खेले गए सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के रोमांचक फाइनल मैच में भारत ने मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश को 3-1 से हरा दिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने रिकॉर्ड छठी बार यह खिताब अपने नाम किया है। ब्लू टाइठोस के नाम से मशहूर हमारी महिला टीम पूरे 7 साल बाद इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को वापस देश लेकर आई है।

पहले हाफ में रहा कांटे का मुकाबला

फाइनल मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। मैच के पहले हाफ में भारत की प्यारी जाक्सा ने एक बेहतरीन गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम की यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी और बांग्लादेश की रितु पोर्ना चकमा ने एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हाफ-टाइम तक दोनों टीमें बराबरी पर थीं और मुकाबला बेहद रोमांचक मोड़ पर था।

दूसरे हाफ में भारत ने की मैच पर पकड़

हाफ-टाइम के बाद जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तो भारतीय टीम पूरी तरह हावी नजर आई। दूसरे हाफ में भारत की संफिदा ने एक शानदार गोल करके टीम को एक बार फिर आगे कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद लिंडा कॉम ने भारत की तरफ से तीसरा गोल दागकर बांग्लादेश की वापसी के सारे रास्ते बंद कर दिए और भारत की जीत पक्की कर दी। इस तीसरे गोल के बाद बांग्लादेशी टीम दबाव में आ गई और मैच खत्म होने तक वापसी नहीं कर सकी।

जापान में एशियाई खेलों के लिए छह सदस्यीय भारतीय टीम भेजेगा आईजीयू

नई दिल्ली, 7 जून। जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) छह सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भेजेगा। पुरुष और महिला वर्ग की गोल्फ स्पर्धाएं 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कसुगाई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में आयोजित की जाएंगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 451वें स्थान पर मौजूद युवराज संधू भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें वीर अहलावत (विश्व रैंकिंग 558) और सप्तक तलवार (विश्व रैंकिंग 576) भी शामिल हैं।

विश्व नंबर 135 अदिति अशोक भारतीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टीम में दीक्षा डागर (विश्व रैंकिंग 221) और प्रणवी उर्स (विश्व रैंकिंग 270) भी शामिल हैं। अदिति अशोक ने 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। खिलाड़ियों का चयन एशियाई खेलों के लिए आईजीयू की चयन नीति के अनुसार किया गया। भारतीय गोल्फ संघ के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने जापान में भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर विश्वास व्यक्त किया।

फीफा विश्व कप 2026 : आखिरी लम्हों में खत्म हुआ सस्पेंस, ईरानी टीम को मिला अमेरिका का वीजा

नई दिल्ली, 7 जून। फुटबॉल विश्व कप 2026 शुरू होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, लेकिन टूर्नामेंट से पहले ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। लंबे इंतजार और अनिश्चितता के बाद आखिरकार ईरानी खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा जारी कर दिया गया है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण संबंधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार चर्चा हो रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार ईरान की टीम का पहला मुकाबला 17 जून को अमेरिका के लॉस एंजिलिस में खेला जाना है। हालांकि मैच से महज दस दिन पहले तक खिलाड़ियों को वीजा नहीं मिला था, जिससे टीम की तैयारियों को लेकर सवाल उठने लगे थे। ईरान के मेक्सिको स्थित राजदूत अबोलफज़ल पसंदीदेह ने गुरुवार देर रात बताया था कि खिलाड़ियों को अब तक वीजा जारी नहीं किया गया है। इसके बाद रातोंरात स्थिति बदली और खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति मिल गई।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि ईरानी खिलाड़ियों को वीजा प्रदान कर दिया गया है। वहीं तुर्किये में अमेरिका के राजदूत टॉम बैरक ने भी इस संबंध में सार्वजनिक रूप से जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि अंकारा स्थित अमेरिकी दूतावास की टीम ने ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालांकि खिलाड़ियों को वीजा मिलने के बावजूद कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। गौरतलब है कि ईरान की टीम के तकनीकी और प्रशासनिक दल के कुछ सदस्यों को अब तक वीजा नहीं मिला है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि टीम के कुछ अधिकारियों के आवेदन अभी लंबित हैं और अमेरिकी दूतावास ने उन्हें अब तक अनुमति नहीं दी है। हालांकि इस संबंध में ईरानी फुटबॉल महासंघ की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि इस बार का फुटबॉल विश्व कप खेल के साथ-साथ राजनीतिक चर्चाओं का भी केंद्र बन गया है। ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष तथा क्षेत्रीय तनाव ने प्रतियोगिता को अतिरिक्त संवेदनशील बना दिया है।

ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में अन्वी राठौड़ बनी अंडर-15 इंडिया चैम्पियन

जयपुर, 7 जून। राजस्थान की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी अन्वी राठौड़ ने हैदराबाद में आयोजित प्रतिष्ठित ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में गर्ल्स सिंगल्स अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतकर अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा के अनुसार टूर्नामेंट की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्वी राठौड़ ने फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त तेलंगाना की हमशिनी चदाराम को रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-13 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पहले गेम में हार झेलने के बाद अन्वी ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीत लिए। उल्लेखनीय है कि पूरे टूर्नामेंट में यह उनका एकमात्र गंवाया हुआ गेम था। पूरी प्रतियोगिता के दौरान अन्वी ने देश की सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी आक्रामक खेल शैली, रणनीतिक समझ और दबाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें लगातार सफलता दिलाई और वे पूरे टूर्नामेंट में एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभरकर सामने आईं।

नागौर क्रिकेट संघ को निष्कासित करना गलत : नांदू

जयपुर, 7 जून। राजेन्द्र सिंह नांदू ने दावा किया कि नागौर जिला क्रिकेट संघ को जिस आधार पर निष्कासित किया गया है, वह पूरी तरह गलत है। साल 2025 तक के सभी दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच आरसीए की निगरानी में पहले ही हो चुकी थी। उसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 मई को नियमों के विपरीत जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित कर अल्पमत के बावजूद मेरे खिलाफ कार्रवाई की गई। एडहॉक कमेटी में नए सदस्य जुड़ने के बाद निष्कासन का निर्णय लिया गया, जो पूरी तरह अनुचित है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के नागौर जिला क्रिकेट एसोसिएशन को निष्कासित किए जाने के बाद विवाद गहरा गया है। नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नांदू ने आरसीए एडहॉक कमेटी पर आरोप लगाया कि कमेटी में अनुकंपा नियुक्ति वाले लोग बैठे हैं। एक सदस्य मंदबुद्धि बालक की तरह काम कर रहा है। नांदू ने दावा किया कि नागौर जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह नियमों के विपरीत और दुर्भावनापूर्ण है। इस फैसले के खिलाफ अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ूंगा। बीजेपी नेतृत्व के सामने भी पूरे मामले को उठाएंगे।

राजेंद्र सिंह नांदू ने कहा- आरसीए एडहॉक कमेटी का भेजा निष्कासन पत्र मुझे नहीं मिला है। लेकिन इससे डरने वाला नहीं हूं। मैं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हूं। भाजपा की विचारधारा के साथ खड़ा रहूंगा। नांदू ने आरोप लगाया कि एडहॉक कमेटी के मौजूदा सदस्य चुनाव जीतकर नहीं आए हैं। उन्हें नियुक्त किया गया है। इसी वजह से वे अपने पद की गरिमा बनाए रखने में विफल रहे हैं। राजेंद्र सिंह नांदू ने दावा किया कि धनंजय सिंह कांग्रेस नेताओं के प्रभाव में काम कर रहे हैं। पहले भी बीजेपी नेताओं के खिलाफ बयान देते रहे हैं। नागौर में ऐसे लोगों को क्रिकेट प्रशासन में जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। जिन्होंने भाजपा नेता ज्योति मिर्धा के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। धनंजय की हरकतों से ऐसा लगता है कि वह पूरी तरह से अयोग्य और मंदबुद्धि है।

राजेंद्र सिंह ने कहा आरसीए चुनावों को लेकर अदालत में याचिका दायर की थी, लेकिन मौजूदा एडहॉक कमेटी चुनाव कराने की इच्छुक नहीं है। चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बजाय मेरे खिलाफ निष्कासन की कार्रवाई की गई। एडहॉक कमेटी के सदस्य अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं, इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धनंजय सिंह को लेकर नांदू ने दावा किया कि वे एक साथ दो जिला क्रिकेट संघों के अध्यक्ष नहीं रह सकते। धनंजय सिंह का नागौर जिला क्रिकेट संघ से इस्तीफा विधिवत स्वीकार नहीं हुआ, इसके बावजूद वे जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। नांदू ने कहा कि यह मामला न्यायालय के समक्ष भी उठाया जा चुका है और इससे जुड़े तथ्य कोर्ट में पेश किए गए हैं।

राजेन्द्र के 8 गोल से एएसएल क्लब की धमाकेदार जीत

जयपुर, 7 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में रविवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ हुआ। इस लीग में प्रदेश की कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि उद्‌घाटन दिवस पर चार मुकाबले खेले गए। **पहला मुकाबला :** ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने जयपुर बॉयज को 1-0 से पराजित किया। ब्रदर्स यूनाइटेड के लिए मोहम्मद जिशान ने 45वें मिनट में निर्णायक गोल किया। **दूसरा मुकाबला :** एएसएलक्लब ने जयपुर एलीट को 11-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। एएसएलकी ओर से राजेंद्र ने 11, 12, 14, 27, 31, 55, 57 और 60वें मिनट में 8 गोल दागे। सर्व सिद्ध ने 16वें, अस्मित ने 45वें और मानव ने 58वें मिनट में गोल किए। **तीसरा मुकाबला :** रेड स्टोन फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल क्लब को 7-0 से हराया। रेड स्टोन के लिए कृष्ण ने 8, 20, 55, 57 और 60वें मिनट में 5 गोल, अनिरुद्ध ने 5वें और जितेंद्र ने 28वें मिनट में गोल किए। **चौथा मुकाबला :** रॉयल फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबॉल स्कूल को 6-0 से पराजित किया। रॉयल एफसी के लिए आसू ने 29, 37, 38 और 42वें मिनट में 4 गोल तथा नंदीश ने 9वें और 28वें मिनट में 2 गोल किए।

यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) एवं ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

जयपुर, 7 जून। देश के सबसे प्राचीन खेल संस्थानों में से एक यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) एवं ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रामनिवास बाग स्थित क्लब परिसर में एक निःशुल्क मल्टीस्पेशियलिटी चिकित्सा परामर्श, स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) के उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह साहिल, सचिव महिपाल स्वामी, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के प्रमोद जैन एवं मनीषा जैन, प्रतिष्ठा स्कूल संस्था की अर्पिता माथुर तथा कबड्डी प्रशिक्षक राज नारायण शर्मा द्वारा किया गया। क्लब समन्वयक अभिनव स्वामी ने बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब सदैव खिलाड़ियों एवं आमजन के स्वास्थ्य हित में इस प्रकार के निःशुल्क शिविरों का आयोजन करता रहा है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। उन्होंने बताया कि शिविर में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, फिजियोथेरेपी, जनरल फिजिशियन एवं ऑर्थोपेडिक परामर्श एवं जांच सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। साथ ही एसजी आई हॉस्पिटल की ओर से सभी आगंतुकों की निःशुल्क नेत्र जांच भी की गई। शिविर में खिलाड़ियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। उपस्थित लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

वर्ल्ड बाइसिकल डे के अवसर पर, संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम का विशेष संस्करण जयपुर में उत्साहपूर्वक मनाया गया

जयपुर, 7 जून। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में, भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षण केंद्र, जयपुर ने संडेज ऑन साइकिल नामक कार्यक्रम का आयोजन जयपुर में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली एवं टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम में नागरिकों, साइकिल चालकों, फिटनेस प्रेमियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, युवा मामले और खेल, कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, संसद सदस्य मंजू शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासएवं अपर मुख्य सचिव (खेल) प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे।

अतिथियों ने साइकिल चलाने की गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया, एवं नागरिकों को नियमित रूप से व्यायाम करने की सलाह दी। उन्होंने नियमित शारीरिक गतिविधियों, स्वस्थ जीवनशैली, व्यक्तिगत कल्याण एवं पर्यावरणीय स्थिरता हेतु साइकिल चलाने के महत्व पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में सीआईएसएफ, बीएसएफ, सीआरपीएफ, राजस्थान पुलिस अकादमी, इंडियन बैंक, नागरो, रहगिरी एवं कई अन्य संगठनों के कर्मचारियों एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाने, जुम्बा करने, फिटनेस संबंधी गतिविधियों में भाग लेने आदि विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। इससे वहाँ एक सकारात्मक एवं सामुदायिक वातावरण बना।

मुख्यमंत्री ने विधायक दल की बैठक में राज्यसभा चुनाव पर चर्चा की

प्रदेश अध्यक्ष व संगठन महामंत्री भी उपस्थित रहे, पूनिया व अल्वा सोमवार को नामांकन भरेंगे

जयपुर, 7 जून। राज्यसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा के नव नियुक्त संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अल्का गुर्जर सहित, प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

बैठक में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने विधायकों को चुनाव प्रक्रिया, नामांकन, मतदान व्यवस्था तथा चुनाव संबंधी विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

साथ ही, चुनाव के दौरान संगठनात्मक अनुशासन और समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। नेताओं ने सभी विधायकों से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन में पूरी सक्रियता और एकजुटता के साथ कार्य करने का आ ान किया।

बैठक की विशेष बात यह रही कि राजस्थान भाजपा के नए संगठन महामंत्री अजेय कुमार का पहली बार विधायक दल के समक्ष औपचारिक परिचय कराया गया। इस दौरान, अजेय कुमार ने विधायकों को संबोधित करते हुए संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई।

राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अल्का गुर्जर ने पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने कहा कि वे पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और

- **भाजपा विधायक दल की विशेष बात यह रही कि नए प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार का विधायकों से औपचारिक परिचय कराया गया। अजेय कुमार ने विधायक दल को संबोधित भी किया।**

राजस्थान की आवाज को प्रभावी ढ ंग से सदन में उठाएंगे।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, सोमवार को पार्टी के दोनों राज्यसभा प्रत्याशी विधानसभा में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान, मुख्यमंत्री, प्रदेश नेतृत्व, मंत्रीगण, विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है और संगठन स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मालवीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

आदेश के अनुसार, जयपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन अथवा सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी। निषेधाज्ञा के तहत, सार्वजनिक स्थानों पर धारदार या घातक हथियार, लाठी, डंडा, बरछी, गंडासा तथा आग्नेयास्त्र लेकर चलने पर भी रोक लगाई गई है। हालांकि यह प्रतिबंध ड्यूटी पर तैनात पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षाबलों पर लागू नहीं होगा।

वहीं, दूसरी ओर संभागीय आयुक्त जयपुर वी. सरवन कुमार ने आदेश जारी कर 8 जून को जयपुर संभाग में इंटरनेट व्यवस्था बंद रखने के आदेश दिए है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एवं इंटरनेट आधारित सेवाओं के दुरुपयोग से अफवाहों के प्रसार तथा सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका के चलते यह निर्णय लिया गया है।

आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सरकार निवेश के माहौल को कमजोर कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।

दादाभाई नौरोजी, ऋषि सुनक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरे विश्व युद्ध के बाद से माइग्रेशन यू.के. के विकास का आधार रहा है और इसने देश के आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में अहम योगदान दिया है। यूके में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा समूह भारतीय छात्रों का है। हाउस ऑफ कॉमन्स के आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में 1,07,000 से अधिक भारतीय छात्र यूके में अध्ययन करने आए, जो 2017-2018 की तुलना में नौ गुना अधिक है।

रणजीत राठौड़ ने कहा, ''मेरे अंदर राजनीति में रुचि, छात्र नेतृत्व और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से अपने आप विकसित हुई। छात्र संघ का अध्यक्ष रहने के बाद, मुझे कंज़रवेटिव पार्टी के सदस्यों ने राजनीतिक अभियानों में शामिल होने का अवसर दिया, जिनमें बोरिस जॉनसन और ऋषि सुनक के अभियान भी शामिल थे। समय के साथ मैं अधिकारिक रूप से कंज़र्वेटिव पार्टी में शामिल हो गया और बाद में मुझे काउंसलर उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए चुना गया।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में यूके आने के बाद राजनीति में जगह बनाना हमेशा आसान नहीं था। कई मौके ऐसे आए, जब मुझे खुद को साबित करने और विश्वास जीतने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ी। लेकिन मुझे लगता है कि इन अनुभवों ने मुझे एक अलग दृष्टिकोण दिया और रिप्रेज़ैटेशन, इन्क्लूज़न और समुदाय-केन्द्रित नेतृत्व के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। मेरा उद्देश्य है, विशेष रूप से युवा और विविध समुदायों के बीच नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देना और स्थानीय मुद्दों तथा सार्वजनिक सेवा में सकारात्मक योगदान देना।''

पिछले कुछ दशकों में हाउस ऑफ कॉमन्स में भारतीय मूल के सांसदों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जो ब्रिटेन में विशेष रूप से भारतीयों सहित जातीय अल्पसंख्यकों की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी को दर्शाती है। वर्ष 2015 से 2018 के बीच, ब्रिटेन में 42 प्रतिशत से अधिक भारतीय प्रति सप्ताह 1000 पाउण्ड से अधिक कमाने वाले उच्च आय वर्ग में शामिल थे। अकेला भारतीय समुदाय ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 6 प्रतिशत का योगदान देता है।

राठौड़ ने कहा कि ब्रिटेन और भारत की राजनीति अलग-अलग हैं।

2022 में बैरट लंदन के एक अनुमान के अनुसार, ब्रिटेन में भारतीयों के पास अंग्रेजों की तुलना में अधिक रियल एस्टेट संपत्ति है। इनमें लंबे समय से रहने वाले निवासी और अनिवासी भारतीय, दोनों शामिल हैं। इस सूची में अंग्रेज दूसरे और पाकिस्तानी तीसरे स्थान पर थे।

हालांकि रूपर्ट लोव जैसे कुछ राजनेता दक्षिण एशियाई लोगों, विशेषकर भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियाँ करते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ब्रिटिश भारतीयों और भारतीयों ने यूनाइटेड किंगडम के विकास में बड़ा योगदान दिया है। 1950 और 1960 के दशक में, जब हजारों सिख रोजगार के लिए ब्रिटेन गए, तब उनकी मेहनत और योगदान ने युद्ध से प्रभावित ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एस्टन विश्वविद्यालय के शोध में भी पाया गया है कि भारतीयों का ब्रिटेन में प्रवास देश के लिए लाभकारी रहा।

भारतीय प्रवासी समुदाय का निरंतर प्रभाव रणजीत राठौड़ जैसे लोगों के रूप में देखा जा सकता है, जिनके अनुभव ब्रिटिश समाज में भारतीयों की बदलती और प्रभावशाली भूमिका को दर्शाते हैं।

ओडिशा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने के बाद विजिलेंस ने उन्हें गिरफ्तार कर विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) की अदालत में पेश किया। विजिलेंस की कई टीमों ने भुवनेश्वर, जाजपुर, कंधमाल और अन्य स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान सबसे चौंकाने वाली बरामदगी 2 करोड़ 4 लाख 14 हजार 400 रुपये नकद की रही।

इसके अलावा, 45 लाख रुपये की बैंक जमा राशि, लगभग 552 ग्राम सोने के आभूषण, एक हुंडई क्रेटा कार तथा करीब 44.35 लाख रुपये मूल्य के घरेलू सामान और अन्य कीमती वस्तुएं भी बरामद की गईं।

डीके शिवकुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित, पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया है। जब एनडीटीवी ने उनसे पूछा कि क्या वे दिए गए विभाग से असंतुष्ट हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए, जहां वे जनता के लिए बेहतर ढंग से काम कर सकें।

मंत्री सतीश जारकीहोली, जिनके पास नई सरकार में लोक निर्माण विभाग बरकरार है, ने कहा कि वे कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष का पद भी चाहते थे और इसके लिए उन्होंने पार्टी हाईकमान से अनुरोध किया था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे हाईकमान के फैसले का सम्मान करेंगे।

डी.के. शिवकुमार को अपने मंत्रिमंडल में किसी भी महिला मंत्री को शामिल न करने को लेकर भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को सबसे पहले कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने उठाया। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल के पहले चरण में किसी महिला को मंत्री न बनाए जाने से वे निराश हैं।

आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल में अभी कई पद खाली हैं और मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने 3 जून को 13 मंत्रियों के साथ शपथ ली थी।

तीन माह भी नहीं चल पायेगी टीवीके सरकार- स्टालिन

उन्होंने कहा, जनता में इस सरकार के प्रति भारी असंतोष है, इसलिए मैं समय से पहले बोल रहा हूँ

चेन्नई, 07 जून। तमिलनाडु की राजनीति में इस समय जबरदस्त उबाल है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने एक बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य की नई टीवीके सरकार तीन महीने भी नहीं चल पाएगी। मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय के नेतृत्व वाली यह सरकार शुरुआत से ही चौतरफा घिरी हुई है। इस बयान के बाद राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

- **स्टालिन ने अपनी पार्टी में आए नेताओं से कहा कि अपनी पुरानी पार्टी की बुराई नहीं करें, क्योंकि जैसा अन्ना दुराई ने कहा था, विरोधी के बगीचे के चमेली के फूल से भी खुशबू आती है।**

चेन्नई में आयोजित एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला। दरअसल, यह कार्यक्रम विदुथलाई चिरुथाईगल काची के पूर्व विधायक पनैयूर बाबू और उनके समर्थकों को द्रमुक में शामिल कराने के लिए आयोजित किया गया था।

नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए स्टालिन ने कहा कि जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब मैंने कहा था कि मैं छह महीने तक इसकी आलोचना नहीं करूंगा। लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। अब ऐसा डर सताने लगा है कि मुझे अपने तय समय से पहले ही बोलना पड़ेगा। स्टालिन ने सरकार की स्थिरता पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जनता के बीच इस सरकार को लेकर भारी असंतोष है। आलोचनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब सवाल छह, पांच या चार महीनों का नहीं रह गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सरकार तीन महीने भी टिक पाएगी।

अमेरिका में भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव सहायता दे रहे हैं। अंशुल की बहन तन्वी ने मीडिया को बताया कि उनका भाई नॉर्थ फिलाडेल्फिया की एक बड़ी कंपनी (एमएनसी) में काम करता था। वह अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए शनिवार और रविवार को पिज्जा डिलीवरी का काम भी करता था। तन्वी ने बताया कि अंशुल को सिर में तीन गोलियां मारी गईं और उसे सड़क पर ही छोड़ दिया गया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि हमलावरों ने अंशुल से कुछ भी नहीं लूटा। उसका सारा सामान सुरक्षित मिला है। अंशुल चार साल पहले पढ़ाई के लिए अमेरिका गया था। तन्वी ने बताया कि इससे पहले भी अंशुल के साथ लूटपाट की एक घटना हुई थी। तब कुछ लोगों ने उसकी चेन, फोन और पैसे छीन लिए थे। परिवार अब भारत के विदेश मंत्रालय से गुहार लगा रहा है कि अंशुल के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाया जाए। उन्हें जानकारी मिली है कि सोमवार को शव परिवार को सौंपा जा सकता है।

मानसून 11 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अरुणाचल प्रदेश। इन सभी राज्यों में मॉनसून की बारिश रिकॉर्ड की जा रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मॉनसून की वजह से अगले 7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तरपूर्वी भारत में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) होने की प्रबल संभावना है। साथ ही, 8 से 10 जून के बीच कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की भी संभावना है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908